www.navpradesh.com

दैनिक नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, सोमवार, 3 अगस्त 2026 कृष्ण पक्ष-पंचमी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 113 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

नए आपराधिक कानूनों ने न्याय व्यवस्था में लाया ऐतिहासिक परिवर्तन : सीएम साय

रायपुर/नवप्रदेश। वर्तमान समय की आवश्यकताओं और बदलती चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए नए आपराधिक कानून भारत की न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन के वाहक बने हैं। इन कानूनों का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि आम नागरिक को त्वरित, पारदर्शी, सुलभ और समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना है। आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्रणालियों और वैज्ञानिक साक्ष्यों को न्याय प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाकर न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, विश्वसनीय और जवाबदेह बनाया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित 'स्ट्रेंथिंग डिजिटल जस्टिस' राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगभग डेढ़ सौ वर्ष पुराने औपनिवेशिक कानूनों के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ डिजिटल न्याय प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ बनेगा देश का अग्रणी राज्य : मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा

■ स्ट्रेंथिंग डिजिटल जस्टिस राज्य स्तरीय कार्यशाला में सीएम ने कहा- आम नागरिक को त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध न्याय दिलाना नए कानूनों का मूल उद्देश्य

छत्तीसगढ़ के सभी थाने ऑनलाइन मोड पर कार्यरत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम के माध्यम से देशभर के पुलिस थाने डिजिटल रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं। इससे अपराधियों का रिकॉर्ड तत्काल उपलब्ध हो जाता है और पुलिस को त्वरित कार्रवाई में सुविधा मिलती है। छत्तीसगढ़ के सभी थाने ऑनलाइन मोड में कार्यरत हैं तथा राज्य में अब तक 1 लाख 97 हजार 547 एफआईआर ऑनलाइन दर्ज की जा चुकी हैं।

ई-साक्ष्य से साक्ष्यों की विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी: सिन्हा

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कहा कि तीनों नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन से राज्य की आपराधिक न्याय प्रणाली अधिक पारदर्शी, वैज्ञानिक, त्वरित और तकनीक आधारित बनेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम देश की न्याय व्यवस्था में व्यापक बदलाव लेकर आए हैं। इन कानूनों की सफलता केवल उनके लागू होने में नहीं, बल्कि सभी संबंधित संस्थाओं द्वारा उनके प्रभावी क्रियान्वयन में निहित है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आज की चर्चा केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपराधिक अनुसंधान और न्यायिक प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन का प्रतीक है। ई-साक्ष्य, ई-चालान, न्याय श्रुति तथा डिजिटल फॉरेंसिक्स जैसी व्यवस्थाएं नए कानूनों की मूल भावना को साकार करने के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। विशेष रूप से ई-साक्ष्य को उन्होंने साक्ष्य प्रबंधन की समग्र एवं एकीकृत प्रणाली बताते हुए कहा कि इससे साक्ष्यों की विश्वसनीयता और प्रामाणिकता सुनिश्चित होगी।

आज बेबाक

सही बात है। क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साधुवाद के पात्र हैं जिन्होंने बड़ा दिल दिखाते हुए गालीबाजों को क्षमा कर दिया और समाज से भी इन गालीजीवियों को माफ करने की अपील कर दी। अच्छे लोग अच्छी बात ही करते हैं। किसी का भी गुनाह बख्श सकते हैं लेकिन समाज में गंदगी फैलाने वाले ये गटरछाप गद्दार जिन्होंने सेना को गाली दी और हिन्दू धर्म का अपमान किया ये क्षमा के पात्र नहीं हैं। याद रखें- अन्याय देख चुप रहना यह महा दुष्कर्म है, न्यायार्थ अपने बंधु को भी दंड देना ही धर्म है।

अभियान लॉन्च : युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं, हमें उनकी प्लानिंग नाकाम करनी है

भारत में ड्रग्स सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा: पीएम मोदी

■ पीएम ने 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया

नई दिल्ली/ए.। पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा।

उन्होंने बताया कि अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के जरिए नशा मुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। पीएम ने युवाओं से इस अभियान का नेतृत्व करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

नशा सपनों और परिवार दोनों को तोड़ देता है

पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, एआई और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है।

100 हफ्तों तक हर रविवार कार्यक्रम होगा

इस कार्यक्रम का मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। यह अभियान अगले 100 हफ्तों तक चलेगा। इसके तहत हर रविवार देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे, जिनके जरिए लोगों को नशे के नुकसान बताए जाएंगे और नशा मुक्त भारत का संदेश दिया जाएगा।

युवाओं को निशाना बना रहे

नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं। सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

जिंदगीभर का नुकसान

ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो नशा इंसान की बुद्धि और विवेक छीन ले, वह उसे पतन की ओर ले जाता है।

नशा मुक्त युवा कार्यक्रम: 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले देशभर के युवाओं ने एक साथ 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ली। यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के 28 हजार से ज्यादा स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। अभियान में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए। कार्यक्रम में 5 प्रमुख आध्यात्मिक गुरु—अम्मा, श्री श्री रविशंकर, दाजी, डॉ. चिन्मय पंड्या और स्वामी ब्रह्मविहारीजी भी वर्चुअली जुड़े। इसके अलावा कई मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

युवाओं को मौका मिले

नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं। किसी व्यक्ति का अतीत उसकी पहचान नहीं होता, बल्कि मुश्किलों से बाहर निकलने का उसका साहस उसकी असली पहचान होता है।

कार्रवाई कई गुना बढ़ी

देश में नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त की जा रही है और कार्रवाई पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रमाण है।

इंडोनेशिया में फेरी बोट में आग पांच की मौत, 41 सवार लापता

जकार्ता/ए.। इंडोनेशिया के मादुरा द्वीप के पास रविवार सुबह एक यात्री फेरी बोट में आग लग गई। इसके बाद लोग जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गए। रॉयटर्स के मुताबिक, हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लोग अब भी लापता हैं।

इंडोनेशिया की राष्ट्रीय सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के मुताबिक फेरी में कुल 271 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। कुछ लोग जान बचाने के लिए बोट से समुद्र में कूद गए। दोपहर तक 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि बाकी लोगों की तलाश जारी है। फेरी ईस्ट जावा प्रांत के सुराबाया से साउथ सुलावेसी के मकासार जा रही थी। इसी दौरान मादुरा द्वीप के पास उसमें आग लग गई। आग लगने की वजह साफ नहीं हो सकी है। फिलहाल लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

ईरान पर हमला फिलहाल टाल दिया : डोनाल्ड ट्रम्प

■ होर्मुज खोलने और परमाणु खतरा खत्म करने पर सहमति बनी, सऊदी ने कार्रवाई रोकने को कहा था

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान/ए.। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था।

उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सरगुजा में बस से जब्त हुआ डेढ़ क्विंटल प्रतिबंधित पनीर

सरगुजा/नवप्रदेश। सरगुजा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने राज्य में प्रतिबंधित किए गए एनालॉग पनीर की जांच के लिए अभियान चलाते हुए एक बस से डेढ़ क्विंटल पनीर जब्त किया है। मामले में प्रतिबंधित श्रेणी का पनीर के अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया है। खाद्य विभाग ने सभी डेयरी संचालकों और होटलों के संचालकों को नोटिस भेजा है। छत्तीसगढ़ शासन ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत राज्य में डेयरी एनालॉग (एनालॉग पनीर) तथा अन्य गैर-दुग्ध डेयरी प्रोडक्ट्स के निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है।

गरमा-गरम

डांगी का मामला हाईकोर्ट पहुंचा आईएएस अधिकारी से मांगी जांच

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी के खिलाफ लगे गंभीर आरोपों का मामला अब छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) की चौखट पर पहुंच गया है। पीड़िता ने अपने अधिवक्ता अभिषेक पांडेय के माध्यम से हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर कर आईपीएस अधिकारियों द्वारा की जा रही जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

पीड़िता ने निष्पक्ष न्याय की गुहार लगाते हुए मामले की जांच किसी वरिष्ठ एवं महिला आईएएस अधिकारी से कराने, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में कथित अवैध ■ शेष पृष्ठ 8 पर

समान रैंक के अधिकारी से जांच पर पीड़िता को ऐतराज

याचिका में कहा गया है कि तत्कालीन आईजी आनंद छाबड़ा को जांच अधिकारी बनाया गया था, जो आरोपी रतनलाल डांगी के समान रैंक के अधिकारी हैं। पीड़िता का तर्क है कि समान स्तर के आईपीएस अधिकारी से निष्पक्ष जांच संभव नहीं है। साथ ही आईजी छाबड़ा पर महादेव सट्टा ऐप से जुड़े प्रकरण विचाराधीन होने का हवाला देकर उन पर आपत्ति जताई गई है।

कटनी में डीआरआई का छापा, स्विस सोना जब्त

कटनी/नवप्रदेश। डीआरआई को मिली खुफिया सूचना के आधार पर शुक्रवार देर रात कटनी रेलवे स्टेशन पर दो युवकों को पकड़ा गया। उनके कब्जे से 748.10 ग्राम विदेशी मूल का सोने का बिस्किट बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में यह सोना विदेशी रिफाइनरी का पाया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सत्यम सराफ और आयुष मिश्रा के रूप में हुई है। इन दोनों आरोपियों से पूछताछ के दौरान अन्य जानकारी मिली। बरामद विदेशी सोने का कुछ हिस्सा शहर के सराफा बाजार स्थित गोयनका ज्वैलर्स तक पहुंचाया जाना था। इस इनपुट के आधार पर डीआरआई की टीम ने तुरंत गोयनका ज्वैलर्स पर छापा मारा।

केरलम और कर्नाटक में भारी बारिश से 11 मौतें

■ राजस्थान के 24 जिलों में बारिश, अजमेर में सड़कों पर पानी भरा

नई दिल्ली/ए.। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है।

कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं। हादसे के समय तीनों पहाड़ी के पास बने घर में सो रहे थे। वहीं, राजस्थान के 24 जिलों में बारिश हो रही है। इसकी वजह से अजमेर की सड़कों पर पानी भर गया।

केदारनाथ-रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड, मार्ग बाधित

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और केदार घाटी में लगातार भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और चट्टानें गिरने से केदारनाथ मार्ग और हाईवे बाधित हो रहे हैं। जिससे जारी कांवड़ यात्रा के दौरान यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश से जर्जर-पुल दो हिस्सों में ढहा, चलती बस रास्ते में फंसी

■ पेंड्रा-अमरकंटक समेत कई शहरों का संपर्क टूटा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश के बाद कई जगह हालात बिगड़े हुए हैं। रविवार दोपहर बिलासपुर-रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर बांसाझाल स्थित पुल अचानक दो हिस्सों में टूटकर ढह गया। इस दौरान पुल से गुजर रही एक यात्री बस टूटे हुए हिस्से के बीच फंस गई।

बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पुल पहले से जर्जर था, लगातार बारिश के बाद ये घटना हुई। पुल टूटने से बिलासपुर का पेंड्रा, गौरेला, अमरकंटक के साथ-साथ मध्य प्रदेश के जबलपुर, शहडोल और छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ से सीधा संपर्क टूट गया है। इधर मौसम विभाग के अनुसार ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 : 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल के साथ भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंचा

भारत का 'गोल्डन पंच', एक दिन में 16 मेडल जीते

नई दिल्ली/ए.। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए 10वां दिन ऐतिहासिक रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने एक ही दिन में बॉक्सिंग के 10 मेडल समेत कुल 16 मेडल अपने नाम किए। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने मेडल टैली में छह पायदान की लंबी छलांग लगाई और 13 गोल्ड, 17 सिल्वर तथा 9 ब्रॉन्ज मेडल के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गया। भारत के कुल मेडल की संख्या अब 39 हो गई है।

मेडल टैली में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बना हुआ है। उसके खाते में 61 गोल्ड, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ट्रिपल जंप में भी भारत का दमदार प्रदर्शन

एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की ट्रिपल जंप स्पर्धा में प्रवीण चित्रावेल ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि सेल्वा प्रभु थिरुमारन ने ब्रॉन्ज पदक अपने नाम किया। दोनों के प्रदर्शन से भारत की एथलेटिक्स में पदक संख्या को मजबूती मिली।

बॉक्सिंग में भारत का 'गोल्डन पंच'

10वें दिन भारतीय मुक्केबाजों ने सबसे दमदार प्रदर्शन किया। बॉक्सिंग में भारत ने कुल 10 मेडल जीते, जिनमें 7 गोल्ड शामिल रहे। पुरुष वर्ग में अंकुश पंघाल और सचिन सिवाच ने गोल्ड मेडल अपने नाम किए। महिला वर्ग में जैस्मिन लैम्बोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घनघस, अरुंधति चौधरी और प्रीति ने स्वर्ण पदक जीते।

3 मुक्केबाजों ने जीते सिल्वर

भारतीय बॉक्सरों के शानदार प्रदर्शन में तीन सिल्वर मेडल भी शामिल रहे। जदुमणि सिंह, लवलीना बोरगोहेन और नरेंद्र बेरवाल ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में रजत पदक जीतकर भारत की मेडल संख्या में इजाफा किया।

एसटीएफ के शिकंजे में जैश का संदिग्ध आतंकी

■ सीजेपी प्रदर्शन की आड़ में घुसपैठ की थी कोशिश

कोलकाता/ए.। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध आतंकी हमीम मंडल की गिरफ्तारी के बाद कई अहम खुलासे किए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, हमीम को पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स की ओर से दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन में पुलिसकर्मी की वर्दी पहनकर घुसपैठ करने और वहां अशांति फैलाने के निर्देश दिए गए थे। एसटीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, जांच के दौरान ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हनीट्रैप एंगल की भी जांच

जांच एजेंसी के अनुसार, अर्पिता सरकार की भूमिका प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करने और उनसे संवेदनशील जानकारी जुटाने से भी जुड़ी हो सकती है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस नेटवर्क के जरिए हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग जैसी गतिविधियां भी संचालित की जा रही थीं।

14 दिन की हिरासत में संदिग्ध आतंकी

अदालत ने हमीम मंडल को 14 दिन की एसटीएफ हिरासत में भेज दिया है। एजेंसी का कहना है कि पूछताछ के दौरान नेटवर्क के अन्य सदस्यों, विदेशी संपर्कों और संभावित आतंकी गतिविधियों से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। जांच अभी जारी है।

स्कूल कार्यालय में शराब पीते मिले दो शिक्षक

शिक्षा के मंदिर में शर्मनाक कथित कृत्य!

पत्रकारों से अभद्रता का भी आरोप

मैनपुर/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला देवझर (अमली) से शिक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। एक स्थानीय मीडिया टीम के अनुसार, स्कूल के औचक निरीक्षण के दौरान दो शिक्षक-मनोज कुमार भारद्वाज और कमल सिंह दीवान स्कूल के कार्यालय कक्ष में कथित रूप से चखने के साथ शराब का सेवन करते हुए मिले। इस दौरान कई छात्र-छात्राएं बिना पढ़ाई के स्कूल परिसर में मौजूद थे।

कार्यालय में कथित शराब पार्टी, कक्षाओं में नहीं हुई पढ़ाई

मीडिया टीम का दावा है कि निरीक्षण के समय तीन शिक्षक अवकाश पर थे, जबकि दो शिक्षक कथित रूप से नशे की हालत में मिले। आरोप है कि दोनों शिक्षक निर्धारित ड्रेस कोड के विपरीत टी-शर्ट और कार्गो जींस में थे तथा शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा था।

पत्रकारों से अभद्र व्यवहार का आरोप

मीडिया टीम का यह भी आरोप है कि जब शिक्षकों से इस संबंध में सवाल पूछे गए तो उन्होंने कथित रूप से आक्रोशित होकर अपशब्दों और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आने का दावा किया जा रहा है।

शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला केवल अनुशासनहीनता का नहीं बल्कि शिक्षा के मंदिर की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला माना जाएगा। जिस विद्यालय में बच्चों को संस्कार और अनुशासन की सीख दी जाती है, वहां इस प्रकार की कथित हरकतें शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है ।

हाईवे और स्कूल के पास शराब दुकान हटाने की मांग

- मंत्री ओपी चौधरी को सौंपा गया ज्ञापन

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग (सोरिद-सिहावा मार्ग) एवं रुद्री रोड स्थित विद्यालय के समीप संचालित शराब दुकानों को हटाने की मांग तेज हो गई है। वरदान परमार्थ सेवा समिति के अध्यक्ष शिवा कुमार प्रधान ने छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री ओपी चौधरी को ज्ञापन सौंपकर जनहित और विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए इन शराब दुकानों को तत्काल हटाने अथवा अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित शराब दुकान के कारण कई वाहन चालक शराब खरीदकर नशे की हालत में वाहन चलाते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे आम नागरिकों, महिलाओं और राहगीरों की सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है।

समिति ने यह भी कहा कि रुद्री रोड स्थित विद्यालय के समीप शराब दुकान होने से बच्चों के मानसिक एवं सामाजिक वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थियों और अभिभावकों को असुरक्षा की स्थिति का सामना करना पड़ता है।

ज्ञापन के माध्यम से सरकार से मांग की गई है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे संचालित शराब दुकान को अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए तथा विद्यालय के पास संचालित शराब दुकान को तत्काल हटाया जाए। साथ ही स्कूल, अस्पताल और धार्मिक स्थलों के आसपास शराब दुकानों के संचालन पर प्रभावी कार्रवाई तथा नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ नियमित सख्त अभियान चलाने की भी मांग की गई है।

न्यूज गैलरी

सम्बलपुर में डूबने से युवक की मौत

छुरिया/नवप्रदेश। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सम्बलपुर में पानी में डूबने से युवक रिहान ठाकुर (पिता भारत ठाकुर) के आकस्मिक निधन पर क्षेत्रीय विधायक भोलाराम साहू ने शनिवार को शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की।

जानकारी के अनुसार 31 जुलाई 2026 को रिहान ठाकुर की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही विधायक भोलाराम साहू ग्राम सम्बलपुर पहुंचे और दिवंगत के निवास पर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुमारदा के अध्यक्ष प्रताप सिंह घावड़े, मोहित भुआर्या, घुनु राम, बदल रावटे, चंद्रवंशी, ग्राम पंचायत सम्बलपुर के सरपंच अंगद राणा, उपसरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं परिवारजन उपस्थित रहे। शोक की इस घड़ी में कांग्रेस परिवार ने दिवंगत के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

न्याय श्रुति प्लेटफॉर्म के प्रशिक्षण में शामिल हुए एसपी त्रिलोक बंसल

बेमेतरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार राज्य में न्याय श्रुति प्लेटफॉर्म के सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से आज 01 अगस्त 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव सहित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं थाना-चौकी के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

प्रशिक्षण का आयोजन प्रातः 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया, जिसमें एनआईसी, नई दिल्ली द्वारा न्यायालयों के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को न्याय श्रुति प्लेटफॉर्म के संचालन एवं उपयोग संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान न्याय श्रुति को सीएएस छत्तीसगढ़ एवं सीसीटीएनएस के साथ एकीकृत करने के लिए उत्पादन-स्तर एकीकरण परीक्षण की भी जानकारी दी गई।

पुलिस कार्यालय बेमेतरा के सभाकक्ष में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में एसपी त्रिलोक बंसल , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव, डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, डीएसपी कौशिल्या साहू, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला रूचि वर्मा सहित जिले के सभी थाना-चौकी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में बताया गया कि न्याय श्रुति एक आधुनिक डिजिटल व्यवस्था है, जो न्यायालयीन कार्यवाही एवं गवाही के लिए सुरक्षित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा उपलब्ध कराती है। इसके माध्यम से गवाह, पुलिस अधिकारी, चिकित्सक तथा वैज्ञानिक विशेषज्ञ दूरस्थ स्थान से ही सुरक्षित तरीके से अपनी गवाही दर्ज करा सकेंगे। इससे कैदियों एवं गवाहों को बार-बार न्यायालय लाने-ले जाने की आवश्यकता कम होगी, समय और संसाधनों की बचत होगी तथा न्यायालयों में लंबित मामलों के त्वरित निराकरण में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान नए आपराधिक कानूनों तथा ICJS-CCTNS से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशिक्षण में निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, दुलेश्वर चंद्रवंशी, सत्य प्रकाश उपाध्याय, उप निरीक्षक योगेश अग्रवाल, राजकुमार साहू, प्रशिक्षु उप निरीक्षकगण, सहायक उप निरीक्षक मोहन साहू, प्रधान आरक्षक मोहित चेलक, गोपाल ध्रुव तथा आरक्षक देवेन्द्र सिन्हा, मनीष देवांगन सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधायक ओंकार साहू ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

राज्य स्तरीय पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी विधायक श्री ओंकार साहू आज पावरलिफ्टिंग संघ धमतरी द्वारा आयोजित 12वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया, खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री ओंकार साहू ने कहा कि धमतरी में राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों की उपस्थिति से धमतरी की खेल प्रतिभा और आयोजन क्षमता को नई पहचान मिली है।

उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का ही नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, संघर्ष और दृढ़ संकल्प का भी प्रतीक है। खेल युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने तथा निरंतर मेहनत कर राज्य एवं देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

विधायक श्री साहू ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए पावरलिफ्टिंग संघ धमतरी एवं आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन जिले के युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के साथ-साथ नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

अंत में उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

मंदिर सफाई करते समय करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

धमतरी/नवप्रदेश। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत लाल बगीचा वार्ड में रविवार सुबह एक बेहद दुखद हादसा हो गया। सावन सोमवार के पावन अवसर पर शिव मंदिर की साफ-सफाई के दौरान 20 वर्षीय युवक हाई वोल्टेज बिजली के तार की चपेट में आ गया। हादसे में गंभीर रूप से झुलसे युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे वार्ड और शहर में शोक की लहर फैल गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, लाल बगीचा शिव मंदिर के पास रहने वाला घनश्याम सेन (20 वर्ष) पिता बुधराम सेन रविवार सुबह करीब 11 बजे आगामी सावन सोमवार की पूजा-अर्चना की तैयारियों के तहत मंदिर समिति के कहने पर शिव मंदिर परिसर की साफ-सफाई में जुटा हुआ था। इस दौरान वह मंदिर के ऊपर स्थित पेड़ की डंगाल काटने चढ़ा। बताया जा रहा है कि पेड़ की डाल पास ही स्थित बिजली के ट्रांसफार्मर और उससे जुड़े हाई वोल्टेज तारों के काफी करीब थी।पत्ता हटाते समय वह अचानक तार की चपेट में आ गया और जोर का करंट लगते ही मंदिर की छत पर जा गिरा। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मंदिर समिति को इसके लिए किसी मजदूर को बुलाना था लेकिन पास के ही युवक को चढ़ाकर सफाई की जा रही थी जिससे यह घटना घट गई। समिति के सदस्यों पर कार्रवाई की मांग की गई।

अस्पताल पहुँचने से पहले तोड़ा दम

घटना देख आसपास मौजूद लोग और वार्डवासी तुरंत मौके पर पहुँचे। अचेत अवस्था में युवक को आनन-फानन में डीसीएच अस्पताल धमतरी ले जाया गया, जहाँ डॉक्टर ने 11:50 बजे जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। खबर मिलते ही पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है।मृतक घनश्याम सेन स्थानीय स्तर वार्ड में ही एक सैलून दुकान का संचालन करता था।

जंगल में मिला 6 दिन से लापता महिला का कंकाल, चूड़ियों से हुई पहचान

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के भोरमदेव थाना क्षेत्र में छह दिन से लापता एक महिला का कंकाल जंगल में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान परिजनों ने चूड़ियों और अन्य पहचान चिह्नों के आधार पर की। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

पुलिस के अनुसार ग्राम चौरा निवासी झंगल बैगा ने 1 अगस्त को थाना भोरमदेव में अपनी पत्नी चैती बाई बैगा (28) की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उसने बताया कि चैती बाई 26 जुलाई की सुबह करीब 7 बजे बिना किसी को बताए घर से निकल गई थी और वापस नहीं लौटी। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस, परिजन और ग्रामीण लगातार उसकी तलाश कर रहे थे।

खोजबीन के दौरान महिला के घर से करीब 200 मीटर दूर जंगल-झाड़ियों में एक सेन्हा पेड़ की डाल पर उसकी साड़ी का एक सिरा बंधा मिला। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर वैज्ञानिक तरीके से सभी महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए गए।

जांच के दौरान पेड़ के नीचे और आसपास अलग-अलग स्थानों पर मानव खोपड़ी, पसलियां और पैरों की हड्डियां बिखरी मिलीं। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि शव को जंगली जानवरों ने क्षत-विक्षत कर दिया होगा।

फैक्ट बॉक्स

- मृतका: चैती बाई बैगा (28)
- गांव: चौरा, थाना भोरमदेव
- लापता: 26 जुलाई
- गुमशुदगी दर्ज: 1 अगस्त
- शव मिला: घर से लगभग 200 मीटर दूर जंगल में
- पहचान: चूड़ियों व अन्य पहचान चिह्नों से
- जांच: पोस्टमार्टम व फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार।

संदीप साहू के परिवार को डॉ. रमन सिंह ने प्रदान की आर्थिक सहायता राशि

राजनांदगांव/नवप्रदेश। गौ तस्करों से गौ माता की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त करने वाले इंद्रानगर निवासी स्वर्गीय संदीप साहू के परिजनों को छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह द्वारा आर्थिक सहायता ?50,000 रुपए प्रदान की गई। यह सहयोग महापौर श्री मधुसूदन यादव तथा भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कोमल सिंह राजपूत, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह के सहयोग एवं समन्वय से उपलब्ध कराया गया।

उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय संदीप साहू ने कांग्रेस शासनकाल के दौरान गौ माता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया था। उस समय उनके परिजनों एवं मित्रों ने शासन एवं जनप्रतिनिधियों से आर्थिक सहायता की मांग की थी, किंतु परिवार को किसी प्रकार की उस समय की सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं की गई थी। उस समय भी राजनांदगांव तत्कालीन भाजपा विधायक डॉ. रमन सिंह स्वयं शहीद के निवास पहुंचकर परिवार से मुलाकात की तथा अपनी ओर से यथासंभव आर्थिक सहयोग प्रदान कर संवेदनशीलता का परिचय दिया था।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, भाजपा युवा मोर्चा जिला मंत्री सुनील सेन, स्वर्गीय संदीप साहू की माता रेशमी साहू तथा उनके भाई संतोष साहू उपस्थित रहे।

शहीद संदीप साहू के परिजनों एवं उनके मित्रों ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, महापौर मधुसूदन यादव तथा भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति : ओ.पी. चौधरी

धमतरी में 'नशामुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' का आयोजन

धमतरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण तथा योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी आज धमतरी के मराठा मंगल भवन में आयोजित 'नशामुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित युवाओं, विद्यार्थियों एवं नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाते हुए स्वस्थ, जागरूक और राष्ट्रनिर्माण के लिए समर्पित समाज के निर्माण का आह्वान किया।

कार्यक्रम में लोकसभा सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण सर्वा, नगर निगम महापौर श्री रामू रोहरा, पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, विद्यार्थी, युवा, स्वयंसेवी संगठन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कार्यक्रम 'नशामुक्त युवाङ्कविकसित भारत संकल्प अभियान' के अंतर्गत उपस्थित जनसमुदाय ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उद्बोधन भी लाइव सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर शिक्षा, नवाचार, कौशल, खेल और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया।

रक्तदान: महिला आरक्षक अमृता सेंगर ने मासूम बच्चे के लिए किया 18वां स्वैच्छिक रक्तदान

धमतरी पुलिस ने की सेवा भावना की मिसाल

धमतरी/नवप्रदेश। शनिवार रात्रि लगभग 10:00 बजे रेडक्रास सोसायटी के शिवा प्रधान द्वारा महिला आरक्षक श्रीमती अमृता सेंगर को एक मासूम बच्चे को तत्काल रक्त की आवश्यकता होने की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही महिला आरक्षक अमृता सेंगर ने बिना किसी विलंब के रक्तदान केंद्र पहुंचकर अपना 18वां स्वैच्छिक रक्तदान किया। उनके इस संवेदनशील एवं मानवीय प्रयास से जरूरतमंद बच्चे के उपचार में महत्वपूर्ण सहायता मिली।

महिला आरक्षक अमृता सेंगर पुलिस विभाग में अपने कर्तव्यों के निर्वहन के साथ-साथ मानव सेवा एवं जनसेवा के कार्यों में सदैव सक्रिय रहती हैं। जरूरतमंद बच्चे के लिए तत्काल रक्तदान हेतु आगे आना उनकी संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा एवं सेवाभाव का परिचायक है।

एसपी धमतरी ने महिला आरक्षक अमृता सेंगर के इस सराहनीय एवं मानवीय कार्य की प्रशंसा करते हुए उनके सेवाभाव एवं समर्पण की सराहना की है। उन्होंने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरत के समय समाज के साथ खड़े होकर मानवता की सेवा करना भी पुलिसिंग का महत्वपूर्ण दायित्व है।

धमतरी पुलिस द्वारा पूर्व में भी समय-समय पर जरूरतमंद मरीजों एवं आपात स्थिति में रक्त की आवश्यकता वाले लोगों के लिए अधिकारी - कर्मचारियों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया जाता रहा है।

पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी ड्यूटी के साथ मानवीय दायित्वों का निर्वहन करते हुए जरूरतमंदों के लिए रक्तदान कर जीवन बचाने में अपना योगदान देते रहे हैं।

धमतरी पुलिस का यह निरंतर प्रयास ÷पुलिस सेवा के साथ मानव सेवा÷ की भावना को सशक्त करता है। रक्तदान जैसे पुनीत कार्यों के माध्यम से धमतरी पुलिस समाज में ÷रक्तदान - जीवनदान÷ का संदेश देते हुए आमजन को भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने हेतु प्रेरित कर रही है। महिला आरक्षक श्रीमती अमृता सेंगर का 18वां स्वैच्छिक रक्तदान इसी सेवा, संवेदनशीलता और मानवीय दायित्व की प्रेरणादायी मिसाल है। उनका यह कार्य धमतरी पुलिस के प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी के लिए प्रेरणा का विषय है और समाज के अन्य लोगों को भी स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करता है।

धमतरी पुलिस महिला आरक्षक श्रीमती अमृता सेंगर को उनके 18वें स्वैच्छिक रक्तदान के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करती है। धमतरी पुलिस उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर जनसेवा के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करती है।

भाजपा सरकार जनता को राहत नहीं, लूट का बिल थमा रही : नवीन जायसवाल

कवर्धा/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम के अध्यक्ष नवीन जायसवाल के नेतृत्व में शनिवार को कांग्रेस भवन कवर्धा में आयोजित पत्रकार वार्ता में भाजपा सरकार की बिजली नीति, स्मार्ट मीटर और बिजली दरों में लगातार हो रही वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने तीखा हमला बोला। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार आम जनता, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग पर लगातार आर्थिक बोझ डाल रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने कहा कि भाजपा सरकार महतारी वंदन योजना के नाम पर महिलाओं को 1000 देकर प्रचार कर रही है, जबकि दूसरी ओर बढ़े हुए बिजली बिलों के माध्यम से उसी परिवार से 4000 से 5000 तक अतिरिक्त वसूली की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह जनकल्याण नहीं, बल्कि जनता की जेब पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में लगातार पांचवीं बार बिजली की दरों में बढ़ोतरी की गई है। जुलाई से घरेलू, गैर-घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं के लिए नई दरें लागू कर दी गई हैं। इसके पहले 12 प्रतिशत विद्युत ईंधन अधिभार भी लगाया गया था। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में अब तक बिजली की दरों में 31.23 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है, जबकि कांग्रेस सरकार ने अपने पांच वर्षों के कार्यकाल में केवल 2 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की थी और 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना लागू कर आम उपभोक्ताओं को राहत दी थी। पहले चरण में घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर हटाने तथा बिजली दरों में बढ़ोतरी वापस लेने के समर्थन में आवेदन और विरोध पत्र भरवाए जाएंगे।

ई राघवेंद्र राव का जीवन स्वाभिमान और जनकल्याण का बेजोड़ उदाहरण: मिश्रा

*स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिवार द्वारा जनसेवा के उद्देश्य से किया गया आयोजन

* नागरिकों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाओं का लिया लाभ

बिलासपुर/नवप्रदेश। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिवार, बिलासपुर द्वारा महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ई. राघवेंद्र राव की 137वीं जयंती के अवसर पर जनसेवा के भाव से एक दिवसीय विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 'सखी निवास', सरस्वती होम्स, सीपत रोड में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी गणेश शंकर मिश्रा उपस्थित रहे।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संगठन के अध्यक्ष मुरली मनोहर खंडेलवाल, पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश बाजपेयी, वरिष्ठ नेता शिवा मिश्रा, कवर्धा जिला अध्यक्ष डॉ. नरेश यदु एवं कार्यक्रम की आयोजक पूर्व महापौर वाणी राव मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

महान सेनानी के आदर्शों को याद किया : मुख्य अतिथि गणेश शंकर मिश्रा ने ई. राघवेंद्र राव के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। अपने संबोधन में श्री मिश्रा ने कहा,'ई. राघवेंद्र राव का जीवन राष्ट्रसेवा, स्वाभिमान और जन-कल्याण का एक अनुपम उदाहरण है। उनकी जयंती पर

इस प्रकार का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे आयोजनों से समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचती हैं।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी निःशुल्क परामर्श व सेवाएं

शिविर में नेत्र रोग, अस्थि रोग, जनरल सर्जरी, मानसिक रोग, मेडिसिन, स्त्री रोग, शिशु रोग, नाक-कान-गला एवं डाइटिशियन विशेषज्ञों सहित आयुष विभाग के डॉक्टरों (डॉ. एल.सी. मढ़ारिया, डॉ. विनोद तिवारी, डॉ. आर.ए. शर्मा, डॉ. आशुतोष तिवारी, डॉ. चंद्र किरण तिवारी, डॉ. राजेश्वरी उद्देश, डॉ. घनश्याम गंगवानी, डॉ. कासिम खान, डॉ. कुसुम राजपूत, डॉ. यशवंत सिंह आदि) ने सैकड़ों मरीजों की निःशुल्क जांच कर उन्हें उचित परामर्श एवं दवाइयां वितरित कीं।

इन लोगों की रही गरिमापूर्ण उपस्थिति

इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के सदस्यों के साथ साथ, अनिल तिवारी, डॉ. उषा किरण वाजपेयी, डॉ. संध्या तिवारी, यश गोरहा, श्वेता पांडे, अशोक तिवारी, अनिल व्यास, रमाशंकर शुक्ल, राजेश जैन, अशोक वर्मा, डॉ. मधुलिका सिंह, डॉ. अमर सिंह, डॉ. आशुतोष तिवारी, किरण शुक्ला, प्रवीण दीक्षित, राजेंद्र चतुर्वेदी, सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और आम नागरिक उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

म्यूल अकाउंट से 6.25 लाख की ठगी

बिलासपुर/नवप्रदेश। सिविल लाइन पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी में प्रयुक्त म्यूल अकाउंट के मामले में कार्रवाई की है। जरहाभाटा निवासी आरोपी मोहम्मद बिलाल ने आईडीबीआई बैंक में खाता खुलवाकर साइबर ठगी की रकम खपाने का आपराधिक षड्यंत्र रचा। खाते में 6.25 लाख रुपए का संदिग्ध लेनदेन पाया गया, जिसे यूपीआई, एटीएम व चेक के जरिए आहरित किया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एयू: कॉलेजों में प्रवेश अब 14 अगस्त तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध 110 कॉलेजों में प्रवेश के पहले चरण के बाद भी 67.94 प्रतिशत सीटें खाली रह गई हैं। कम प्रवेश को देखते हुए विश्वविद्यालय ने रिक्त सीटों पर प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त तक बढ़ा दी है। स्नातक की 32,400 सीटों में से केवल 10,386 सीटों पर प्रवेश हुआ है, जबकि 22,014 सीटें खाली हैं। वहीं स्नातकोत्तर और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की 19,770 सीटों में से 17,479 सीटें रिक्त हैं। निजी कॉलेज संचालकों ने कम प्रवेश के चलते तारीख बढ़ाने कुलपति को पत्र लिखा था। इसके बाद विश्वविद्यालय ने कॉलेजों को रिक्त सीटों पर प्रवेश लेकर ऑनलाइन लॉकिंग की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। पिछले साल भी प्रवेश की तिथि बढ़ाई गई थी, लेकिन बड़ी संख्या में सीटें खाली रह गई थीं।

नशे से मुक्त हो राष्ट्र को बनाएँ समर्थ: शुक्ला

बिलासपुर/नवप्रदेश। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 'नशा मुक्त विकसित भारत' राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ऑनलाइन संबोधन एवं नशामुक्ति शपथ के जिला स्तरीय कार्यक्रम का डी.एल.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गरिमामय आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सुशान्त शुक्ला रहे, अध्यक्षता कुलपति प्रो. एल. पी. पटेरिया ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में कुलसचिव डॉ. तारणीश गौतम व डॉ. एच. एस. होता उपस्थित रहे। अतिथियों के पुष्पगुच्छ से स्वागत के बाद स्वागत उद्बोधन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा ने किया। अपने राष्ट्रव्यापी संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र के भविष्य का विनाश करता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण का संकल्प तभी साकार होगा, जब देश का युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा, नवाचार, कौशल, सेवा और राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगाएगा।

बिलासपुर में एक महीने में तीसरी बड़ी अग्निकांड की घटना, जांच शुरू

सरकारी शराब दुकान में भीषण आग लाखों का स्टॉक जलकर खाक

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर शहर के व्यापार विहार स्थित सरकारी शराब दुकान में शनिवार तड़के भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि इसे बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड के तीन वाहनों के साथ हाईकोर्ट परिसर में तैनात दमकल वाहन को भी मौके पर बुलाना पड़ा। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस हादसे में शराब का बड़ा स्टॉक और दुकान का सामान जलकर नष्ट हो गया।

डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट दीपांशु नाथ ने बताया कि रात 2:22 बजे आग लगने की सूचना मिली। दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया, लेकिन इसी दौरान आग ने अचानक और विकराल रूप ले लिया। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए।फायर ब्रिगेड की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए सुबह करीब 4 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया। समय रहते आग को आसपास की दुकानों और अन्य

प्रतिष्ठानों तक फैलने से रोक लिया गया।

एडिशनल कमिश्नर एक्साइज नवनीत तिवारी ने बताया कि दुकान में 80 से 90 ब्रांड की शराब का स्टॉक रखा हुआ था। फिलहाल स्टाफ स्टॉक का मिलान कर नुकसान का आकलन कर रहा है। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। गौरतलब है कि व्यापार विहार क्षेत्र में पिछले एक महीने के भीतर आग लगने की यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले माल धक्का इलाके में दो बार आग लग चुकी है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं को देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभाग अब पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुट गए हैं।

चार दमकल वाहनों की मदद से आग पर पाया गया काबू

व्यापार विहार स्थित सरकारी शराब दुकान में शनिवार तड़के भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। रात करीब 2:22 बजे आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन आग तेजी से फैलने लगी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड के तीन वाहनों के साथ हाईकोर्ट परिसर में तैनात दमकल वाहन को भी बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने लगातार करीब दो घंटे तक मशक्कत कर सुबह लगभग 4 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक पहुंचने का खतरा बन गया था, लेकिन दमकल दल की तत्परता से आग को फैलने से रोक लिया गया। इस दौरान क्षेत्र में सुरक्षा के मद्देनजर लोगों की आवाजाही भी सीमित कर दी गई। समय रहते आग पर नियंत्रण मिलने से बड़ा हादसा टल गया।

शॉर्ट सर्किट की आशंका, नुकसान का आकलन शुरू

एडिशनल कमिश्नर एक्साइज नवनीत तिवारी के अनुसार सरकारी शराब दुकान में लगभग 80 से 90 ब्रांड की शराब का स्टॉक रखा हुआ था, जो आग की चपेट में आकर काफी हद तक नष्ट हो गया। दुकान में रखे फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य सामग्री भी जलकर खाक हो गई। फिलहाल विभागीय कर्मचारी उपलब्ध स्टॉक का मिलान कर वास्तविक नुकसान का आकलन कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि अंतिम निष्कर्ष विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा। उल्लेखनीय है कि व्यापार विहार क्षेत्र में पिछले एक महीने के भीतर आग लगने की यह तीसरी बड़ी घटना है।

समूह से जुड़कर पुनिता को मिली नई उड़ान, आइसक्रीम व्यवसाय ने बदली जिंदगी

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले के तखतपुर ब्लॉक की देवरी (खुर्द) निवासी श्रीमती पुनिता मानिकपुरी ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली पुनिया के लिए सीमित आय में परिवार का भरण-पोषण करना कठिन था। ऐसे समय में उन्होंने विश्वा जय माँ दुर्गा महिला स्व-सहायता समूह देवरी (खुर्द) से जुड़कर नियमित बचत शुरू की और समूह की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई। समूह के माध्यम से उन्हें 60 हजार रूपए का ऋण प्राप्त हुआ, जिसका उन्होंने आइसक्रीम मशीन क्रय किया। मशीन मिलने के बाद उन्होंने गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में आइसक्रीम का व्यवसाय शुरू किया। गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और मेहनत के बल पर उनका व्यवसाय धीरे-धीरे आगे बढ़ा और स्थानीय लोगों के बीच उनकी आइसक्रीम की अच्छी पहचान बनने लगी। आज श्रीमती पुनिता मानिकपुरी अपने स्वरोजगार से नियमित आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से परिवार की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा, घरेलू खर्च और अन्य जरूरी जरूरतों को भी आसानी से पूरा किया जा रहा है। उनके इस प्रयास ने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मानिकपुरी बताती हैं कि यदि उन्हें स्व-सहायता समूह से समय पर ऋण नहीं मिलता, तो स्वयं का व्यवसाय शुरू करना संभव नहीं हो पाता। समूह के सहयोग, मार्गदर्शन और अपने आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। अब उनका लक्ष्य अपने व्यवसाय का विस्तार कर अधिक लोगों तक अपने उत्पाद पहुंचाना और आय में और वृद्धि करना है। श्रीमती मानिकपुरी की सफलता यह दर्शाती है कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से उपलब्ध कराया गया समय पर वित्तीय सहयोग ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

आरपीएफ बिलासपुर का सुरक्षा अभियान 54 लाख का खोया सामान लौटाया

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेल यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) बिलासपुर मंडल निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा, महिला एवं बच्चों की सहायता, रेल संपत्ति की सुरक्षा तथा अपराधों की रोकथाम के लिए आरपीएफ के जवान चौबीसों घंटे स्टेशन परिसरों एवं ट्रेनों में सतर्कता के साथ अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

आरपीएफ बिलासपुर द्वारा स्टेशन प्लेटफॉर्म एवं रेलवे परिसर में नियमित गश्त, ट्रेनों में एस्कॉर्ट ड्यूटी तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर यात्रियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही यात्रियों के खोए अथवा छूटे सामान को सुरक्षित खोजकर उसके वास्तविक स्वामी तक

पहुँचाने की कार्यवाही भी निरंतर की जा रही है।बिलासपुर मंडल में वर्ष 2026 में जुलाई माह तक यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता विभिन्न अभियानों के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं–

ऑपरेशन जीवन रक्षा: चलती ट्रेन में चढ़ने अथवा उतरने के दौरान दुर्घटना का शिकार होने वाले 12 यात्रियों का समय रहते जीवन बचाया गया।

ऑपरेशन डिग्निटी:यात्रा के दौरान अचानक अस्वस्थ हुए 07 यात्रियों को तत्काल आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई।

ऑपरेशन अमानत: 334 यात्रियों के छूटे हुए 54 लाख रुपये से अधिक मूल्य के सामान को सुरक्षित बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाया।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते: स्टेशन परिसर से 114 नाबालिगों (63 बालक एवं 51 बालिकाएँ) को सुरक्षित रेस्क्यू कर बाल कल्याण संस्थाओं/चाइल्ड लाइन के सुपुर्द किया गया।

कोटा-रतनपुर मुख्य मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे, आवाजाही में परेशानी

दो बार टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं, जिम्मेदार भी नहीं दे रहे ध्यान

करगीरोड/नवप्रदेश। कोटा नगर पालिका क्षेत्र के धौराभाठा वार्ड क्रमांक 13 और 14 से होकर गुजरने वाला कोटा-रतनपुर मुख्य मार्ग इन दिनों पूरी तरह जर्जर हो चुका है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। पूर्व में बदहाल सड़क के कारण आम लोगों, स्कूली बच्चों सायकल मोटरसाइकिल से प्राथमिक शाला, महाविद्यालय और श्रद्धालुओं का सावन के अंतिम सोमवार को कोटा रतनपुर बोल बम कांवरिया संघ द्वारा बेलपान से पैदल चलकर बुढ़ा महादेव मंदिर इस मार्ग से जाएंगे लेकिन सीसी रोड पूरी तरह से दुभर हो गया है।

इस मार्ग पर शासकीय निरंजन महाविद्यालय स्थित है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं अपनी जान जोखिम में डालकर कॉलेज आने-जाने को मजबूर हैं। इसके अलावा इसी मार्ग पर मुक्तिधाम भी है, जिसके कारण पैदल शव यात्रा ले जाने वाले

लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह महत्वपूर्ण मार्ग विश्व प्रसिद्ध मां महामाया मंदिर और कोट सागर तालाब महाशक्ति देन सात दिवसीय मेला भी लगता है , ऐतिहासिक मंदिर वहीं कोटेश्वर महादेव और मां दुर्गा के कई अन्य प्राचीन मंदिर भी स्थापित हैं। महामाया मंदिर यहां से महज 14 किलोमीटर की दूरी

इस तरह बदहाल स्थिति में है कोटा-रतनपुर मुख्य मार्ग

यही वजह है कि इस सड़क से लगातार सांसद विधायक, मंत्रियों और अब वीआईपी लोगों का भी आना-जाना लगा रहता है। वर्तमान में सावन माह चल रहा है और हजारों कांवड़ियों काआवागमन भी इसी रास्ते से हो रहा है, जिससे दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगर पालिका कोटा द्वारा इस सड़क के सी सी रोड के लिए पूर्व में दो बार टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की इस उदासीनता के कारण जनता में नाराजगी है।

समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी

वहीं, वार्डवासियों और स्थानीय लोगों ने कलेक्टर व नगर पालिका प्रशासन से कड़े शब्दों में मांग की है कि तत्काल प्रभाव से सड़क का पैचवर्क कराया जाए और जल्द से जल्द स्थाई सीसी रोड का निर्माण हो, अन्यथा उन्हें मजबूरन उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। लोगों का कहना है कि हर चुनाव के समय केवल झूठे वादे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हालात जस के तस बने हुए हैं।मुख्य नगर पालिका अधिकारी राहुल यादव ने बताया कि इस सड़क का टेंडर प्रक्रिया पूर्व में भी हो चुकी थी, जिसमें ठेकेदारों ने भाग नहीं लिया था। हालांकि, वर्तमान में एक ठेकेदार द्वारा टेंडर ले लिया गया है, और वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद सीसी रोड का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

आयोजन: वनमाली जगन्नाथ प्रसाद चौबे की 114वीं जयंती पर रायपुर में वनमाली सृजन केंद्र की स्थापना

युवा पीढ़ी को साहित्य से जोड़ने के लिए गंभीर प्रयास जरूरी: डॉ. सुशील त्रिवेदी

बिलासपुर/नवप्रदेश। वनमाली सृजन पीठ द्वारा साहित्यकार एवं शिक्षाविद् वनमाली जगन्नाथ प्रसाद चौबे की 114वीं जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर में 'साहित्य, संस्कृति और युवा पीढ़ी' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वनमाली सृजन केंद्र, रायपुर की औपचारिक स्थापना की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं आईएएस डॉ. सुशील त्रिवेदी को वनमाली सृजन केंद्र, रायपुर का अध्यक्ष तथा संग्रहालय, संस्कृति एवं मानव विज्ञान विशेषज्ञ, डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस डॉ. अशोक तिवारी को केंद्र का संयोजक नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में वनमाली जगन्नाथ प्रसाद चौबे के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके साहित्यिक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. सुशील त्रिवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि वनमाली जगन्नाथ प्रसाद चौबे का साहित्य भारतीय समाज की संवेदनाओं और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि वनमाली जी की रचनाओं में स्वतंत्रता से पूर्व और स्वतंत्रता के

बाद के सामाजिक परिवर्तनों का स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। उनके साहित्य में राष्ट्र, समाज और मानवीय मूल्यों का गहरा चिंतन समाहित है। उन्होंने कहा कि डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति और साहित्य की धारा को निरंतर प्रवाहित कर रहा है, जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं साहित्यकार संतोष चौबे को वनमाली जी की साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने का सौभाग्य और आशीर्वाद प्राप्त हुआ है तथा उसी विरासत को विश्वविद्यालय नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ा रहा है।डॉ. त्रिवेदी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय के साहित्य में भावनात्मक गहराई और नाटकीय तत्व अपेक्षाकृत कम दिखाई देते हैं। साहित्य तभी प्रभावी बनता है जब वह समाज के सुख-दुःख, संघर्ष और संवेदनाओं को आत्मसात करे। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को साहित्य से जोड़ने के लिए गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि आज युवाओं में पढ़ने और लिखने की रुचि लगातार कम होती जा रही है। इसका एक प्रमुख कारण परिवारों में अध्ययन का अनुकूल वातावरण न बन पाना भी है।

स्कूल में ग्रीन डे मनाया, बच्चों ने पेड़ बचाने एवं लगाने का दिया संदेश

बिलासपुर/नवप्रदेश। शासकीय प्राथमिक शाला चांटीडीह में शनिवार को ग्रीन डे मनाया गया। सभी छात्र छात्राओं ने हरे रंग के परिधान में से सज धज कर अपनी प्रस्तुति दी।

पेड़ बचाने और लगाने का संदेश दिया |साथ ही पत्तियों से सुंदर सुंदर कलाकृतियां बनाई |एकल अभिनय ,नृत्य ,गायन और लीफ क्राफ्ट ,ड्राइंग आदि विभिन्न गतिविधियों में पूरे उत्साह के साथ प्रदर्शन किया गया । सभी बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए उनको सुंदर सुंदर उपहार दिया गया । कार्यक्रम में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रभारी प्राचार्य सुनील कुमार कौशिक, सीएसी चांटीडीह डॉ कौस्तुभ पांडेय,प्रधान पाठक आस्था गौराहा, जेबुन्निसा, पूजा भगत, मीरा कश्यप, लक्ष्मण कौशल,मोनिका द्विवेदी, दिनेश सिंह ठाकुर, पूजा दुबे उपस्थित थे।

सुविचार

अहंकारी कभी क्षमा नहीं मांगता और कमजोर कभी क्षमा नहीं करता। क्षमा करने वाला दुर्बल नहीं बलवान होता है।

क्षमा बड़न को चाहिए....

नीट पेपरलीक मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर मंतर पर जो आंदोलन किया था। और संसद मार्च निकाला था उस दौरान कई तथाकथित छात्रों ने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रखी थी इस आंदोलन में घुसपैठ चुके लगभग 3000 असमाजिक तत्वों ने तो हिंसा का नंगा नाच करने में भी कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी थी। पुलिसकर्मियों और सुरक्षाबलों पर इन लोगों ने हमला किया था जिसकी वजह से सौ से ज्यादा पुलिस वाले घायल भी हुए थे। अब ऐसे असमाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस की कार्यवाही तेज हो गई है और वे भागे भागे फिर रहे हैं। आंदोलन के दौरान जिन लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गंदी गंदी गालियां दी थी और हिन्दु धर्म का मजाक उड़ाया था वे भी लोगों के आक्रोश का शिकार होने से नहीं बच पा रहे हैं। आम जनता ऐसे लोगों को सड़को पर सबक सिखा रही है। भीड़ में शेर बनने वाले ये तथाकथित आंदोलनजीवी अब भीगी बिल्ली बनकर इधर उधर छिपते फिर रहे हैं और सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर टसुएं बहाते हुए अपनी गलती की माफी मांग रहे हैं। इन तमाम घटनाओं को मद्देनजर रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर बड़ा दिल दिखाया है और उन्होंने इंटाग्राम पर एक वीडियो जारी करके कहा है कि किसी को भी भीद्दी गालियां देना उचित नहीं है लेकिन ये हमारे ही बच्चे हैं इसलिए मैं इनको मांफ करता हूं। उन्होंने देशवासियों से भी अपील की है कि वे इनके खिलाफ कोई कार्यवाही न करें। सही बात है। सही बात है क्षमाबड़न को चाहिए छोटन को उत्पाद किन्तु जिन लोगों ने देश की आनबान और शान कही जाने वाली इंडियन आर्मी को गाली दी है और सनातन धर्म का अपमान किया है वे कतई क्षमायोग्य नहीं है। ऐसे नाली के गंदे किड़ो के खिलाफ तो कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही की ही जानी चाहिए। रही बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इन गालिबाजों को माफ करने की तो उसका भी ऐसे अराजक तत्व यह कहकर मजाक उड़ा रहे हैं कि नरेन्द्र सरेन्दर हो गया है। उन्होंने इनके प्रति जो दया दिखाई है उसका इनपर उल्टा ही असर हो रहा है। बहरहाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन गालीजीवियों को क्षमा कर दिया है यह अच्छी बात है और इसके लिए वे साधुवाद के पात्र हैं लेकिन देश और समाज ऐसे अराजक तत्वों को कभी माफ नहीं करेगा क्योंकि कहा गया है कि अन्याय को सहने वाला अन्याय करने वाले से ज्यादा बड़ा अपराधी होता है। अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने यह कह दिया है कि इस आंदोलन के दौरान हिंसा करने वाले जिन लोगों की आपराधिक पृष्ठभूमि रही है उनके खिलाफ पुलिस को कार्यवाही करनी ही चाहिए। गौरतलब है कि इस आंदोलन में शामिल लगभग दो हजार अपराधियों की पहचान हुई है जिनके खिलाफ हत्या के प्रयास बलत्कार और लूट व डकैती जैसे संगीन मामले दर्ज हैं। ऐसे अराजक तत्व किसी भी तरह की माफी के हकदार नहीं है। खासतौर पर तब जब कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरभ दास यह कह रहा है कि इस देश में गाली देना कब से अपराध हो गया है यह तो लोगों का अधिकार है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तो कोई भगवान तो नहीं है जो उनके साथ मजाक नहीं किया जा सकता। कॉकरोचों की सोच कैसी है यह उसके इस बयान से ही समझा जा सकता है। अब उसको भी सोशल मीडिया पर ऐसे ही गंदे मजाक का जब सामना करना पड़ रहा है तो उसकी बोलती बंद हो गई है। बहरहाल दिल्ली पुलिस ने भी अब अपनी कार्यवाही तेज कर दी है और इन अराजक तत्वों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी धर पकड़ करने के लिए 20 टीमें गठित कर दी हैं। देर सवेर ये सब कानून की पकड़ में आएंगे और अपने अपराध की सजा भोगेंगे। इस बीच इस आंदोलन के दौरान घायल हुए सौ से अधिक पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया है और उन्होंने मांग की है कि इन अपराधियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये। यदि सरकार इन्हें माफ करेगी तो वे ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे आखिर पुलिस वाले भी इंसान हैं और उन्होंने कानून और व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने के लिए जोखिम उठाया है। कुल मिलाकर प्रधानमंत्री ने जो सदा सयता दिखाई है वह तारिफ काबिल है लेकिन समाज ऐसे अराजक तत्वों को मांफ नहीं करेगा और न ही कानून से इन्हें मांफी मिलेगा। यदि ऐसे लोगों को मांफ कर दिया गया तो इनके हौसले और बुलंद होंगे। आगे चलकर तो ये संसद में घुस जाएंगे राष्ट्रपति भवन में भी धावा बोल देंगे और यदि इनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने कोई फैसला दिया तो ये सुप्रीम कोर्ट में भी उत्पाद करने पहुंच जाएंगे। ऐसे देशविद्रोही गद्दारों के हाथों की कठपुतली बने ये अराजक तत्व भारत में भी नेपाल और बांग्लादेश जैसी स्थिति बनाने की योजना पर काम कर करे हैं जिन्हें विदेशों से भी फंड मिल रहा है। ऐसे जहरीले कीड़ो का तो हर हालत में सफाया होना ही चाहिए।

राष्ट्रपति भवन में बस्तरियों का सम्मान, बेहद आत्मगौरव का पल

शशांक खरे

सचमुच बेहद आत्मगौरव और खुशी का पल रहा, जब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बस्तर से दिल्ली पहुंचे 209 सदस्यों का सम्मान राष्ट्रपति भवन में देश की प्रथम नागरिक श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आत्मीय स्वागत किया. इस टीम का नेतृत्व किया प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय ने किया. बस्तर पंडुम 2026 के विजेताओं, मांझी-चालकी, पद्मश्री से सम्मानित विभूतियों का सम्मान न केवल बस्तर, अपितु छत्तीसगढ़ का सम्मान है. देश के समस्त आदिवासियों का सम्मान है. बस्तर से लाल आतंक का खात्मा हुए महज चार महीने हुए हैं, किंतु इन चार महीनों में बस्तर की तस्वीर और तकदीर में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिल रहा हैं. बस्तर में 2031 का विजन इसीलिए लाया गया है, ताकि नक्सली खौफसे रुकी विकास की नदी बस्तर की खूबसूरतवादियों में निर्बाध गति से बहती रहे.

व्यर्थ नहीं जाता बोया हुआ पसीना, भले ही उगने में देर हो जाए...

बस्तर में विकास के सूरज का उदय इस बात का सबूत है, कि हर रात की सुबह होती है. बस्तर में 2031 का विजन एकदम स्पष्ट है. अब विकास की रोशनी हर मोहल्ला, हर गली, हर घर, हर आंगन में पहुंचेगी, जहां कभी ख़ौफ़ परछाई की तरह हर वक़्त भौजूद रहता था. साढ़े पांच दशक से नक्सलवाद का दंश झेल चुके बस्तर में आज अमन और खुशहाली की बयार बह रही है. बस्तर में हर चेहरे पर खुशी की इबारत पढ़ी जा सकती है. अब बस्तर की फ़िज़ा में बारूद की गंध नहीं, बल्कि महुए की खुशबू आती है. सारा जहां सुवासित हो रहा है. बस्तर में गोलियों की धांय-धांय नहीं, बल्कि खुशी के गीत और वाद्य यंत्रों की स्वर लहरियां सुनाई दे रही हैं. अंदरुनी इलाकों में विकास की बयार बह रही है. कभी नक्सलवाद के कारण ठप योजनाएं अब शनैःशनैः परवान चढ़ रही हैं. बस्तर में नक्सलवाद का दामन छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल लोगों के लिए पुनर्वास केंद्र की स्थापना, रोजगार का सृजन और हर दामन को खुशियों की सौगात, यह सब सरकार के दृढ़ संकल्पों का परिणाम है. अभी बस्तर में नक्सलवाद का अंत हुए, चार माह ही हुए हैं. लेकिन, इस अल्पकाल में भी बस्तर में जो शासकीय मशीनरी की चहल-पहल दिखाई दे रही है. वह एक जीवंत उदाहरण ही है. अंदरुनी गांवों तक बसों की आवाजाही, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है. इससे ग्रामीणों में साय सरकार के प्रति विश्वास जागा है. इतने कम समय में विकास की बयार बह रही है,

किसी ने क्या खूब कहा है- चट्टानों को तोड़ा जा सकता है, इरादों को नहीं.

केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ के साय सरकार ने नक्सलवाद के ख़िलाफ़ संयुक्त मोर्चा खोला. यह कोई साधारण संकल्प नहीं था. साढ़े पांच दशक के काले साम्राज्य को उखाड़ फेंकना, उतना आसान नहीं था. किंतु, इरादे नेक हों, तो चट्टानों को तोड़कर रास्ता बनाया जा सकता है. 31 मार्च 2026 की डेड लाइन के हफ्तेभर पहले ही नक्सलवाद के सफ़ाए की घोषणा, न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि संपूर्ण भारत वर्ष के इतिहास का एक नया अध्याय था. 31 मार्च 2026 की डेड लाइन, मानो हर जवान के मनो-मस्तिष्क पर एक मील के पत्थर की तरह अंकित था. जवानों का पसीना व्यर्थ नहीं गया. खून पसीने की एक-एक बूंद इस बात की गवाही देती है, कि माटी की ख़ातिर मर मिटने का संकल्प माता के गर्भ से ही ले लिया था. विषम भौगोलिक परिस्थितियों में कभी भी जवानों ने पीठ नहीं दिखाई. शीर्ष नेतृत्व के आदेशों का अक्षरशः पालन, नेक-नियति और ईमानदारी जैसे इन जवानों की रगों में चिंगारी पैदा करती रही है. 55 सालों तक नक्सलवाद का दंश झेलते-झेलते बस्तर की जनता आजीज आ चुकी थी. हर बस्तरिया चाहता था विकास, हर बस्तरिया चाहता था अमन और क़ानून व्यवस्था की बहाली. टूटे पुल, उखड़े हैंडपंप, क्षतिग्रस्त स्कूल भवन जैसे उनके लिए किसी विडंबना से कम नहीं थे. कभी बस्तर के गांवों में, गलियों में, चौक-चौराहों में, चबूतरों में, आंगन में नक्सलियों की बैठकें, फिर यातना-प्रताड़ना, उलाहना, फिर अंत में खून-ख़राबा बस्तरियों के नसीब का एक अहम हिस्सा हो गया था. दर्द से कराहते बस्तर की पीड़ा को सरकार ने महसूस किया, नक्सलियों को शांति की राह पर आने, वार्ता और समझौते की पेशकश की, किंतु, नक्सलियों ने सरकार की एक बात नहीं मानी. फिर सरकार ने नक्सलवाद का अंत करने अपना संकल्प दुहराया. काबिल अफ़सरों की नियुक्ति और जांबाज जवानों की मुस्तैदी से बस्तर में नक्सलियों के पांव उखड़ने लगे. अंततः नक्सलियों को लगा कि अब सिर छुपाने की जगह नहीं बची. बस्तर छोड़ने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा. वे रात के अंधेरे में पतली गली से निकलकर भाग खड़े हुए. कुछ नक्सलियों ने मुख्यधारा में लौटने की मंशा जाहिर की, जो लौट गए, वे अमन और खुशहाली के गीत गा रहे हैं. जिन्होंने हठधर्मिता की, वे अकाल मौत के गाल में समा गए. कुदरत ने बस्तर की भौगोलिक सीमा में क्या नहीं दिया. सघन वन, पहाड़, मैदान और प्राकृतिक सुंदरता. और सबसे अनमोल चीज कुदरत ने जो दी, वो है बस्तरियों का भोलापन. बस्तर में आदिवासियों का भोलापन, तो जैसे भगवान भोलेनाथ का भोलापन है. अब सरकार के समक्ष बस्तर का समग्र विकास, एक यक्ष प्रश्न है. बस्तर के विकास का ख़ाक्ता तैयार है. सरकार भी बस्तरियों के सपनों में रंग भरने आमादा है. स्याह रात (नक्सलवाद) का अंत हो चुका है. नक्सल प्रभावित ऐसे क्षेत्र, जहां काम करना मुश्किल था, अब वहां के डेवलपमेंट का रोडमैप तैयार है. बस्तर में न अब कोई भूखा सोएगा, न कोई आधा तन रहेगा. स्कूलों में वंदेमातरम और राष्ट्रगान गाए जाएंगे, तिरंगा भी लहराएगा. हर हाथ को काम मिलेगा, ये केंद्र और राज्य सरकार का संयुक्त संकल्प है. वक़्त का पहिया तेजी से घूम रहा है. सपने अंगड़ाई ले रहा है. बीज अंकुरित हो चुका है. बस, उसके वटवृक्ष बनने में वक़्त लगेगा. भविष्य के गर्भ में सपने आकार ले रहा है.

विश्वविद्यालयों में नैतिकता का संकट : क्या उच्च शिक्षा अपनी आत्मा खो रही है?

योगेश गोस्वामी
पूर्व छात्र नेता

जब किसी राष्ट्र के विश्वविद्यालय कमजोर होते हैं, तब केवल शिक्षा व्यवस्था नहीं, बल्कि लोकतंत्र, समाज और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी कमजोर होने लगता है। विश्वविद्यालय ज्ञान के मंदिर हैं, जहाँ केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाया जाता, बल्कि विचार, विवेक, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्माण होता है। यदि यही संस्थान नैतिक संकट का सामना करने लगें, तो यह पूरे राष्ट्र के लिए चिंता का विषय है।

देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, डिजिटल शिक्षा, वैश्विक रैंकिंग और अनुसंधान पर जोर दिया जा रहा है। इसके बावजूद उच्च शिक्षा संस्थानों में कई गंभीर प्रश्न लगातार सामने आते हैं। परीक्षा में अनियमितताओं के आरोप, शोध में प्लेज़रिज़्म, नियुक्तियों में पारदर्शिता पर सवाल, परिसर में हिंसा, रैगिंग, छात्र राजनीति का बढ़ता टकराव तथा प्रशासनिक जवाबदेही की कमी जैसी चुनौतियाँ शिक्षा जगत को आत्ममंथन के लिए मजबूर करती हैं।

छत्तीसगढ़ भी इस राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा है। बस्तर में स्थापित महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय से आदिवासी अंचल के युवाओं को नई उम्मीदें मिली हैं। यह विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाला संस्थान न बनकर यदि जनजातीय ज्ञान, स्थानीय संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों, मातृभाषाओं और सामाजिक विकास पर उत्कृष्ट शोध का केंद्र बनता है, तो यह पूरे देश के लिए मॉडल बन सकता है। लेकिन किसी भी नए विश्वविद्यालय की सफलता केवल भवनों और उद्घाटनों से नहीं, बल्कि उसकी शैक्षणिक गुणवत्ता, पारदर्शी प्रशासन और

नैतिक वातावरण से तय होती है।

इसी प्रकार पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर प्रदेश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है। इस विश्वविद्यालय ने छत्तीसगढ़ को अनेक शिक्षाविद, वैज्ञानिक, न्यायविद, प्रशासक और जनप्रतिनिधि दिए हैं। पुरानी संस्थाओं की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए उन्हें समय-समय पर आत्ममूल्यांकन करना आवश्यक है। बदलते समय में केवल इतिहास के आधार पर सम्मान नहीं मिलता; गुणवत्ता, पारदर्शिता और नवाचार ही स्थायी पहचान बनाते हैं।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर एक केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के कारण राष्ट्रीय अपेक्षाओं का केंद्र है। यहाँ से केवल प्रदेश ही नहीं, देशभर के विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करते हैं। ऐसे संस्थानों को उत्कृष्ट शोध, निष्पक्ष मूल्यांकन, आधुनिक प्रयोगशालाओं और नैतिक नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि इन विश्वविद्यालयों में हजारों शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी पूरी ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। किसी भी संस्था का मूल्यांकन कुछ घटनाओं या आरोपों के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। परंतु जब समय-समय पर विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली, परीक्षा व्यवस्था, शोध गुणवत्ता, छात्र अनुशासन या प्रशासनिक निर्णयों पर सार्वजनिक प्रश्न उठते हैं, तो उन्हें दबाने के बजाय पारदर्शी जांच और सुधार की प्रक्रिया अपनाना ही संस्थान की विश्वसनीयता बढ़ाता है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या आज विश्वविद्यालय चरित्र निर्माण कर रहे हैं? क्या विद्यार्थी सत्य, ईमानदारी, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व को उतना ही महत्व देते हैं जितना अंक और नौकरी को? क्या शिक्षक केवल पढ़ा रहे हैं या प्रेरित भी कर रहे हैं? क्या प्रशासन केवल फाइलें चला रहा है या शैक्षणिक संस्कृति का निर्माण भी कर रहा है?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि नैतिकता, संवैधानिक मूल्यों, पर्यावरण चेतना, सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का विकास भी है। यदि विश्वविद्यालय इस मूल भावना को व्यवहार में नहीं उतारते, तो नीति दस्तावेज़ केवल औपचारिकता बनकर रह जाएंगे।

आज आवश्यकता है कि प्रत्येक विश्वविद्यालय में नैतिक शिक्षा को व्यवहारिक रूप दिया जाए। शोध में प्लेज़रिज़्म के विरुद्ध कठोर नीति हो, परीक्षा प्रणाली पूर्णतः पारदर्शी बने, नियुक्तियाँ योग्यता आधारित हों, शिकायत निवारण तंत्र प्रभावी हो और विद्यार्थियों को सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण तथा संविधान के मूल्यों से जोड़ा जाए।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 2000 - ब्रिटेन की 'क्वीन मदर' द्वारा अपनी 100वीं वर्षगांठ मनायी गई। 2004 - अमेरिकी अंतरिक्ष यान मैसेंजर बुध ग्रह के लिए रवाना हुआ। 2006 - संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा कि वह भारत को यूरेनियम संवर्धन में सहायता नहीं देगा। 2007 - इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुआ रूसी अंतरिक्ष यान प्रोग्रेस एम-61 सफलतापूर्वक अपनी कक्षा में पहुँचा। लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो में हुई एक ट्रेन दुर्घटना में 100 लोगों की मृत्यु।

3 अगस्त को जन्मे व्यक्ति

1982 - शांतनु ठाकुर - जानेमाने राजनीतिज्ञ हैं जिनका सम्बंध भारतीय जनता पार्टी से है। 1980 - लवली चौबे - भारत की महिला लॉन बॉल टीम की खिलाड़ी हैं। 1933 - शशिकला - भारतीय हिन्दी सिनेमा की प्रसिद्ध खलनायिकाओं में से एक थीं। 1846 - मैथिलीशरण गुप्त, खड़ी बोली के महत्त्वपूर्ण कवि। 1890 - श्रीप्रकाश - भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी और पाकिस्तान में प्रथम उच्चायुक्त 1916 - शकील बदायूँनी, भारतीय गीतकार और शायर 1939 - अपूर्व सेनगुप्ता, भारतीय क्रिकेटर। 1956 - बलविंदर संधू, भारतीय क्रिकेटर। 1960 - गोपाल शर्मा, भारतीय क्रिकेटर। 1984 - सुनील छेत्री - प्रसिद्ध भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी हैं, जो वर्तमान में मोहन बागान एसी के लिए खेल रहे हैं।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

बरसे सावन, तरसे नैन सावन अगन लगाये सखिया, बैरी बूंद न भाये सखिया!! नैन भरे कजरा दह जाये, जुल्मी बहुत सताये सखिया!! जा बैठे परदेश बलमुआ, मुझ पे गजब वो ढाये सखिया!! सूनी अँखियाँ राह निहारे, कब पिय मोरे आये सखिया!! भीगे आँचल, भीगे नैना, दर्द घटा बन छाये सखिया!! रोती मेघा मेरे संग में, नैन भी जल बरसाए सखिया!! कागा बोले मुंडेरा बैठे, कोई संदेसा लाये सखिया!! टूटे मन की बंसी फिर से, प्रीत का राग बजाये सखिया!! अबके सावन साजन आये, मन उपवन खिल जाए सखिया!! **– रूबी झा 'कमल'**

मौन जहाँ मुस्का उठे, मन भी वहीं विश्राम, वहीं मिटे 'मैं' का भरम, वहीं मिले श्रीराम। अपने-पराए सब मिटें, जब जागे आत्मप्रकाश, एक ही चेतन तत्त्व है, बाकी जग का नाम। **– चिन्मय शुक्ला**

गद्दारी के बीज से , उगता नहीं जमीर। चाहे जितना सींचिये,उसे डाल कर नीर।। दुनिया में उससे बड़ा, कोई नहीं जलील। करे बुराई राष्ट्र की, बना बना जो रील।। देश विरोधी सोच का, यह कैसा व्यापार। करें समर्थन जिस तरह ,कविवर भी कुछ यार।। **– रमेश शर्मा वशिष्ट**

ज़िंदा रहने की ये तरकीब निकाली मैं ने। अपने होने की ख़बर सब से छुपा ली मैं ने।। जब ज़मीं रेत के जैसे सरकते पाई कमल। आसमाँ थाम लिया जान बचा ली मैं ने।। अपने सूरज के तपिश का भरम रखने को। नर्म छाँव में कड़ी धूप मिला ली मैं ने।। एक लम्हे को तेरे रास्तों से उड्डा बादल। और बारिश की उम्मीद लगा ली मैं ने।। आपका दिन शुभ और मंगलमय हो। **– कमलकांत डोंगरे**

पप्पू यादव का संसद परिसर का कृत्य भगवा आतंकवाद का ही वर्जन है, तब सुशील शिंदे ने भगवा आतंकवाद का नेरेटिव बनाया था और अब पप्पू यादव ने हांथ मे श्री राम का प्रतिरूप लेकर और त्रिपुंड लगाकार रामनामी पीताम्बर ओढ़कर और भगवा पहन कर पूरे संत समाज को चोर कहा ।

एडवोकेट अरूण कुमार गुप्ता

कल रात आप लाइव आए और बेशर्म बच्चों को माफ कर दिया। हाँ वैसा ही किया जैसा लगभग हर भारतीय पिता करता है। बच्चे के मोह में उसकी हर गलती माफ करके उसे अपराधी बनने की छूट देता है। चलो मानते हैं क्षमा बड़ो का गुण हैं और आपने कर दिया लेकिन आपको पता है मोटी चमडी वाली धूर्त राक्षसनियाँ इसे भी आपकी धमकी कहकर प्रचार करेंगी।सुधरने नहीं देंगी आपके बालकों को।

– दिव्या राकेश शर्मा

मेरा मन इस गणनाओं से भरी दुनिया में एक निष्कलुष हृदय की तलाश करता है। वह दूर तक भटकता है, कई चेहरों पर ठहरता है, कई मुस्कानों पर विश्वास करता है फिर एक दिन चुपचाप लौट आता है। शायद इसलिए कि बुद्धि से भरी दुनिया में हृदय मिल जाना संयोग नहीं, सौभाग्य है। और यह मेरा सौभाग्य है कि मेरे इस सफ़र में कुछ ऐसे हृदय मुझसे जुड़े हुए हैं।

– निभा चौधरी

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए शुभफलदायक रहने वाला है। आपकी कार्य योजनाओं को नई गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी जिनसे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त होने के योग बने हुए हैं।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जायेंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपके बढ़ते खर्चे समस्या का कारण बन सकते हैं इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें।

तुला राशि : आज का दिन ताजगी से भरा रहने वाला है रहेगा। आज किसी करीबी व्यक्ति से काम संबंधी नाराजगी दूर होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, आज उन पर ज्यादा ध्यान देंगे आपको खुशी होगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज व्यावसायिक मामलों में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है, बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें।

मकर राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आज अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में भी रुचि रहेगी।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप बिजनेस में लाभ लेने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा ।

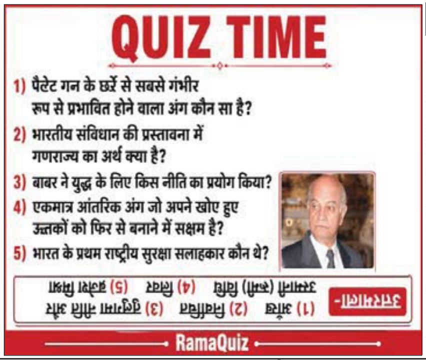

कार्टून

चिरमिरी क्षेत्र को नई रेल सौगात, 602 करोड़ की नई ब्रॉडगेज लाइन के लिए टेंडर जारी

स्थानीय विधायक और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी के प्रयासों से क्षेत्र के विकास को मिले रही नई रफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के चिरमिरी क्षेत्र को जल्द ही बेहतर रेल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने पाराडोल से नागपुर रोड स्टेशन तक नई ब्रॉडगेज सिंगल रेल लाइन बिछाने तथा मौजूदा बोरीडांडङ्कचिरमिरी लाइन के स्लूइंग कार्य के लिए ई-निविदा (ई-टेंडर) आमंत्रित कर दी है। ईपीसी मोड पर होने वाली इस महत्वाकां परियोजना की अनुमानित लागत लगभग ?601.90 करोड़ है, और इसे दो वर्ष (730 दिन) में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह परियोजना उस मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले से जुड़ी है, जो प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का गृह क्षेत्र है। लंबे समय से इस अंचल के लोग बेहतर रेल सुविधा की मांग करते रहे हैं। नई लाइन बनने से चिरमिरी और आसपास के

क्षेत्रों की रेल पहुंच और सुगम होगी, जिससे यात्रियों के साथ-साथ इस कोयला-समृद्ध क्षेत्र के औद्योगिक और व्यापारिक आवागमन को भी नई गति मिलेगी।

क्या है परियोजनाः यह कार्य पाराडोल टेकऑफ पॉइंट (किलोमीटर 947.257) से नागपुर रोड स्टेशन (किलोमीटर 964.820) तक नई ब्रॉडगेज सिंगल लाइन के निर्माण से संबंधित है। इसके साथ ही मौजूदा बोरीडांडङ्कचिरमिरी लाइन का किलोमीटर 946.640 से 947.257 के बीच स्लूइंग (लाइन को नई दिशा में जोड़ने) का कार्य भी शामिल है। नई लाइन की कुल लंबाई करीब साढ़े सत्रह किलोमीटर होगी।

परियोजना के दायरे में केवल पटरी बिछाना ही नहीं, बल्कि बड़े पुल, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), एक वायाडक्ट पुल, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली, ऑप्टिकल फाइबर केबल और विद्युतीकरण जैसे अनेक आधुनिक कार्य भी शामिल हैं। नई चिरमिरी स्टेशन, पारादोल जंक्शन तथा नागपुर रोड स्टेशन से जुड़े निर्माण कार्य भी इसी परियोजना का हिस्सा हैं, जिससे पूरा रेल खंड आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

क्षेत्र के विकास को मिलेगी रफ्तारः स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के अनुसार, इस नई लाइन के बनने से चिरमिरी और एमसीबी जिले की देश के अन्य हिस्सों से कनेक्टिविटी काफी मजबूत होगी। कोयला और खनिज परिवहन को नई राह मिलेगी, जिससे स्थानीय उद्योगों और व्यापार को बल मिलेगा। निर्माण कार्य के दौरान क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और यातायात सुगम होने से आम लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। बेहतर रेल सुविधा क्षेत्र में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन देगी।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस परियोजना को क्षेत्र के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है और क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया गया है कि रेल कनेक्टिविटी बेहतर करने की दिशा में आगे भी प्रयास जारी रहेंगे।

स्थानीय जनता में हर्ष, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जताई प्रतिबद्धताः क्षेत्र के लोगों में इस परियोजना को लेकर खासा उत्साह है। लंबे समय से लंबित रेल विस्तार की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जो आने वाले वर्षों में चिरमिरी अंचल की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाएगा। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के लोगों ने इस परियोजना की घोषणा का खुले दिल से स्वागत किया है। क्षेत्र के निवासियों का कहना है कि वर्षों से लंबित यह मांग अब साकार होते दिख रही है, जिससे उनमें उत्साह का माहौल है। चूंकि यह क्षेत्र प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का गृह क्षेत्र है, स्थानीय लोगों ने इस उपलब्धि के लिए उनकी पहल और प्रयासों की सराहना की है।

न्यूज गैलरी

अपहरण, मारपीट और अवैध गतिविधियों के कई मामले दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में 1 और 2 अगस्त के दौरान अपहरण, मारपीट, अवैध शराब, ऑनलाइन सट्टा और ज्वलनशील पदार्थ रखने सहित विभिन्न मामलों में पुलिस ने अलग-अलग थानों में अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है। खम्हारडीह थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोर को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 137(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया। वहीं टिकरापारा थाना क्षेत्र में भी 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। दोनों मामलों में गुम इंसान की जांच के बाद अपराध कायम कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के फुण्ढहर इलाके में गार्ड को गाली-गलौज करने से रोकने पर बाबूल प्रधान के साथ दीपक पांडे और अन्य लोगों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। वहीं मोवा थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते पति द्वारा पत्नी समयरा बेगम को गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया। देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में पंडरी स्थित एक बिरयानी दुकान पर दो अज्ञात युवकों ने पैसे मांगने पर विवाद करते हुए दुकानदार अब्दुल कादिर खान के सिर पर बीयर की बोतल मारकर घायल कर दिया। मुजगहन थाना क्षेत्र में शराब के पैसे मांगने पर आरोपी ने सुमारू डहरिया पर पत्थर से हमला कर दिया, जबकि राजेंद्र नगर क्षेत्र में सड़क पर हुए विवाद के बाद एक बुजुर्ग के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला दर्ज किया गया। उरला थाना पुलिस ने न्यू पंजाब ढाबा के पास कार्रवाई करते हुए एक युवक के कब्जे से 20 लीटर डीजल अवैध रूप से बरामद कर उसे गिरफ्तार किया।

भाजपा का सहयोग केंद्र आज से फिर शुरू, मंत्री रोज समस्याएं सुनेंगे

रायपुर/नवप्रदेश। भाजपा के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में 3 अगस्त से सहयोग केंद्र की दोबारा शुरुआत होने जा रही है। 3 से 7 अगस्त तक राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री रोजाना प्रदेश कार्यालय में मौजूद रहकर कार्यकर्ताओं और आमजन की समस्याएं सुनेंगे तथा उनके निराकरण की दिशा में पहल करेंगे। सहयोग केंद्र के प्रभारी सच्चिदानंद उपासने ने बताया कि सहयोग केंद्र में प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक संबंधित मंत्री प्रदेशभर से आने वाले कार्यकर्ताओं और नागरिकों से मुलाकात करेंगे। सुनवाई के लिए इच्छुक लोगों को दोपहर 2 बजे से 3 बजे के बीच भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर पंजीयन कराना होगा। पंजीयन के बाद जारी टोकन के आधार पर क्रमवार समस्याएं सुनी जाएंगी। कार्यक्रम के अनुसार 3 अगस्त को मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, 4 अगस्त को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, 5 अगस्त को शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, 6 अगस्त को राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा और 7 अगस्त को कृषि मंत्री रामविचार नेताम सहयोग केंद्र में उपस्थित रहेंगे।

पंडित रविशंकर शुक्ल और शहीद पंडित विद्याचरण शुक्ल की जयंती पर रायपुर में दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर/नवप्रदेश। अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल की 149वीं जयंती और पूर्व केंद्रीय मंत्री शहीद पंडित विद्याचरण शुक्ल की 97वीं जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान और नगर निगम जोन-4 के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में पंडित रविशंकर शुक्ल की प्रतिमा स्थल, जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने स्थित नगर निगम उद्यान परिसर में तथा शहीद पंडित विद्याचरण शुक्ल की प्रतिमा स्थल, नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के सामने पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी ने संस्कृति विभाग की ओर से दोनों महान विभूतियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

केजरीवाल के आह्वान पर छत्तीसगढ़ से हजारों कार्यकर्ता 4 अगस्त को करेंगे दिल्ली कूच

रायपुर/नवप्रदेश। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनविरोधी श्व20 पेट्रोल नीति के खिलाफ 4 अगस्त को प्रधानमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ से भी बड़े स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने जानकारी दी है कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों से 50-50 कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचकर इस ऐतिहासिक आंदोलन में शामिल होंगे। हजारों की संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली कूच करेंगे और केंद्र सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराएंगे।

पार्टी नेताओं ने कहा कि श्व20 पेट्रोल नीति के कारण देशभर में वाहन मालिकों और आम जनता को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वाहनों में तकनीकी खराबियां, माइलेज में गिरावट और मेंटेनेंस खर्च में बढ़ोतरी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार जनता की आवाज को नजरअंदाज कर रही है।

आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन केवल एक नीति के खिलाफ नहीं, बल्कि आम जनता के अधिकारों और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए है। पार्टी का मानना है कि बिना पर्याप्त तैयारी और वैज्ञानिक अध्ययन के लागू की गई श्व20 नीति देश की करोड़ों गाड़ियों और उनके मालिकों के लिए खतरा बन गई है।

आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से अपील की है कि जिनकी भी गाड़ियों को श्व20 से नुकसान हो रहा है वे सभी अपना वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में शेयर करें और अरविंद केजरीवाल जी को टैग करें, केजरीवाल जी सभी का वीडियो आम आदमी पार्टी के पेज पर शेयर करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के आव्हान पर नशामुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान

समाज को नशे के दुष्प्रभावों से मुक्त करने का लिया संकल्प

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज देशभर में प्रारंभ हुए 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत राजधानी रायपुर स्थित लोक भवन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गरिमामयी उपस्थिति में बड़ी संख्या में युवा, छात्र-छात्राएं, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संगठन तथा विभिन्न युवा संगठनों के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं को संबोधित करते हुए 100 सप्ताह

तक चलने वाले इस राष्ट्रव्यापी जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है और यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का सकारात्मक उपयोग करें, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी इस दिशा में जागरूक करने का आह्वान किया।

लोक भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं ने उत्साहपूर्वक देखा। राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्ति की शपथ ली। कार्यक्रम में युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, सकारात्मक सोच विकसित करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया। उल्लेखनीय है कि 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' 2 अगस्त 2026 से प्रारंभ होकर आगामी 100 सप्ताह तक देशभर में संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), माय भारत युवा संगठन तथा अन्य युवा संगठनों के सहयोग से विविध जन-जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इनमें नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम, जागरूकता रैलियाँ, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिताएँ, वाद-विवाद, निबंध लेखन, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, लघु फिल्म प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियान तथा सामुदायिक संवाद जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे।

मंत्री राजवाड़े की मौजूदगी में 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान'

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम के जरिए देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में भी अभियान की औपचारिक शुरुआत विभिन्न जिलों में की गई। सूरजपुर जिले में आयोजित राज्य स्तरीय महत्व के कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

सूरजपुर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, छात्र-छात्राओं, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा गया और उपस्थित सभी लोगों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए विनाशकारी है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की केंद्रीय भूमिका है, इसलिए उन्हें अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि युवाओं का उज्ज्वल भविष्य अनुशासन, शिक्षा और स्वस्थ जीवनशैली में निहित है। उन्होंने छात्र-छात्राओं और युवाओं से मन लगाकर पढ़ाई करने, खेलकूद एवं सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा हर प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील की।

लोहा चोरी कांड में बड़ा एक्शन, गिरफ्तार पदाधिकारी 6 साल के लिए भाजपा से बाहर

रायपुर/नवप्रदेश। भिलाई स्टील प्लांट से 250 टन लौह स्क्रैप चोरी मामले में भाजपा के वैशाली नगर मंडल कोषाध्यक्ष और स्क्रैप कारोबारी भास्कर मुदलियार उर्फ बाचू गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। गिरफ्तारी के कुछ घंटों के भीतर ही भाजपा ने भी सख्त रुख अपनाते हुए मुदलियार को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, भास्कर मुदलियार स्क्रैप चोरी के पूरे नेटवर्क की एक अहम कड़ी था। आरोप है कि वह स्क्रैप कारोबार की आड़ में बीएसपी से चोरी हुआ लोहा खरीदकर उसे आगे विभिन्न कंपनियों तक पहुंचाता था। मामले की शुरुआती जांच से ही उसका नाम सामने आया था, लेकिन पर्याप्त साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

जांच के दौरान हथखोज स्थित जिस गोदाम पर पुलिस ने छापा मारकर बीएसपी का चोरी हुआ लौह स्क्रैप बरामद किया था, वहां भास्कर मुदलियार का ट्रक भी मिला था। इसके अलावा मामले के मुख्य आरोपी संजय सिंह और आरोपी आकाश ने भी अपने मेमोरेंडम बयान में मुदलियार का नाम लिया था। इसके बावजूद उसकी गिरफ्तारी में कुछ समय लगने से पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठे थे। शनिवार सुबह भिलाई-3 थाना पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने उसके घर के पास से उसे हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया।

34 से 38 रुपये किलो में खरीदता था चोरी का लोहा

पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी संजय सिंह और आकाश ने बताया कि भास्कर मुदलियार चोरी का लौह स्क्रैप 34 से 38 रुपये प्रति किलो की दर से खरीदता था। शुरुआती दौर में चोरी का माल कुछ कथाड़ियों और कुछ भास्कर को बेचा जाता था, लेकिन बाद में बड़ी मात्रा में पूरा स्क्रैप उसी के पास जाने लगा। जांच में जामुल स्थित उसकी स्क्रैप ट्रेडिंग कंपनी और गोदाम की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस का दावा है कि वहीं से चोरी के स्क्रैप की आगे सप्लाई की जाती थी।

रायपुर की कंपनी तक पहुंचता था चोरी का माल

पुलिस का दावा है कि मुदलियार स्क्रैप कारोबार की आड़ में चोरी का लोहा रायपुर की एक बड़ी कंपनी तक पहुंचाता था। जांच एजेंसियों को आशंका है कि चोरी का स्क्रैप दूसरे राज्यों में भी खपाया गया हो सकता है। इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने के लिए पुलिस अब वित्तीय लेन-देन, परिवहन और खरीद-बिक्री से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच कर रही है।

राष्ट्रपति भवन में गूंजी बस्तर की जनजातीय संस्कृति

नारायणपुर के मांझी-चालकी और 'बस्तर पंडुम' विजेताओं ने राष्ट्रपति से की सौजन्य भेंट

रायपुर/नवप्रदेश। बस्तर के घने जंगलों, अनूठी सामाजिक व्यवस्था और समृद्ध जनजातीय विरासत की गूंज अब देश के सर्वोच्च मंच राष्ट्रपति भवन तक जा पहुंची है। नारायणपुर जिले के पारंपरिक मांझी-चालकी और 'बस्तर पंडुम' प्रतियोगिता के विजेताओं का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल हाल ही में नई दिल्ली पहुंचा, जहां उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति से सौजन्य मुलाकात की। इस आत्मीय भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कलाओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 30 जुलाई 2026 में राष्ट्रपति भवन का दौरा किया, जिसमें बस्तर पंडुम के विजेता, मांझी-चालकी और पद्म सम्मानित कलाकार शामिल थे। इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत 27 जुलाई को नारायणपुर से हुई थी, जब नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल ने हरी झंडी दिखाकर इस दल को दिल्ली के लिए रवाना किया था। पूरे जिले के लिए यह एक अत्यंत गर्व का क्षण था। इसके बाद 30 जुलाई को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में बस्तर की जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने का यह सुनहरा अवसर आया। मुलाकात के दौरान बस्तर की कला और परंपरा के प्रमुख ध्वजवाहकों ने अपनी माटी का प्रतिनिधित्व किया। इनमें 'बस्तर पंडुम' के जनजातीय आभूषण विधा की विजेता मुंगड़ी कोर्राम और सुदनी दुग्गा शामिल थीं, जिन्होंने पारंपरिक आभूषणों के सौंदर्य और उनके सांस्कृतिक महत्व की जानकारी साझा की। वहीं, बस्तर की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था का नेतृत्व करते हुए एड़का परगना के मांझी राजाराम, करंगाल परगना के मांझी सुधवाराम करंगा, गोटाली परगना के मांझी मंगतू राम ध्रुव, नूरदेश परगना के मांझी गुड्डू पोटाई तथा करंगाल परगना के चालकी सोमारू राम ने बस्तर की पारंपरिक सामाजिक संरचना और रीति-रिवाजों का परिचय दिया। प्रतिनिधिमंडल की इस मुलाकात से न केवल नारायणपुर और समूचा बस्तर संभाग गौरवान्वित महसूस कर रहा है, बल्कि इससे राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को एक नई पहचान मिली है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मंचों से जनजातीय कला, परंपराओं और लोक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिलेगा।

रायपुर में एक रात में नशे में वाहन चलाने वाले 27 चालकों पर केस

रायपुर/नवप्रदेश। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए एक ही रात में 27 वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा के मामलों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति जारी रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार, 1 अगस्त 2026 की रात सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) स्नेहिल साहू के नेतृत्व में शहर के नौ प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। आधुनिक ब्रीथ एनालाइजर मशीनों से जांच के दौरान 14 कार, 9 पिकअप, 3 दोपहिया और 1 ट्रक चालक सहित कुल 27 वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए। सभी के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत तत्काल वैधानिक कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक 3,780 ड्रंक एंड ड्राइव मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। अभियान का उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा ने नागरिकों से अपील की है कि शराब या किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन करने के बाद वाहन न चलाएं।

डोंगरिया में हजारों युवाओं ने लिया नशामुक्त भारत का संकल्प

विधायक प्रणव कुमार मरपची ने किया राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ करते हुए देशभर के युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में प्रारंभ हुए इस राष्ट्रव्यापी अभियान से देशभर के एक करोड़ से अधिक युवा जुड़े।

इसी क्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के डोंगरिया स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और हजारों युवाओं ने नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक एवं मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रणव कुमार मरपची रहे। उनके साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, कलेक्टर विजय दयाराम के., वनमंडलाधिकारी ग्रीष्मी चांद, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे, अपर कलेक्टर दिलेराम डाहिरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, माय भारत स्वयंसेवक, युवा क्लबों के सदस्य तथा बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह के सीधा प्रसारण से हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि ष्नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारतष् अभियान का उद्देश्य प्रत्येक युवा को नशे की गिरफ्त से बचाकर उसकी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता को राष्ट्र निर्माण की दिशा में सकारात्मक रूप से उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्ति को भी कमजोर करता है। प्रधानमंत्री ने अभिभावकों से अपने बच्चों को नशे से दूर रखने तथा युवाओं से स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से देशभर के एक करोड़ से अधिक युवा विकसित भारत के संकल्प से जुड़ रहे हैं।

राष्ट्रीय कार्यक्रम के उपरांत विधायक प्रणव कुमार मरपची ने उपस्थित युवाओं एवं नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश की युवा शक्ति नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, कौशल, नवाचार और राष्ट्र सेवा में लगाएगी। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

मरपची ने सभी उपस्थित लोगों को किसी भी प्रकार के

डॉ भेषज रामटेके के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम पहुंची सुदूर वनांचल गोरगापाल में

- घर-घर पहुंच मलेरिया व डायरिया की जांच, मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी दी जानकारी

अंतागढ़/नवप्रदेश। बरसात के दिनों मे मलेरिया व डायरिया की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अपने दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया। लगातार हो रही तेज बारिश, उफनते नदी-नालों और दुर्गम पहाड़ी रास्तों को पार करते हुए अंतागढ़ के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर भेषज रामटेके के नेतृत्व मे स्वास्थ्य कर्मियों की छह सदस्यीय टीम इस अभियान में रहे जिसमे बीपीएम नोमेत गावड़े, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आमाबेड़ा मनोज सिंगरौल, प्रभारी बीईटी के.के. सिन्हा, सेक्टर सुपरवाइजर देवेंद्र कुमार ठाकुर तथा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी रेणुका उईके सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम शामिल रही।अंतागढ़ विकासखंड के सुदूर वनांचल आमाबेडा स्थित गोरगापाल गांव पहुंची। वहां मलेरिया नियंत्रण अभियान के तहत घर-घर जाकर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर , मरीजों को तत्काल दवाइयां उपलब्ध कराई गई तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

कच्ची सडक होने के चलते 15 किलोमीटर पैदल चल पहुंची टीम : बता दे कि ग्राम पंचायत अर्रा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुसकाल के आश्रित ग्राम गोरगापाल तक स्वास्थ्य विभाग को पहुंचना आसान नहीं था। घने जंगलों और ऊंची पहाड़ियों के बीच कच्ची सडक जहाँ गड्ढे चलना दुभर था ऐसे बसे इस गांव में करीब 25 से 30 परिवार निवास करते हैं। यह क्षेत्र मलेरिया की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। किन्तु लगातार बारिश के कारण वाहन कि पहिया आगे नहीं जा सके, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लगभग 14 से 15 किलोमीटर का कठिन पहाड़ी रास्ता पैदल तय कर गांव तक पहुंचने का निर्णय लिया। गांव पहुंचते ही टीम ने बिना समय गंवाए घर-घर जाकर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच शुरू की। जांच के दौरान मलेरिया से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें तत्काल दवा की पहली खुराक दी गई तथा नियमित उपचार की सलाह भी दी गई।

डॉ भेषज रामटेके के नेतृत्व मे स्वास्थ्य टीम गोरगापाल पहुंची

अभियान का नेतृत्व कर रहे खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.के. रामटेके के साथ स्वास्थ्य विभाग गोरगापाल पहुंच ग्रामीणों को मलेरिया एवं डायरिया जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने मच्छरदानी का नियमित उपयोग, आसपास स्वच्छता बनाए रखने, साफपेयजल का उपयोग करने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की। साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों और ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय एवं विश्वास बनाए रखने पर भी जोर दिया।

मासिक बैठक में स्मार्ट मीटर को बदलने को लेकर घर घर जाकर आवेदन करवाएगी कांग्रेस

अंतागढ़/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस के द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार 1 अगस्त से 30 अगस्त तक स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बिल में बेतहाशा वृद्धि से जनता के जेब में पड़ने वाली भार के खिलाफ अभियान चला कर मीटर को बदलकर पुराना मीटर लगाने आवेदन कराया जाएगा ।घर घर जाकर कांग्रेस के कार्यकर्ता द्वाराआवेदन फॉर्म भरवाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही कांग्रेस पार्टी द्वारा पूर्व की तरह 400 यूनिट तक हॉफ बिजली बिल योजना को लागू करने,।पांच बार बिजली के दरों पर की गई बढ़ोतरी की अंतर की राशि वापस करने ग्रामीण और औद्योगिक तथा शहरी क्षेत्रों में निर्बाध बिजली की आपूर्ति करना। बिजली वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और उपभोक्ता हितेषी करे जाने की मांग करेगी। मीटिंग में ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश ठाकुर पूर्व जिला अध्यक्ष सुभद्रा सलाम, जिला महामंत्री अखिलेश चंदेल,हीरालाल मांझी,मंडल अध्यक्ष रमेश बघेल,शेख शरीफकुरैशी,दिलीप बघेल ,मनोज ध्रुव आदिवासी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष श्रवण दुग्गा सरपंच सुरवाही,तोमेश जोशी एस आई आर प्रभारी,युवक कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डा नेताम,बंटी गुप्ता,सुजल निषाद,राजेश यादव,विशाल फफ्रमारिया,देवेश कावड़े,डेविड दुग्गा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवीन पीएमटी छात्रावास में नए पदाधिकारी का किया चयन

अध्यक्ष प्रमोद हिड़को मीडिया प्रभारी राकेश सलाम बने

अंतागढ़/नवप्रदेश। शनिवार रात्रि को नवीन पी.एम.टी.छात्रावास अन्तागढ़ मे छात्रों कि एक बैठक आयोजित कि गई ! जिसमें नियमित तथा संचारित रूप से चलाने के लिए पदाधिकारी चुना गया !इस पदाधिकारी चयन के दौरान उपस्थित पूर्व अधीक्षक शिव भानु सिंह टेकाम और वर्तमान अधीक्षक चंद्रिका प्रकाश ठाकुर एवं छात्रावास के गौरव जितेन्द्र नेरटी (सीमा सुरक्षा बल) रामेश्वर कुमेटी (बस्तर फाइटर) जोहान उयके (बस्तर फाइटर) एवं पूर्व सीनियर रावलू दुग्गा मानसिंह बुई , चिरंजीव उयके , राजेन्द्र गावड़े , एवं भूतपूर्व अध्यक्ष कृष्णा दुग्गा उपस्थित थे जिसमें छात्रावास संचालन के लिए निम्न पद पर पदाधिकारी चुने गए जहाँ अध्यक्ष के पद पर छात्र प्रमोद हिड़को उपाध्यक्ष, अरविंद ध्रुव सचिव धनराज उयके , सहसचिव मन्नू आचला शिक्षक प्रभारी मयंक कोला उप-शिक्षा प्रभारी पवन ध्रुव अनुशासन प्रभारी खिलेश्वर नेगी, अरविंद पददा, मीडिया प्रभारी राकेश सलाम, उप मीडिया प्रभारी रामप्रसाद मांडवी, क्रीडा प्रभारी लालू तेता, उप क्रीडा प्रभारी सतीश पददा और संचालक महेर सिंह दुग्गा स्वास्थ्य प्रभारी दिनेश उयके, लोकेश ध्रुव विद्युत प्रभारी हिरू राम हुपेण्डी, पदुमलाल कावड़े, बागवानी प्रभारी राजेंद्र कुंजाम, संजू नेताम सांस्कृतिक प्रभारी सियाराम पोटा़ई, संतोष पोटा़ई, साफसफाई प्रभारी नरेंद्र दुग्गा, योगेश गावड़े को बनाया गया वही सभी नव नियुक्त पधाधिकारियो का शपथ ग्रहण कराया गया !

नशे के खिलाफ कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई 144 नशीले कैप्सूल के साथ युवक गिरफ्तार

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध नशीली कैप्सूल की बिक्री करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 18 स्ट्रिप में कुल 144 प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दलपत सागर सुलभ शौचालय के पास एक युवक आर्मी टी-शर्ट पहनकर झिल्ली में नशीली कैप्सूल लेकर बिक्री के लिए खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम भोला बघेल (28) निवासी दंतेश्वरी वार्ड, जगदलपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से डाइसाइक्लोमाइन एचसीएल,ट्रामाडोल एचसीएल एवं एसीटामिनोफेन युक्त 144 नशीली कैप्सूल बरामद हुईं। वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने और बिक्री की बात स्वीकार करने पर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

लगातार जारी है नशे के खिलाफअभियान

पुलिस अधीक्षक (बस्तर) शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी लीलाधर राठौर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई में उप निरीक्षक अरुण मरकाम,प्रशिक्षु उपनिरीक्षक भूपेंद्र पैकरा, सहायक उपनिरीक्षक बिजेंद्र सिंह तथा पुलिस टीम के अन्य जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वदेशी फेस्ट में गूंजा 'वोकल फॉर लोकल' का मंत्र

बस्तर की कला-संस्कृति और स्थानीय उत्पादों को मिला नया मंच

- काकतीय और दंतेश्वरी महाविद्यालय के संयुक्त आयोजन में युवाओं ने जाना स्वरोजगार का रास्ता
- खादी कोसा,बांस और हस्तशिल्प की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

जगदलपुर/नवप्रदेश। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने और बस्तर की समृद्ध कला, हस्तशिल्प एवं कुटीर उद्योगों को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में ÷स्वदेशी फेस्ट : वोकल फॉर लोकल÷ का भव्य आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार ग्रामोद्योग विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय और शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय ने संयुक्त रूप से भागीदारी निभाई। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक शिल्प और स्वरोजगार की संभावनाओं से जोड़ते हुए स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के प्रति प्रेरित करना था। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग, बांस कला केंद्र, रेशम विभाग तथा छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा लगाए गए आकर्षक स्टॉल लोगों के लिए विशेष आकर्षण रहे। विद्यार्थियों ने बेल मेटल, बांस शिल्प, कोसा रेशम, काष्ठ शिल्प, वनोपज और अन्य स्थानीय उत्पादों का अवलोकन कर उनकी निर्माण प्रक्रिया, विपणन और रोजगार की संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की। विशेषज्ञों ने बताया कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर न केवल पारंपरिक कलाओं का संरक्षण किया जा सकता है,बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य (शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय) डॉ रानू मेश्राम ने की। मुख्य अतिथि उपसंचालक (खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग) राजेंद्र मंडावी ने कहा कि ÷वोकल फॉर लोकल÷ केवल अभियान नहीं,बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का राष्ट्रीय संकल्प है। प्राचार्य (शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय) डॉ. रंजना नाथ ने विद्यार्थियों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का आह्वान किया। डॉ. सुशील कुमार दत्ता ने बस्तर की कला एवं लघु उद्योगों को देशभर में विशिष्ट पहचान दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी : रेशम विभाग के रोशन चंद्राकर एवं वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार एस ने कोसा रेशम और उससे जुड़े प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के आनंद श्रीवास्तव ने बेल मेटल,काष्ठ एवं तुम्बा शिल्प के संरक्षण और विपणन योजनाओं से अवगत कराया।

बेल मेटल,काष्ठ एवं तुम्बा शिल्प के संरक्षण और विपणन योजनाओं से अवगत कराया

रेशम विभाग के रोशन चंद्राकर एवं वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार एस. ने कोसा रेशम और उससे जुड़े प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के आनंद श्रीवास्तव ने बेल मेटल,काष्ठ एवं तुम्बा शिल्प के संरक्षण और विपणन योजनाओं से अवगत कराया। डॉ विमल कुमार रात्रे तथा बांस कला केंद्र के रौनक रायकवार ने स्थानीय कला एवं कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग,बांस कला केंद्र, रेशम विभाग तथा छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा लगाए गए आकर्षक स्टॉल लोगों के लिए विशेष आकर्षण रहे। विद्यार्थियों ने बेल मेटल, बांस शिल्प, कोसा रेशम, काष्ठ शिल्प, वनोपज और अन्य स्थानीय उत्पादों का अवलोकन कर उनकी निर्माण प्रक्रिया, विपणन और रोजगार की संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की। विशेषज्ञों ने बताया कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर न केवल पारंपरिक कलाओं का संरक्षण किया जा सकता है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं।

स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का राष्ट्रीय संकल्प

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य (शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय) डॉ रानू मेश्राम ने की। मुख्य अतिथि उपसंचालक (खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग) राजेंद्र मंडावी ने कहा कि 卐वोकल फॉर लोकल卐 केवल अभियान नहीं,बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का राष्ट्रीय संकल्प है। प्राचार्य (शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय) डॉ रंजना नाथ ने विद्यार्थियों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का आह्वान किया। डॉ. सुशील कुमार दत्ता ने बस्तर की कला एवं लघु उद्योगों को देशभर में विशिष्ट पहचान दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

क्राइम रिव्यू मीटिंग में पुलिस अधीक्षक ने दिए सख्त निर्देश

- स्मार्ट और तकनीक आधारित पुलिसिंग पर जोर,लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश

जगदलपुर/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक बस्तर शलभ कुमार सिन्हा ने शनिवार को जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की क्राइम रिव्यू बैठक लेकर अपराध नियंत्रण, विवेचनाओं की गुणवत्ता और स्मार्ट पुलिसिंग को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिले के लंबित अपराधों, शिकायतों एवं प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के अधिकतम उपयोग के साथ आधुनिक पुलिसिंग को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

सीसीटीएनएस के बेहतर उपयोग और जवाबदेही पर जोर

बैठक में स्मार्ट पुलिसिंग, कम्युनिटी पुलिसिंग और तकनीक आधारित पुलिसिंग को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। अधिकारियों को सीसीटीएनएस सहित अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग कर पुलिस कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने के निर्देश दिए गए। साथ ही विभागीय, न्यायालयीन एवं अन्य वैधानिक अनुपालनों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने सड़क सुरक्षा,यातायात नियमों के पालन, दुर्घटना नियंत्रण और जन-जागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। वर्षा ऋतु और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी, स्थानीय प्रशासन से समन्वय, त्वरित पुलिस सहायता तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी थाना प्रभारियों को दिए गए।

जगदलपुर में आयोजित बैठक में जिला अभियोजन अधिकारी मिश्रा ने विवेचना और अभियोजन से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी पहलुओं पर अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर,नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार धोत्रे सहित जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी,थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रमुख निर्देश लंबित अपराधों का शीघ्र निराकरण

वैज्ञानिक साक्ष्यों का उपयोग,सीसीटीएनएस के प्रभावी संचालन,यातायात व्यवस्था में सुधार, सड़क सुरक्षा अभियान, संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारी और आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को दिए।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : संदीप मेश्राम

चारामा/नवप्रदेश। नगर पंचायत चारामा के जुझारू पार्षद संदीप मेश्राम ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का जनआंदोलन है। इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखकर उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है।

उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए नशा मुक्त समाज का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से देशभर में 100 सप्ताह तक नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। संदीप मेश्राम ने विशेष रूप से जेन-ज़ेड युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुड़कर स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने मित्रों, परिवार और समाज को भी नशा मुक्त बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि आज का युवा ही कल के विकसित भारत का निर्माता है। यदि हमारी युवा शक्ति स्वस्थ, जागरूक और संस्कारित होगी, तभी भारत विश्व का अग्रणी विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने नगर पंचायत चारामा के युवाओं, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों एवं नागरिकों से अपील की कि वे नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए समाज में जनजागरूकता फैलाएं और एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं सशक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

चारामा /नवप्रदेश। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भर्रीटोला के परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के प्राचार्य माखनलाल साहू की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने मिलकर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनके बड़े होने तक नियमित सेवा, सुरक्षा और देखरेख करने का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्राचार्य माखनलाल साहू ने बच्चों को संबोधित करते हुए वृक्षों और पर्यावरण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में वृक्षों की उपयोगिता बताते हुए कहा कि पेड़-पौधे न केवल हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में भी इनकी सबसे मुख्य भूमिका होती है।

नशा देश की युवा शक्ति को खोखला करने वाला दीमक : केदार कश्यप

- शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में 'नशामुक्त विकसित भारत अभियान' का शुभारंभ,प्रधानमंत्री का संबोधन सुना

जगदलपुर/नवप्रदेश। देशव्यापी 'नशामुक्त विकसित भारत अभियान' के शुभारंभ पर रविवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कालीपुर परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन का सीधा प्रसारण देखा और सुना गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, एनएसएस स्वयंसेवकों, शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर नशामुक्त भारत के संकल्प को दोहराया।

मुख्य अतिथि वन, जलवायु परिवर्तन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जिस प्रकार दीमक किसी मजबूत वस्तु को भीतर ही भीतर खोखला कर देती है, उसी प्रकार नशा व्यक्ति, परिवार और समाज को धीरे-धीरे बर्बाद कर देता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए तथा जो लोग इसकी गिरफ्त में हैं, उन्हें नशा मुक्ति केंद्रों की सहायता लेकर सामान्य जीवन की ओर लौटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त विकसित भारत अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त युवा ही विकसित भारत की नींव बनेंगे।

शिक्षा के साथ संस्कार भी उतने ही आवश्यक

कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का प्रत्येक नागरिक नशामुक्त होगा। वहीं सांसद महेश कश्यप ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार भी उतने ही आवश्यक हैं। उन्होंने युवाओं से अच्छी संगति अपनाने और भ्रमित करने वाली प्रवृत्तियों से दूर रहने की अपील की।

नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से भी नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावी प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं को नशामुक्त रहने की शपथ दिलाई गई। प्रधानमंत्री के संबोधन से पूर्व ऑनलाइन नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से भी नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर आकाश छिकारा,कार्यपरिषद सदस्य अजय सिंह बैस,जयराम दास, कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी, कार्यक्रम समन्वयक डॉ सजीवन कुमार सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रिहायशी इलाके से शराब दुकान हटाने छात्र-छात्राएं, नागरिक सड़कों पर उतरे

लैलूंगा/नवप्रदेश। नगर के शहरी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को आबादी वाले इलाके से हटाने की मांग को लेकर शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में छात्रों ने जोरदार चक्का जाम कर प्रदर्शन किया।

आंदोलन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बैठकर शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और मांग की कि रिहायशी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए।प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और आंदोलनकारियों से चर्चा शुरू की। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल भी तैनात किया गया ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे। छात्रों का कहना था कि नगर के बीचों-बीच शराब दुकान संचालित होने से प्रतिदिन महिलाओं, छात्राओं, स्कूली बच्चों और आम नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। दुकान के आसपास शराबियों की आवाजाही से सामाजिक वातावरण प्रभावित होता है और लोगों में असुरक्षा की भावना बनी रहती है। कई बार स्थानीय लोगों द्वारा इस संबंध में शिकायतें भी की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी। इसी कारण छात्रों को सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। आंदोलन की सूचना मिलने के बाद आबकारी विभाग के अधिकारियों, अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम), तहसीलदार, थाना प्रभारी सहित

प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से विस्तृत चर्चा कर उनकी मांगों को गंभीरता से सुना। चर्चा के दौरान आबकारी विभाग एवं एसडीएम ने आंदोलनकारियों को आश्वस्त किया कि एक माह के भीतर वर्तमान शहरी क्षेत्र से शराब दुकान को स्थानांतरित कर दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि शराब दुकान के लिए वैकल्पिक स्थान के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है और नियमानुसार आवश्यक प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी कर शीघ्र स्थानांतरण की कार्रवाई की जाएगी।अधिकारियों के स्पष्ट आश्वासन के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों एवं छात्रों ने आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की और चक्का जाम खोल दिया, जिसके बाद यातायात पुन: सामान्य हो गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार की अव्यवस्था फैलाना नहीं, बल्कि नगर के हित में जनभावनाओं को प्रशासन तक पहुंचाना था। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित एक माह की समय-सीमा में शराब दुकान का स्थानांतरण नहीं किया गया तो छात्र संगठन स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर पुन: उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से आश्वासन पर समयबद्ध कार्रवाई करने की अपेक्षा जताई है।

न्यूज गैलरी

न्यायालय की अवमानना पर उपनिरीक्षक को पांच सौ का जुर्माना

रामानुजगंज/नवप्रदेश। बलरामपुर-रामानुजगंज जिला न्यायालय ने न्यायालयीन आदेशों की अवहेलना और निर्धारित तिथियों पर लगातार अनुपस्थित रहने के मामले में कोरिया जिले में पदस्थ उपनिरीक्षक विनोद पासवान के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन पर 500 रुपये का अर्थदंड लगाया है। न्यायालय ने यह राशि उनके वेतन से काटकर जमा कराने का निर्देश भी दिया है।प्रकरण की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने जिले की विभिन्न अदालतों से लंबित मामलों की जानकारी मंगाई। प्राप्त रिपोर्ट में सामने आया कि उपनिरीक्षक विनोद पासवान कई सत्र प्रकरणों में गवाह के रूप में सूचीबद्ध हैं। इनमें वर्ष 2022 और 2023 से लंबित प्रकरण भी शामिल हैं, जिनमें उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कई बार समन, जमानती वारंट और गिरफ्तारी वारंट तक जारी किए जा चुके थे।अदालत में प्रस्तुत जवाब में उपनिरीक्षक ने बताया कि वे थाना सोनहत, जिला कोरिया में दर्ज एक प्रकरण की विवेचना तथा सीबीआई को केस डायरी सौंपने जैसी शासकीय जिम्मेदारियों में व्यस्त थे। इसी कारण वे न्यायालय में उपस्थित नहीं हो सके।हालांकि न्यायालय ने उनके जवाब को संतोषजनक नहीं माना। आदेश में उल्लेख किया गया कि पूर्व में समन की विधिवत तामील होने और जमानती वारंट जारी होने के बावजूद निर्धारित तिथियों पर न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने अनुपस्थिति के संबंध में ऐसा कोई ठोस कारण भी प्रस्तुत नहीं किया, जिससे उनकी गैरहाजिरी को उचित ठहराया जा सके। न्यायालय ने माना कि उपनिरीक्षक की लगातार अनुपस्थिति से लंबित मामलों की सुनवाई प्रभावित हुई और न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब हुआ। इसे न्यायालय के आदेशों की अवहेलना मानते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 389 के तहत 500 रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

3 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

अनूपपुर/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ सिंह मरकाम तथा एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भालूमाड़ा निरीक्षक राधिका भगत के नेतृत्व में भालूमाड़ा पुलिस ने काम्बिंग गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए तीन स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार 31 जुलाई 2026 को माननीय न्यायालय कोतमा द्वारा जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंटों के पालन में कार्रवाई की गई। इस दौरान प्रकरण क्रमांक 768/2024 (अपराध क्रमांक 266/2024) के स्थायी वारंटी सत्यवती साहू निवासी ग्राम सकोला, प्रकरण क्रमांक 605/2020 (अपराध क्रमांक 309/2020) के स्थायी वारंटी कमलेश उर्फ छोटी निवासी ग्राम खोडरी, थाना रामनगर तथा आरसीटी क्रमांक 566/2020 (अपराध क्रमांक 173/2020) के स्थायी वारंटी लालमन कोल उर्फ जरहा निवासी ग्राम कुशला बहरा, थाना भालूमाड़ा को गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राधिका भगत, उपनिरीक्षक डी.एस. बागरी, प्रधान आरक्षक कृपाल सिंह, आरक्षक चक्रधर तिवारी एवं आरक्षक शुभम तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

48 छात्राओं को साइकिल वितरित बालिका शिक्षा महत्वपूर्ण कदम

जशपुर/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बासनताला में आयोजित गरिमामय समारोह में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष तथा जनप्रतिनिधियों ने किया निशुल्क सरस्वती साइकिल वितरण, कहा यह पहल बालिका शिक्षा को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण कदम। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बासन ताला में गुरुवार को प्राचार्य मोहम्मद रईसुल हसन खान की अध्यक्षता में निशुल्क सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कक्षा 9वी की 48 छात्राओं को शासन की सरस्वती साइकिल योजना के तहत मुख्य अतिथि उपेंद्र यादव,विशिष्ट अतिथि हेमंत यादव, मनोज तिग्गा, प्रदीप यादव, अभिषेक पूरी, मंगल राम, सूघन राम, विकास साहू के कर कमलो सेसाइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा विद्यादायिनी मां सरस्वती के प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। तथा अतिथियों का बैच, तिलक लगाकर पुष्प गुच्छ एवं स्वागत गान से भावभीनी स्वागत किया गया, वही प्राचार्य खान द्वारा स्वागत उद्बोधन की प्रस्तुति करते हुए शासन द्वारा शिक्षा के विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं एवं कन्या शिक्षा के विकास के लिए निशुल्क सरस्वती साइकिल छात्राओं को दिए जाने के उद्देश्य से अवगत कराते हुए कहा गया कि आप सभी विद्यार्थियों की सफलता के लिए अपार प्रतिभाएं हैं, आवश्यकता है निहित एनर्जी का पूरा प्रयोग करें तो निश्चित रूप से एक अच्छी कामयाबी मिलेगी एवं लक्ष्य की प्राप्ति होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपेंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि प्रदीप यादव, अभिषेक पूरी, हेमंत यादव, मनोज तिग्गा, ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन द्वारा छात्राओं को दी जा रही सभी योजनाओं का पूर्ण प्रयोग करे जिससे आपका भविष्य बेहतर बन पाएगा। अतिथियों द्वारा विद्यालय की सारी व्यवस्थाओं एवं मिल रही उपलब्धियों की प्रशंसा की गई। व्याख्याता राकेश सिंह के द्वारा पूरे कार्यक्रम में आकर्षक मंच संचालन किया गया जिससे पूरा माहौल खुशनुमा बना रहा।

20 साल की मांग पर फूटा ग्रामीणों का आक्रोश

केशला-तोलगे की जर्जर सड़क को लेकर तीन घंटे तक चक्काजाम

लैलूंगा/नवप्रदेश। रायगढ़ जिले के लैलूंगा क्षेत्र में वर्षों से बदहाल पड़ी केशला-तोलगे सड़क को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश शनिवार को सड़क पर फूट पड़ा। करीब 20 वर्षों से सड़क निर्माण और आवागमन की बेहतर व्यवस्था की मांग कर रहे ग्रामीणों ने पूर्व भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के नेतृत्व में कुंजारा स्थित केशला मोड़ पर विशाल चक्काजाम कर दिया।

आंदोलन के कारण लैलूंगा-रायगढ़ मुख्य मार्ग करीब तीन घंटे तक पूरी तरह बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।सड़क की जर्जर स्थिति से लंबे समय से परेशान ग्रामीणों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सड़क निर्माण की मांग उठाई। आंदोलन में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा सड़क संघर्ष समिति के सदस्य शामिल हुए।

ग्रामीणों का कहना था कि केशला-तोलगे मार्ग की बदहाल स्थिति के कारण क्षेत्र के लोगों को वर्षों से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन बार-बार मांग और शिकायत के बावजूद सड़क निर्माण की दिशा में ठोस पहल नहीं की गई।ग्रामीणों के आक्रोश और बड़ी संख्या में लोगों के सड़क पर उतरने की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया। मौके पर एसडीएम राकेश कुमार वर्मा, पुलिस प्रशासन तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी पहुंचे। अधिकारियों ने आंदोलनकारियों और ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा सड़क की मरम्मत और स्थायी निर्माण को लेकर आवश्यक जानकारी दी। चक्काजाम के दौरान मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लगने से यात्रियों को काफी परेशानी हुई। कई वाहन घंटों तक सड़क पर खड़े रहे। हालांकि आंदोलनकारियों ने सड़क की समस्या को क्षेत्र की वर्षों पुरानी और गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि जब तक विभाग की ओर से स्पष्ट और ठोस आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा।

15 अगस्त तक सड़क को बनाने का दिया आश्वासन

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने आंदोलनकारियों को आश्वस्त किया कि केशला-तोलगे सड़क की तत्काल मरम्मत कर उसे आवागमन योग्य बनाया जाएगा। सड़क की मरम्मत के लिए 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हो चुकी है और पीडब्ल्यूडी द्वारा रविवार से मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा।अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि केशला-तोलगे सड़क के स्थायी और व्यापक निर्माण के लिए लगभग 74 करोड़ का प्रस्ताव प्रमुख अभियंता, रायपुर को भेजा गया है। प्रस्ताव पर आगे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सड़क के स्थायी निर्माण की दिशा में कार्य किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा सड़क मरम्मत को लेकर दिए गए लिखित एवं मौखिक आश्वासन के बाद आंदोलनकारियों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया।

27 किलो गांजा समेत चार गिरफ्तार, दो महिला भी शामिल

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। जिले की बिर्रा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 13 लाख रुपये से अधिक मूल्य के 26 किलो 800 ग्राम गांजा के साथ दो महिलाओं सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांजा तस्करी में प्रयुक्त एक कार और पायलटिंग कर रही एक मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (आईपीएस) के निर्देशन में 1 अगस्त को बिर्रा थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि भटगांव की ओर से महानदी पुल पार कर बसंतपुर की तरफ एक कार में गांजा ले जाया जा रहा है, जबकि आगे-आगे एक मोटरसाइकिल पायलटिंग कर रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों वाहनों को रोक लिया। एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर कार की तलाशी लेने पर अलग-अलग पैकेटों में कुल 26.800 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने विजय बघेल (22), उत्तम चन्द्रा (41), भूरीबाई बघेल (55) और सव्या शर्मा (28) को गिरफ्तार कर थाना बिर्रा में अपराध क्रमांक 99/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। पूछताछ और कार्रवाई के बाद चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में पीएसआई शामेष, एएसआई रामप्रसाद बघेल, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र टंडन तथा आरक्षक अर्जुन यादव, चंद्रशेखर ओगरे और वीरेंद्र कश्यप की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खाद की ओवररेटिंग पर कार्रवाई, 1110 बोरी उर्वरक जब्त

अंबिकापुर/नवप्रदेश। किसानों से निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर खाद बेचने की शिकायत पर कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर के निर्देश पर विभागीय टीम ने दरिमा स्थित कृष्णा कृषि सेवा केंद्र में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान ओवररेटिंग की शिकायत सही पाए जाने पर गोदाम में रखी 1110 बोरी उर्वरक जब्त कर ली गई। साथ ही जब्त उर्वरक के विक्रय पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। जानकारी के अनुसार, किसानों से खाद की अधिक कीमत वसूलने

की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद कलेक्टर के निर्देश पर एसएडीओ जे. आलम के नेतृत्व में कृषि विभाग की टीम ने कृष्णा कृषि सेवा केंद्र में छापेमार कार्रवाई की। टीम ने दुकान और गोदाम में उपलब्ध खाद के स्टॉक के साथ बिक्री से संबंधित दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने गोदाम में रखी 1110 बोरी उर्वरक को जब्त कर लिया। जब्त खाद के विक्रय पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी गई है। विभाग की कार्रवाई से खाद की कालाबाजारी और ओवररेटिंग करने वाले व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसानों से निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जुम्बा जिम व योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

सक्ती/नवप्रदेश। अग्रवाल सभा सक्ती द्वारा हटरी धर्मशाला में अग्रवाल समाज की महिलाओं एवं युवतियों के स्वास्थ्य और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए एक माह का निःशुल्क जुम्बा, जिम एवं योग प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ किया गया।

शिविर का शुभारंभ अग्रवाल सभा अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं एवं युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि

स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ समाज की नींव है। उन्होंने समाज की महिलाओं एवं युवतियों से अधिक से अधिक संख्या में इस प्रशिक्षण का लाभ लेने, नियमित व्यायाम करने तथा डाइट चार्ट के अनुसार अपनी दिनचर्या अपनाकर स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की। प्रशिक्षण शिविर में अंजली राजपूत प्रशिक्षक के रूप में महिलाओं एवं युवतियों को जुम्बा, जिम एवं योग का नियमित प्रशिक्षण देंगी। महिला समिति की ओर से रीना गेवाड़ीन ने अग्रवाल सभा अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल का इस आयोजन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य और जागरूकता को ध्यान में रखकर आयोजित यह प्रशिक्षण शिविर समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी पहल है।

पैरामेडिकल प्रवेश में देरी से विद्यार्थियों की बढ़ी चिंता

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रस्तावित पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में अब तक प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं होने से प्रवेश की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं की चिंता बढ़ गई है।

समय पर प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं होने की स्थिति में विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र का नुकसान होने की आशंका है। मामले को लेकर नगर निगम अंबिकापुर के नेता प्रतिपक्ष ने कलेक्टर अजीत वसंत से चर्चा कर विद्यार्थियों के हित में जल्द पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया में देरी का सीधा असर छात्रों की पढ़ाई पर पड़ेगा। ऐसे में जरूरी प्रक्रिया जल्द पूरी कर इसी सत्र में विद्यार्थियों को प्रवेश दिलाया जाना चाहिए। कलेक्टर अजीत वसंत ने चर्चा के दौरान मेडिकल कॉलेज के डीन को आवश्यक दस्तावेज और संबंधित पत्र के साथ सोमवार को उनके समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मामले की पूरी जानकारी और दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद विद्यार्थियों के हित में आवश्यक पहल की जाएगी।

सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन आदेश सौंपकर शिक्षक को किया सम्मानित

तमता/नवप्रदेश। पत्थलगांव विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला तमता में प्रधान पाठक श्री सनत कुमार शर्मा की 31 जुलाई 2026 को सेवा निवृत्ति के अवसर पर विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने उनके 39 वर्षों के उत्कृष्ट शिक्षकीय योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ, शॉल एवं श्रीफल भेंट किया। साथ ही, सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन आदेश सौंपकर उन्हें सम्मानित किया गया, जिससे उन्हें

सेवानिवृत्ति के बाद की औपचारिकताओं के लिए भटकना न पड़े। कार्यक्रम में कार्यालय प्रमुख एवं विद्यालय के प्राचार्य मोहन लाल पटेल तथा शाखा प्रभारी उमाशंकर यादव (सहायक ग्रेड-02) ने सेवानिवृत्ति एवं पेंशन आदेश प्रदान कर उनका सम्मान किया।अपने संबोधन में सनत कुमार शर्मा ने कहा कि 'एक शिक्षक को केवल पढ़ाना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए माता-पिता, गुरु, न्यायमूर्ति और मित्र की भूमिका भी निभानी पड़ती है। शर्मा ने अपने 39 वर्षों के शिक्षकीय जीवन में विभिन्न विद्यालयों में सेवाएं दीं। वर्ष 2014 से वे शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला तमता में प्रधान पाठक के रूप में पदस्थ रहे और अपने अनुशासन, सरल व्यवहार एवं विद्यार्थियों के प्रति समर्पण से विद्यालय में विशेष पहचान बनाई। इस अवसर पर सहायक ग्रेड-03 मनीश्वर प्रसाद नारंगे, विद्यालय का समस्त कार्यालयीन स्टाफ, हायर सेकेंडरी स्कूल तमता के शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उनके योगदान की सराहना की।

योग सत्र

कुनकुरी के डीपाटोली प्राथमिक विद्यालय में योग सत्र आयोजित

बच्चों संग भाजपा जिलाध्यक्ष और एसडीएम ने किया योगाभ्यास

कुनकुरी/नवप्रदेश। विकास खंड कुनकुरी के प्राथमिक विद्यालय डीपाटोली में प्रत्येक शनिवार को बच्चों के बेहतर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग सत्र का आयोजन किया जाता है।

इसी तारतम्य में इस शनिवार भी विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष भरत सिंह, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), चार्टर्ड एकाउंटेंट एवं समाजसेवी बिनीत जिंदल विशेष रूप से उपस्थित रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष भरत सिंह ने कहा बच्चों को योग ड्रेस पहने हुए विभिन्न आसनों को करते हुए देखना मेरे लिए अद्भुत है, उन्होंने योग का महत्व बताते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन हेतु प्रतिदिन योग करना चाहिए, उन्होंने विद्यालय में शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली, उन्होंने विद्यालय के कक्षों, बच्चों की बैठक व्यवस्था, किचन गार्डन एवं विद्यालय परिसर का अवलोकन किया, हरियाली एवं पुष्पों से आच्छादित परिसर की एवं किचन गार्डन में लगे विभिन्न सब्जियों की सुंदरता व रखरखाव की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय का परिसर एवं किचन

गार्डन अत्यंत आकर्षक एवं अनुकरणीय है, उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा के लिए समृद्ध वातावरण का होना अति आवश्यक है तथा बच्चों को अच्छा पोषण मिले इस हेतु पोषण वाटिका का होना भी अति आवश्यक है, अंत में उन्होंने विद्यालय के विकास हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने योग सत्र के दौरान बच्चों की योग क्रियाओं, उनकी दक्षताओं और आत्मविश्वास पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने प्रधान पाठक लव कुमार गुप्ता एवं शिक्षक महेश तिर्की के प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि, आप सभी का प्रयास अत्यंत सराहनीय है। आप मिलकर बच्चों को कक्षा 4 से ही नवोदय विद्यालय की तैयारी प्रारंभ कराएं तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में अभिभावकों को भी जागरूक करें। चार्टर्ड एकाउंटेंट एवं समाज सेवी बिनीत जिंदल ने आधुनिक जीवनशैली में तनाव प्रबंधन और मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए दैनिक जीवन में योग को शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर समाजसेवी बिनीत जिंदल की ओर से विद्यालय के सभी बच्चों के लिए न्यौता भोज का विशेष आयोजन किया।

प्रणायाम, शीर्षासन समेत योग की विभिन्न मुद्राएं

कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के बच्चों ने मुख्य अतिथियों का स्वागत सुमधुर स्वागत गीत गाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर पूरे उत्साह के साथ किया। इसके पश्चात अनुभवी योग प्रशिक्षक के रूप में विद्यालय के शिक्षक महेश तिर्की के देखरेख में उपस्थित अतिथियों, विद्यालय के शिक्षकों एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों ने प्राणायाम, शीर्षासन, वृक्षासन , हलासन, भुजंगासन आदि विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया।

मुख्य सड़कें और संकरी गलियां बनीं पार्किंग स्थल, हर दिन यातायात जाम

मुंगेल/नवप्रदेश।-बढ़ती वाहनों की संख्या और उचित पार्किंग व्यवस्था के अभाव में शहर की मुख्य सड़कें और संकरी गलियाँ इन दिनों पार्किंग स्थल में तब्दील हो गई हैं।

सड़कों के किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े किए गए चार पहिया वाहनों के कारण यातायात व्यवस्था चरमरा गई है, जिससे आम लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि सड़कें पार्किंग स्थल बन गई है, वहीं अन्य देशों में चार पहिया वाहन की पार्किंग व्यवस्था न होने पर वाहन खरीदी पूरी तरह निषेध है वहीं भारत जैसे विकास शील देश में ऐसे कोई नियम नहीं है, जिससे लोग वाहन व करों की राशि का भुगतान कर आसानी से वाहन अपने घर ले आते हैं चाहे वाहन सडक पर ही क्यों न पार्क करनी पडे।

शहर के मुख्य व्यापारिक केंद्रों, बाजारों और आवासीय क्षेत्रों में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है। लोग अपने चार पहिया वाहनों को कहीं भी खड़ा कर देते हैं, जिससे पहले से ही व्यस्त सड़कें और भी संकरी हो जाती हैं। स्थिति यह है कि प्रमुख मार्गों पर जाम लगना एक दैनिक समस्या बन गई है। सिर्फ मुख्य सड़कें ही नहीं, बल्कि अब आवासीय कालोनियों की गलियों में भी यही हाल है।

सड़कों के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारों के कारण एम्बुलेंस या फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाओं का गुजरना भी दूभर हो जाता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि

वाहन मालिकों की इस लापरवाही के कारण पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। सड़कों के किनारे वाहनों की लंबी लाइनों के कारण आए दिन छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। जिम्मेदार विभाग इस ओर से आंखें मूंदे हुए है, एक स्थानीय दुकानदार ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा। नगर में पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होना इस समस्या की जड़ है। शहर के विकास के साथ वाहनों की संख्या में तो इजाफा हुआ, लेकिन उसके अनुपात में पार्किंग जोन विकसित नहीं किए गए। इसका खामियाजा सड़क पर चलने वाले राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। यातायात नियमों के अनुसार, नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करना दंडनीय अपराध है, लेकिन सख्ती के अभाव में ये नियम केवल कागजों तक ही सीमित हैं। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि मुख्य बाजारों में नो-पार्किंग जोन को सख्ती से लागू किया जाए, खाली पड़ी सरकारी जमीनों को अस्थाई पार्किंग के रूप में विकसित किया जाए, गलत तरीके से वाहन पार्क करने वालों के खिलाफ चालान की कार्यवाही हो।

न्यूज गैलरी

महानदी के रौद्र रूप के बीच भी नहीं रुकी गंगा आरती

शिवरीनारायण/नवप्रदेश। धर्म एवं अध्यात्म की पावन नगरी शिवरीनारायण धाम में लगातार हो रही बारिश के कारण महानदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी के रौद्र रूप और तेज बहाव के बावजूद मां गंगा की संध्या आरती पूरे विधि-विधान, श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुई। प्रशासन की सतर्कता के बीच भी श्रद्धालुओं की अटूट आस्था देखने को मिली।आरती के दौरान श्रद्धालुओं ने मां गंगा से क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, सुरक्षा एवं जनकल्याण की कामना की। दीपों की मनमोहक आभा और वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा घाट भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। महानदी के उफनते स्वरूप के बीच संपन्न हुई मां गंगा की आरती ने यह संदेश दिया कि विपरीत परिस्थितियों में भी श्रद्धा और विश्वास कभी कम नहीं होते। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। साथ ही लोगों से नदी के तेज बहाव से सुरक्षित दूरी बनाए रखने एवं सावधानी बरतने की अपील की गई। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि वर्षों से चली आ रही मां गंगा की संध्या आरती की परंपरा हर परिस्थिति में निरंतर जारी रहती है और यह शिवरीनारायण की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

फोन पे भुगतान विवाद में युवक पर रॉड से हमला, आरोपी को 5 साल की सजा

मुंगेली/नवप्रदेश। आरोपी राहुल राय पिता समेलाल उम्र 23 वर्ष निवासी मदकू को न्यायालय सत्र न्यायाधीश मुंगेली गिरिजा देवी मरावी ने धारा 307 भारतीय दंड विधान के आरोप में 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 के अर्थ दंड से दिनांक 31 जुलाई को दंडित किया है। अभियुक्त के ऊपर यह आरोप था कि दिनांक 16 फरवरी 2024 को ग्राम मदकू द्वीप में में प्रार्थी चंद्र प्रकाश साहू को दुकान से सामान खरीदने का पैसा फोन पे के माध्यम से नहीं देने की बात को लेकर लोहे की राड से प्रार्थी के सिर में मार दिया था जिससे उसका सिर फटकर खून निकलने लगा, इस दौरान प्रार्थी के दोस्तों के द्वारा उसका बीचबचाव कर प्रार्थी को सीएससी सरगांव ईलाज हेतु भर्ती कराया गया था इलाज के दौरान प्रार्थी चंद्रप्रकाश साहू के सिर के फ्रेंटोपरेटल भाग पर चोटें चिकित्सकीय साक्ष्य से संपुष्ट हुआ, अभियोजन द्वारा प्रकरण में गवाहों को परीक्षित कराया गया अभियोजन साथियों के गवाहों एवं उपलब्ध चिकित्सीय परीक्षण तथा दस्त भेजो के आधार पर अपराध को प्रमाणित मानते हुए राहुल राय को दो सिद्धि की गइ।

छत्तीसगढ़ अग्रवाल संगठन का राज्य सम्मेलन 19-20 सितंबर को

अंबिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन का द्वि-दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन एवं दशम अग्र अलंकरण समारोह-2026 आगामी 19 एवं 20 सितंबर को अंबिकापुर में आयोजित होगा। अग्रवाल सभा अंबिकापुर एवं सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा के संयुक्त आतिथ्य में होने वाले इस आयोजन में प्रदेशभर से 300 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इसमें विभिन्न अग्रवाल सभाओं के अध्यक्ष, महामंत्री, जिला एवं तहसील इकाइयों के पदाधिकारी, महिला एवं युवा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि तथा समाज के वरिष्ठजन शामिल होंगे। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल बांटी

शिवरीनारायण/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राहौद में सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल का वितरण किया गया ये साइकिल उन छात्राओं को किया गया, जो दूर दराज से पैदल चलकर अपने भविष्य संवारने के लिए विद्यालय पहुंचती हैं सरस्वती साइकिल योजना उन बच्चों के लिए वरदान साबित हो रही है, जो आर्थिक रूप से बहुत कमजोर हैं और पढ़ना चाहती हैं मगर आने-जाने की सुविधा न होने के कारण छात्राएं पढ़ाई नहीं कर पाती. इस योजना के तहत छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल का वितरण किया गया. इससे अब छात्राएं भी स्कूल पहुंचकर शिक्षा ग्रहण कर पाएंगीकार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिभा दीपक कश्यप ने कहा कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल का वितरण किया जा रहा है. सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना से आवागमन सुविधा के अभाव में शिक्षा से वंचित रह जाने वाली छात्राएं लाभान्वित हो रही है और नगर के आसपास क्षेत्रों की बालिकाएं भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन को संवार रही हैं.एस एम डीसी के अध्यक्ष विमल मनहर ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए आगे पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया इस अवसर पर प्राचार्य पी एल कौशिक पार्षद इंदु मनहर सीएमडीसी के सदस्य घनश्याम, लक्ष्मी प्रसाद, मनीष राजजी ,स्कूल के व्याख्यातागण एम एस राज टी एम खान एस के कश्यप सी पी साहू किरण तिर्की के के अग्रवाल निरुपमा पाईक एवं संस्था के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर की पहल रंग लाई, नेवासपुर विद्यालय में जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त

विद्यालय के निरीक्षण पर बाउंड्रीवॉल क्षतिग्रस्त मिली, मरम्मत करने दिए निर्देश

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर के निर्देश पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नेवासपुर में जलभराव एवं कीचड़ की समस्या के समाधान के लिए जिला पंचायत एवं शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक ने विद्यालय पहुंचकर समस्या का जायजा लिया और त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित कराई।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में जलभराव एवं मुख्य प्रवेश द्वार पर फैली कीचड़ की स्थिति को गंभीरता से लिया गया। इस संबंध में ग्राम पंचायत नेवासपुर के सरपंच, सचिव, पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक तथा शिक्षकों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों के निर्देश पर पंचायत के सहयोग से तत्काल जेसीबी मशीन मंगाकर पूर्व में खोदी गई नाली को पटवाया गया, जिससे पानी के निकास की व्यवस्था सुचारु हो सके। वहीं विद्यालय के मुख्य गेट पर जमा कीचड़ एवं पानी को हटाकर बारीक गिट्टी एवं मुरूम डालकर समतलीकरण कराया गया, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विद्यालय आने-जाने में होने वाली परेशानी दूर हो गई। संयुक्त निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने शासकीय प्राथमिक शाला तथा पूर्व माध्यमिक शाला का भी अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय भवन, कक्षाओं एवं पूरे परिसर की साफ-सफाई, स्वच्छता एवं सुव्यवस्थित रख-रखाव पर विशेष जोर देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि विद्यालय का वातावरण स्वच्छ, सुरक्षित एवं आकर्षक होना चाहिए ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सके। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि विद्यालय की बाउंड्री वॉल कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त है। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर उच्च कार्यालय भेजने के निर्देश दिए, ताकि बाउंड्री वॉल का निर्माण कर विद्यालय की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को पोषण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किचन गार्डन विकसित करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं मध्याह्न भोजन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए किचन शेड निर्माण हेतु मांग पत्र तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश भी अधिकारियों द्वारा दिए गए।

जलभराव से मिली राहत रास्ता हुआ आसान

जलभराव और कीचड़ की समस्या का तत्काल समाधान किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी. डाहिरे के नेतृत्व में विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संकुल प्राचार्य और संकुल समन्वयक ने विद्यालय का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ग्राम पंचायत के सहयोग से जेसीबी मशीन लगवाकर पूर्व में खोदी गई नाली को भरवाया, जिससे पानी की निकासी सुचारु हुई।

एटीआर के गांवों में मलेरिया का प्रकोप, उपचार प्रारंभ

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले के अंतर्गत अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) क्षेत्र के गांवों में मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर नियंत्रण एवं उपचार अभियान शुरू कर दिया है। मलेरिया की रोकथाम, समय पर उपचार और प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य अधिकारियों की संयुक्त टीमें प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं।

एडीएम निष्ठा पाण्डेय तिवारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गोकुल रावटे तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तिलईडबरा, बहाउड़, सारसडोल, जमुनाही, अतरियाखार एवं राजक गांवों का निरीक्षण कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं, सर्वे कार्य एवं उपचार व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी मलेरिया पीड़ित मरीजों को राहत एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, कुछ मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कर आवश्यकतानुसार उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। मरीजों की स्वास्थ्य जांच तथा उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि उन्हें शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिल सके। प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य प्रबंधन एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य टीमों एवं मितानिनों के माध्यम से घर-घर पहुंचकर बुखार से पीड़ित लोगों की पहचान की जा रही है तथा संदिग्ध मरीजों की तत्काल जांच की जा रही है।

अंजली मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित

मुंगेली/नवप्रदेश। पं. दीनदयाल उपाध्याय हिन्दी विद्यापीठ द्वारा देश की राजधानी नई दिल्ली में 26 जुलाई को राष्ट्रीय हिन्दी संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। हिन्दी को राष्ट्रभाषा की मान्यता हेतु सतत् प्रयासरत पं. दीनदयाल उपाध्याय हिन्दी विद्यापीठ, वृन्दावन धाम, मथुरा द्वारा नई दिल्ली के पांच सितारा होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्वत जनों को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर ष्विद्या वाचस्पति एवं विद्या वारिधि

सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुंगेली कोलेगांव निवासी केदार शर्मा की सुपुत्री अंजली शर्मा को योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान ,और अतुलनीय कार्य तथा विद्यापीठ के अधिकारियों के अनुशंसा पर विद्या वाचस्पति सारस्वत सम्मान जो मानद उपाधि पीएचडी समतुल्य से सम्मानित किया गया। समारोह का आयोजन रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के पूर्व कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार के मुख्य आतिथ्य, विद्यापीठ के कुलपति डॉ. इंदुभूषण मिश्र देवेन्दु की अध्यक्षता, डॉ हरिभाई आर्यन एवं डॉ. नरेंद्र सिंह तोमर के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया।

सावन का पहला सोमवार आज,मंदिरों में भीड़

मुंगेली/नवप्रदेश। हिंदू धर्म के पावन महीना सावन की शुरूआत 30 जुलाई से हो गया है, सावन का पहला सोमवार आज 03 जुलाई को है। मंदिरों में इन दिनों बोल बम के जयकारे गूंज रहे है, शिवालयों मे सावन उत्सव मनाया जा रहा है, मंदिरों मे विशेष सजावट की गयी है, मंदिर में 66वां वर्ष सावन झूला उत्सव का भी आयोजन किया गया हैं। शिव आराधना का पवित्र मास भक्तों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सावन सोमवार को भगवान शिव का आकर्षक श्रृंगार किया जाता है। इस बार सावन में 4 सोमवार पड़ेंगे। अलग-अलग सोमवार को फूलों,

बेल पत्तों, केला पत्तों से शंकर भगवान का मनमोहक श्रृंगार किया जाता है।

इसके दर्शन करने मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। शिव आराधना का महीना शुरू होने के पूर्व शिवालयों में पूजा-अर्चना की तैयारी जोर-शोर से चली। मंदिर को साफ-सफाई व रंग रोगन कर विशेष रूप से सजाया गया है। शहर के मल्हापारा स्थित शंकर मंदिर में सावन झूला उत्सव के साथ सावन सोमवार के प्रथम दिन श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही, मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए टेंट लगाया गया हैं। खर्राघाट स्थित, महामाया मंदिर, शंकर मंदिर सोनारपारा स्थित शंकर मंदिर समेत अन्य शिवालयों में श्रद्धालु भक्तों को ध्यान में रखकर तैयारियां की गई है।

लक्ष्मणेश्वर धाम में पुलिस अधीक्षक ने सहायता केंद्र का शुभारंभ किया

शिवरीनारायण/नवप्रदेश। खरौद धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी खरौद की लंबे समय से चली आ रही पुलिस चौकी की मांग आखिरकार पूरी हो गई। शिवरीनारायण थाना अंतर्गत लक्ष्मणेश्वर धाम (गुप्त तीर्थ काशी) परिसर में नवीन पुलिस सहायता केंद्र (आउट पोस्ट) का शुभारंभ किया गया। इससे नगरवासियों के साथ-साथ प्रतिदिन बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को त्वरित पुलिस सहायता मिल सकेगी कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। इसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक विजय पांडेय ने फीता काटकर पुलिस सहायता केंद्र का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय पांडेय ने कहा कि पुलिस सहायता केंद्र शुरू होने से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और मजबूत होगी।

मित्रता दिवस पर फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गए

मुंगेली/नवप्रदेश। मित्रता दिवस के अवसर पर 'स्टार्स ऑफटुमॉरो वेलफेयर सोसायटी' ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए हरियर मुंगेली-सुघ्घर मुंगेली अभियान के दसवें वर्ष के पांचवें चरण को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस दौरान संस्था द्वारा पुलिस लाईन रोड में नीम, कदम, जामुन, कटहल, गुलमोहर जैसे फलदार एवं छायादार 40 पौधों का रोपण कर उन्हें फ्रेंडशिप बेल्ट बाँधकर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया।

इस पहल के माध्यम से संस्था ने संदेश दिया कि सच्ची मित्रता केवल इंसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि वृक्ष भी हमारे सबसे निस्वार्थ और सच्चे मित्र हैं, जो बिना किसी अपेक्षा के हमें प्राणवायु, छाया, फल और स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करते हैं। इस अवसर पर संस्था के संयोजक रामपाल सिंह ने कहा कि वृक्ष केवल हमें प्राणवायु ही नहीं देते, बल्कि सम्पूर्ण जीवन चक्र को संतुलित बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्षा, जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन, मिट्टी के कटाव की रोकथाम तथा जैव विविधता के संरक्षण का आधार वृक्ष ही हैं। आज मित्रता दिवस पर यदि हम प्रकृति से सच्ची मित्रता का संकल्प लेते हुए एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का दायित्व निभाएं, तो यही इस दिवस का सबसे सार्थक संदेश होगा। संस्था के वरिष्ठ सदस्य गिरीश सुथार एवं कोमल चौबे ने भावुक अपील करते हुए कहा कि अब समय केवल प्रकृति से लेने का नहीं, बल्कि उसे लौटाने का है। प्रकृति ने हमें शुद्ध वायु, जल, अन्न और जीवन प्रदान किया है, इसलिए हमारा नैतिक कर्तव्य है कि हम उसके संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

पेज 1 का शेष...

नए आपराधिक कानूनों ने न्याय...

तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए गए हैं। इन कानूनों की मूल भावना नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की स्थापना है, जिसमें पीड़ित को शीघ्र न्याय मिले और अपराधी कानून के शिकंजे से बच न सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुराने कानून ऐसे समय में बने थे, जब डिजिटल तकनीक, सीसीटीवी, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और आधुनिक फॉरेंसिक विज्ञान का अस्तित्व नहीं था। आज अपराधों की प्रकृति बदल चुकी है और तकनीक न्याय व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बन गई है। नए कानूनों ने डिजिटल साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल चैट, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तथा वैज्ञानिक फॉरेंसिक जांच को विधिक मान्यता देकर अपराध अनुसंधान और अभियोजन को नई मजबूती प्रदान की है।

ई-समन से सूचना तत्काल व्यक्ति तक पहुंच रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की शाखा प्रारंभ होने से अपराध अनुसंधान और न्यायिक प्रक्रिया को नई दिशा मिलेगी। ई-साक्ष्य जैसी व्यवस्था इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के सुरक्षित संरक्षण और उनकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से न्याय प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और प्रभावी हुई है। पहले समन की तामील में कई दिन लग जाते थे, जबकि अब ई-समन के माध्यम से सूचना तत्काल संबंधित व्यक्ति तक पहुंच रही है और उसकी डिजिटल ट्रैकिंग भी संभव हो गई है। न्याय श्रुति जैसी व्यवस्था न्यायालयीन कार्यवाही के सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने के साथ-साथ ऑनलाइन एवं हाइब्रिड सुनवाई को भी अधिक सक्षम बना रही है।

ईरान पर हमला फिलहाल...

की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी।

डांगी का मामला हाईकोर्ट...

संपत्तियों की जांच करने और आरोपी आईपीएस अधिकारी को निलंबित व बर्खास्त करने की मांग की है।

जूनियर अफसर की नियुक्ति पर सवाल

तत्कालीन डीआईजी मिलना कुर्रे की जांच भूमिका पर भी आपत्ति जताते हुए कहा गया कि वे आईपीएस डांगी से एक रैंक नीचे (जूनियर) थीं, इसलिए उन्हें जांच का अधिकार नहीं होना चाहिए था।

निलंबन न किए जाने पर प्रशासनिक सवाल

गंभीर आरोपों के बावजूद राज्य सरकार द्वारा आईपीएस रतनलाल डांगी को सेवा से निलंबित नहीं किए जाने पर भी न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की गई है।

अवैध संपत्तियों की जांच और बर्खास्तगी की मांग

याचिका में मांग की गई है कि आईपीएस डांगी की छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कथित रूप से बनाई गई अचल संपत्तियों की गहन जांच कराई जाए और आरोप सिद्ध होने पर उन्हें तत्काल सेवा से बर्खास्त किया जाए।

बारिश से जर्जर-पुल दो...

अगले 2 दिनों में प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं एक-दो जगहों पर तेज बारिश के साथ गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है।

भारत का 'गोल्डन पंच', एक...

38 सिल्वर और 50 ब्रॉन्ज समेत कुल 149 मेडल हैं। इंग्लैंड 25 गोल्ड, 40 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज के साथ कुल 99 मेडल लेकर दूसरे स्थान पर है, जबकि कनाडा 18 गोल्ड समेत कुल 57 मेडल के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है।

स्कॉटलैंड पांचवें स्थान पर खिसका: भारत की शानदार छलांग का असर मेजबान स्कॉटलैंड की रैंकिंग पर भी पड़ा है। 12 गोल्ड, 8 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज समेत कुल 37 मेडल के साथ स्कॉटलैंड पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। नाइजीरिया 10 गोल्ड समेत कुल 21 मेडल के साथ छठे, वेल्स 8 गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज समेत 30 मेडल के साथ सातवें स्थान पर है। न्यूजीलैंड 8 गोल्ड के साथ कुल 27 मेडल लेकर आठवें स्थान पर मौजूद है।

एसटीएफ के शिकंजे में जैश...

यह भी सामने आया कि संदिग्ध को पश्चिम बंगाल के एक प्रमुख राजनीतिक नेता की गतिविधियों पर नजर रखने का काम भी सौंपा गया था। एजेंसी इस पूरे नेटवर्क और इसके संभावित उद्देश्यों की गहन जांच कर रही है।

गर्लफ्रेंड भी जांच के दायरे में

मामले में हमीम मंडल की महिला मित्र अर्पिता सरकार को भी झारखंड से गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ का आरोप है कि वह कथित तौर पर संदिग्ध मॉड्यूल की गतिविधियों में सहयोग कर रही थी। शुरुआती जांच में दोनों के बीच हुई डिजिटल बातचीत और सोशल मीडिया गतिविधियों से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं।

न्यूज गैलरी

दुर्ग में अत्याधुनिक स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का होगा शुभारंभ

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी 3 को करेंगे नवीन स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का उद्घाटन

दुर्ग/नवप्रदेश। प्रदेश में पंजीयन सेवाओं को अधिक अत्याधुनिक, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 3 अगस्त को दुर्ग में अत्याधुनिक स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव करेंगे। जबकि वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। जिला पंजीयक प्रियंका श्रीरंगे से मिली जानकारी अनुसार स्मार्ट पंजीयन कार्यालय के शुभारंभ के साथ दुर्ग संभाग के नागरिकों को तकनीक आधारित, त्वरित एवं पारदर्शी पंजीयन सेवाओं का लाभ मिलेगा। कार्यालय में संपूर्ण पंजीयन प्रक्रिया डिजिटल होगी, जिसके अंतर्गत ई-अपॉइंटमेंट, डिजिटल फोटोग्राफी, डिजिटल हस्ताक्षर, बायोमेट्रिक सत्यापन, उच्च गुणवत्ता की दस्तावेज़ स्कैनिंग तथा सुरक्षित डिजिटल अभिलेखीकरण जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। पंजीकृत दस्तावेज़ों की प्रमाणित प्रति सीधे व्हाट्?सएप पर प्राप्त होगी तथा स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन शुल्क का भुगतान यूपीआई, नेट बैंकिंग अथवा कार्ड के माध्यम से कैशलेस तरीके से किया जा सकेगा।

नशामुक्त युवा अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम आज

दुर्ग/नवप्रदेश। भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माई भारत के संयुक्त तत्वावधान में 2 अगस्त 2026 को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ किया जाना प्रस्तावित है। इस अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन रूंगटा डेंटल कॉलेज, सुपेला भिलाई में पूर्वाह्न 10 बजे से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा उपसंचालक, समाज कल्याण विभाग को संयुक्त रूप से नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्था हेतु विभिन्न अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है।

विभागीय परीक्षा 3 से 10 तक आयोजित, बीआईटी को बनाया गया परीक्षा केंद्र

दुर्ग/नवप्रदेश। गृह-सी विभाग (विभागीय परीक्षा प्रकोष्ठ) मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार विभागीय परीक्षा का आयोजन 3 अगस्त से 10 अगस्त तक किया जाएगा। विभागीय परीक्षा के लिए भिलाई प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) दुर्ग को परीक्षा केंद्र नामांकित किया गया है। आयुक्त दुर्ग संभाग द्वारा विभागीय परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिए परीक्षा अवधि के दौरान आवश्यकतानुसार चार कक्ष आरक्षित रखने और परीक्षार्थियों के बैठने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं करने कहा गया है।

बीएसपी कर्मियों के मेधावी बच्चों को शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार योजना से मिलेगा सम्मान

भिलाई/नवप्रदेश। भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए संयंत्र कर्मियों के मेधावी बच्चों को मेधावी सम्मान पुरस्कार योजना के अंतर्गत सम्मानित किए जाने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य कर्मियों के प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहित करना तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। यह योजना बीएसपी के नियमित एवं सेवारत कर्मियों के प्रत्यक्ष आश्रित बच्चों के लिए लागू है। इसके अंतर्गत बीएसपी तथा गैर-बीएसपी विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 8वीं, 10 वीं एवं 12 वीं के विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया जाएगा। योजना के अंतर्गत कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए श्रेणी-1 में सीबीएसई बोर्ड में न्यूनतम 90 प्रतिशत तथा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल एवं अन्य बोर्डों में न्यूनतम 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सीबीएसई, छत्तीसगढ़ बोर्ड तथा अन्य बोर्डों के विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 20 हजार की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। श्रेणी-2 के अंतर्गत कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेरिट पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रथम से पाँचवें स्थान तक के विद्यार्थियों को 12 हजार, 10 हजार, 8 हजार, 6 हजार एवं 5 हजार एवं छठे से दसवें स्थान तक के विद्यार्थियों को 4 हजार प्रति विद्यार्थी प्रदान किए जाएंगे। श्रेणी-3 में सीनियर सेकंडरी स्कूल-10 में कक्षा नौवीं में प्रवेश के लिए आयोजित टेन क्वेस्ट टेस्ट (टीक्यूटी) के आधार पर पुरस्कार दिए जाएंगे। कक्षा आठवीं में अध्ययनरत बीएसपी एवं गैर-बीएसपी विद्यालयों के कर्मियों के आश्रित इस श्रेणी के लिए पात्र होंगे। प्रथम से पाँचवें स्थान तक के विद्यार्थियों को 8 हजार से 4 हजार तक तथा छठे से दसवें स्थान तक के विद्यार्थियों को 3 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। श्रेणी-4 में कक्षा बारहवीं के विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को 15 हजार की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। श्रेणी-5 में कक्षा दसवीं के प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को क्रमशः 10 हजार एवं 8 हजार तथा श्रेणी-6 में टीक्यूटी के प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को 7 एवं 6 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

बिजली बिल वृद्धि के विरोध में कांग्रेस का दो माह का आंदोलन शुरू

- **3 को दुर्ग बिजली ऑफिस का घेराव**
- **स्मार्ट मीटर की आड़ में राज्य सरकार महतारी वंदन योजना की वसूल रही है राशि : कांग्रेस**

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में बिजली बिलों में बढ़ोतरी और स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस ने शनिवार से दो माह लंबे जनआंदोलन की शुरुआत कर दी है। आंदोलन के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर बिजली उपभोक्ताओं से संपर्क करेंगे तथा स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगाने की मांग को लेकर फॉर्म भरवाएंगे। आंदोलन के तहत 3 अगस्त को दुर्ग स्थित बिजली ऑफिस का घेराव किया जाएगा। राजीव भवन दुर्ग में आयोजित संयुक्त पत्रकारवार्ता में दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश ठाकुर और दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने आंदोलन की रूपरेखा की जानकारी दी। दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने बताया कि अभियान के दौरान उपभोक्ताओं से निर्धारित प्रपत्र भरवाए जाएंगे। आंदोलन के अंतिम चरण में इन प्रपत्रों को जिला कलेक्टर को सौंपते हुए कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा। उन्होने आरोप लगाया कि प्रदेश में पर्याप्त बिजली उत्पादन होने के बावजूद उपभोक्ताओं को अत्यधिक बिजली बिल मिल रहे हैं, जिसका प्रमुख कारण स्मार्ट मीटर हैं। उनका कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद कई उपभोक्ताओं के बिजली बिल पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गए हैं, जिससे आम जनता आर्थिक रूप से प्रभावित हो रही है।

जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने राज्य सरकार से बिजली दरों में कमी करने, स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर पुनः लगाने तथा पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार के समय संचालित 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना को फिर से लागू करने की मांग की। राकेश ठाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बिजली वितरण व्यवस्था के निजीकरण की दिशा में काम कर रही है और इसी उद्देश्य से स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।

दुर्ग जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरप्लस बिजली उत्पादक राज्य होने के बावजूद उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि बिजली बिलों में बढ़ोतरी और स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों के विरोध में कांग्रेस आगामी दो माह तक चरणबद्ध आंदोलन चलाकर जनता की आवाज बुलंद करेगी। इस दौरान दुर्ग प्रभारी महामंत्री रायसिंह ढिकोला, मध्य ब्लॉक अध्यक्ष अलताफ अहमद, आनंद कपूर ताम्रकार, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, नासिर खोखर, पालेश्वर ठाकुर, पार्षद मनीष बघेल, प्रकाश शिवणकर, राजू भाटिया, सुमीत घोष, संजय सिंह, पोषण साहू सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीयू कुलपति के खिलाफ राज्यपाल ने दिए जांच के आदेश, 4 सदस्यीय जांच समिति गठित

- **वीके गोयल होंगे अध्यक्ष, कुलपति के आर्थिक अनियमितताओं की होगी जांच**

दुर्ग/नवप्रदेश। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. संजय तिवारी के खिलाफ वित्तीय, प्रशासनिक और शैक्षणिक अनियमितताओं की शिकायतों की जांच अब उच्च स्तरीय समिति करेगी। राज्यपाल और कुलाधिपति रमन डेका ने 4 सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया है।

समिति की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल करेंगे। समिति को 30 दिन के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की शिकायत के बाद हुई है। विधायक ने 28 मई को राज्यपाल को पत्र लिखकर कुलपति के खिलाफ6 अलग-अलग मामलों में जांच कराने की मांग की थी। इससे पहले 14 मार्च को कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने अगली परीक्षाओं के लिए उत्तरपुस्तिकाओं की खरीदी को लेकर एक पत्र जारी किया था।

इसमें उन्होंने पिछली बार खराब गुणवत्ता के कागज के कारण हुई परेशानियों का जिक्र करते हुए एम/एस श्रीराम प्रिंटर्स पर नियमों और प्रक्रिया के तहत विचार करने की अनुशंसा की थी। विधायक देवेंद्र ने इसे नियम विरुद्ध और मनमानी बताते हुए इसकी शिकायत राज्यपाल से की थी। राजभवन की ओर से जारी आदेश के अनुसार जांच समिति के अध्यक्ष छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल होंगे। समिति में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, उप सचिव निधि साहू सदस्य बनाए गए हैं, जबकि अवर सचिव अनुभव शर्मा को संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। समिति को 30 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपनी होगी।

देवेंद्र बोले-जल्द जांच हो और कार्रवाई हो

विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि हेमचंद यादव विवि कुलपति डॉ. संजय तिवारी के खिलाफ वित्तीय, प्रशासनिक और शैक्षणिक अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जांच बिना किसी दबाव के हो और जो भी तथ्य सामने आएं, उनके आधार पर कार्रवाई की जाए। देवेंद्र ने कहा कि विवि को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। कई मामलों में नियमों की अनदेखी कर फैसले लिए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों के भविष्य और विश्वविद्यालय की साख पर असर पड़ा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि छात्रहित में राज्यपाल इस मामले में जल्द उचित निर्णय लेंगे।

मां-बेटे ने मिलकर की चेन स्नेचिंग

भिलाई/नवप्रदेश। मॉर्निंग वॉक के दौरान 70 साल की बुजुर्ग महिला से चेन लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस वारदात को किसी गैंग ने नहीं, बल्कि रिश्ते में मां-बेटे ने अंजाम दिया था। दोनों ने पहले बुजुर्ग महिला को बातों में उलझाया, फिर गले से करीब ढाई लाख रुपए की सोने की चेन झपटकर बाइक से फरार हो गए। पुलिस ने तकनीकी जांच और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया है। उनसे चेन और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक की बरामदगी की जा रही है। घटना 31 जुलाई की सुबह करीब 6:10 बजे की है। सेक्टर-1 सड़क नंबर-2 में रहने वाली उमा देवी रोज की तरह घर से कुछ दूर मॉर्निंग वॉक कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार महिला और युवक उनके पास पहुंचे। बाइक से उतरी महिला ने उमा देवी से कहा कि, लकड़ी की मदद से फूल तोड़ दीजिए। बुजुर्ग महिला जैसे ही उसकी बात में उलझीं, महिला ने उनके गले से करीब 20 ग्राम वजनी सोने की चेन झपट ली। चेन की कीमत करीब 2 लाख 50 हजार रुपए बताई गई है। वारदात के बाद दोनों आरोपी बाइक से मौके से भाग निकले।

मैत्री कॉलेज में विशेषज्ञ चिकित्सक ने दिए स्वस्थ जीवन के महत्वपूर्ण मंत्र

भिलाई। भिलाई मैत्री कॉलेज, रिसाली में छात्राओं एवं महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का प्रभावी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर महिला स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवं बांझपन विशेषज्ञ डॉ. संगीता सिन्हा ने मासिक धर्म स्वच्छता, प्रजनन स्वास्थ्य, एनीमिया की रोकथाम, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए तथा किसी भी स्वास्थ्य समस्या को अनदेखा नहीं करना चाहिए। उन्होंने छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए स्वास्थ्य संबंधी अनेक भ्रांतियों को भी दूर किया।

डॉ. सिन्हा ने कहा कि स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला होती है। उन्होंने छात्राओं से स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने तथा नियमित स्वास्थ्य जांच कराने का आग्रह किया।

कॉलेज प्रबंधन सदस्य डॉ. बीना सजीव एवं प्राचार्या डॉ. सुरेखा विनोद पाटिल ने कार्यक्रम प्रभारी डॉ. प्रभा आर. कुरूप तथा आयोजन में सहयोग देने वाले समस्त प्राध्यापकगण की सराहना की। एमईसीए अध्यक्षा राजम सुधाकरन, प्रबंधकगण डॉ.सजीता थम्बी, एस. सजीव, एस. साजन एवं प्रबंधन सदस्य निशि साजन ने कार्यक्रम की सराहना की।

केंद्रीय जेल के निरीक्षण में पहुंचे कलेक्टर उपजेल अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज केन्द्रीय जेल दुर्ग का आकस्मिक निरीक्षण किया। जेल परिसर भ्रमण के दौरान उन्होंने कल्याण शाखा, उद्योग शाखा, जेल अस्पताल, कम्प्यूटर प्रशिक्षण/एल.ई.डी. बल्ब उद्योग, नव निर्मित बैरक एवं अस्पताल भवन, पाकशाला, नवीन जेल, प्रिजनर कॉलिंग, एम.सी.यू. कक्ष, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, मुलाकात कक्ष, निर्वाह शाखा, विधि शाखा, वारंट शाखा, लेखा शाखा, सीसी टी.वी. कक्ष तथा महिला प्रकोष्ठ का बारीकी से अवलोकन किया। वारंट शाखा में विचाराधीन एवं कैदी वारंटों का जायजा लेते हुए उन्होंने विचाराधीन प्रकरणों में सुनवाई हेतु बंदियों की अधिक से अधिक पेशी वर्चुअल माध्यम से कराए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने पीड़ित पक्ष की लंबित राशि के भुगतान संबंधी जानकारी शीघ्र प्राप्त कर समिति में प्रस्तुत करने तथा भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं बंदियों द्वारा निर्मित बैरक को लोक निर्माण विभाग से समन्वय स्थापित कर शीघ्र हैंडओवर करने के निर्देश भी दिए। जेल अधीक्षक मनीष संभाकर ने बताया कि बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों को विभिन्न जेलों, न्यायालयों सहित अन्य विभागों को उनकी मांग के आधार पर निर्धारित दर पर उपलब्ध कराया जाता है। इस पर कलेक्टर ने बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों की अधिकाधिक बिक्री सुनिश्चित करने हेतु अधीक्षक को आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान उप जेल अधीक्षक (उद्योग) अशोक कन्नौजिया निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं मिले, जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बीएसपी लोहा चोरी मामला : कारोबारी मुदलियार गिरफ्तार

भिलाई/नवप्रदेश। भिलाई स्टील प्लांट में लोहा चोरी के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने शनिवार को एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए रसूखदार कारोबारी भास्कर मुदलियार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के दौरान भास्कर मुदलियार की भूमिका सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक वैशाली नगर निवासी भास्कर मुदलियार की गाड़ियां लंबे समय से भिलाई स्टील प्लांट के भीतर संचालित होती थीं। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर उसकी संलिप्तता स्पष्ट होने पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इसके बाद शनिवार को उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में अब तक कुल 17 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि लोहा चोरी के पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच की जा रही है। जांच में लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं, जिसके आधार पर आगे भी अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। जांच अधिकारियों के अनुसार, यह सिर्फ लोहा चोरी का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे काम कर रहे पूरे नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है। इसी वजह से पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और मामले से जुड़े लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पुलिस विभाग का कहना है कि जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में इस मामले में कुछ और अहम खुलासे हो सकते हैं। यदि जांच में अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। भिलाई स्टील प्लांट में लोहा चोरी का यह मामला पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में है। अब रसूखदार कारोबारी भास्कर मुदलियार की गिरफ्तारी के बाद इस पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। पूरे गिरोह का पर्दाफाश होने तक कार्रवाई जारी रहेगी।

दुर्ग विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

दुर्ग/नवप्रदेश। हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों में शीघ्र ही स्नातकोत्तर कक्षाओं का संचालन प्रारंभ होने जा रहा है। इस संबंध में आवश्यक प्रशासनिक एवं शैक्षणिक प्रक्रियाएँ पूर्ण कर ली गई हैं। विवि में भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, प्राणीशास्त्र एवं वनस्पति विज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाएँ प्रारंभ किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रवेश प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। मेरिट सूची में स्थान प्राप्त अभ्यर्थी निर्धारित समयावधि में आवश्यक मूल दस्तावेजों एवं उनकी स्वप्रमाणित प्रतियों के साथ विवि में उपस्थित होकर प्रवेश की औपचारिकताएँ पूर्ण कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं मेरिट सूची विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। विवि प्रशासन ने सभी चयनित अभ्यर्थियों से समय-सीमा के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने का आग्रह किया है ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र का नियमित संचालन प्रारंभ किया जा सके।

नागरिकों ने किया अभिनंदन : बिना भेदभाव के हो रहा रिसाली में विकास: विधायक ललित

1.97 करोड़ के विकास कार्यों का विधायक व महापौर ने किया भूमिपूजन

रिसाली/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड क्र. 22 मैत्रीकुंज, 23 प्रगतिनगर रिसाली, 24 आजाद मार्केट, 25 आशीष नगर में विकास कार्य आरंभ कराने विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा पहुंची। उन्होंने 01 करोड़ 97 लाख 08 हजार का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि रिसाली निगम क्षेत्र में बिना भेद भाव के कार्य स्वीकृत कराया गया और वें कार्य आरंभ कराने प्रत्येक वार्ड तक पहुंच रहे है।

उन्होंने कहा कि रिसाली में एक नई सोच और नया दिशा की कल्पना करके वें प्रत्येक वार्ड तक पहुंच रहे है। भूमिपूजन कार्यक्रम की शुरूआत पुरैना से शुरू कर शनिवार को चार पॉश कॉलोनी तक पहुंचे है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी है। वे पार्षद से लेकर महापौर, विधायक व सांसद के रूप में प्रतिनिधि चुनते है। यही प्रतिनिधि विकास कार्य के लिए एक महज माध्यम बनते है। क्षेत्र में जितने भी विकास कार्य हो रहे है वो आमजनों की मांग रहती है। यही कारण है कि आज भूमिपूजन के अवसर पर सारे विकास कार्य जनता को समर्पित कर रहे है। महापौर सिन्हा ने कहा कि विधायक विकास कार्य करा रहे है। उन्हें रिसाली निगम बधाई देता है। उन्होंने आग्रह किया कि छुटे हुए कार्य को भी शासन स्तर पर जल्द स्वीकृत कराएं। कार्यक्रम को निगम के नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर महापौर परिषद के सद्स्य जहीर अब्बास, पार्षद रमा साहू, मनीष यादव, धर्मेन्द्र भगत, शीला नारखेड़, माया यादव, गजेन्द्र कोठारी, ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन, सीमा साहू, सविता ढवस समेत मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू व राजू जंघेल आदि उपस्थित थे।

वार्ड 25 आशीष नगर के सड़क 15 ए में नागरिकों ने विधायक व महापौर का अभिनंदन किया। नागरिकों ने 21 किलो वजनी गेंदे की माला पहना कर शाल भेंट की।

यहां होंगे विकास कार्य

वार्ड 22 मैत्रीकुंज में पॉथवे निर्माण, नाली निर्माण, सड़क चैड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए विधायक व महापौर ने 53.58 लाख का भूमिपूजन किया। इसी तरह वार्ड 23 प्रगतिनगर में 60.44 लाख, वार्ड 24 में 32.77 लाख तथा वार्ड 25 में 50.29 लाख का भूमिपूजन किया गया। वहीं 1.65 करोड़ से वार्ड क्र. 32 नेवई भाठा में नाली, सीसी रोड व सौंदर्यीकरण के तीन कार्यों के लिए कुल 19.48 लाख शासन ने स्वीकृत की है। इसी तरह वार्ड 33 नेवई बस्ती पूर्व में 45.48 लाख की राशि से कुल दस कार्य, वार्ड 34 नेवई बस्ती पश्चिम में 29.45 लाख से चार कार्य और वार्ड 21 सूर्या नगर में 71.53 लाख की राशि से कुल सात विकास कार्य होंगे।

डॉ. सीमा के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर समारोह

नंदिनी अहिवारा/ नवप्रदेश। शासकीय नागरिक कल्याण महाविद्यालय नंदिनीनगर अहिवारा के सभा कक्ष में आदरणीया प्राचार्य डॉ. सीमा गुप्ता के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मान एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एके गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अभिषेक सिंह अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण समारोह में सम्मिलित हुए।

समारोह के दौरान महाविद्यालय परिवार के सदस्यों ने डॉ. सीमा गुप्ता के सफल एवं प्रेरणादायी कार्यकाल, उनके कुशल नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता तथा महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास में दिए गए अमूल्य योगदान का स्मरण करते हुए अपने अनुभव साझा किए। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं यशस्वी भावी जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

इस अवसर पर डॉ. सीमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा महाविद्यालय परिवार की गरिमामयी उपस्थिति में प्राचार्य पद का कार्यभार श्रीमान राजुलाल कोसरे, सहायक प्राध्यापक, प्राणिशास्त्र, को विधिवत हस्तांतरित किया। समारोह के अंत में डॉ. सीमा गुप्ता को स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सौहार्दपूर्ण एवं भावनात्मक वातावरण में सम्पन्न हुआ।

हरिद्वार में योग शिक्षक प्रशिक्षण पूरा कर लौटीं जगदलपुर की 23 योग साधिकाएं

■ **सेवा और स्वदेशी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प**

जगदलपुर/नवप्रदेश। महिला पतंजलि योग समिति, बस्तर (जगदलपुर) की 23 साधिकाओं ने पतंजलि योगपीठ,हरिद्वार में आयोजित पांच दिवसीय मुख्य योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को योगाभ्यास,प्राणायाम,आयुर्वेद,स्वदेशी दर्शन,यज्ञ-अनुष्ठान,आध्यात्मिक मार्गदर्शन एवं संगठन विस्तार सहित विभिन्न विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में पूज्य स्वामी जी महाराज, आचार्य जी एवं मुख्य केंद्रीय प्रभारी साध्वी दीदी मां के सान्निध्य में साधिकाओं ने योग और सेवा के मूल्यों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण पूर्ण कर लौटीं सभी साधिकाओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित योग कक्षाओं का विस्तार करने,अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने,योग शिविर आयोजित करने, आजीवन सदस्यता अभियान को गति देने तथा पतंजलि के सेवा,संस्कार और स्वदेशी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। मान कोर्राम के नेतृत्व में मिला प्रशिक्षण

प्रशिक्षण दल का नेतृत्व महिला पतंजलि योग समिति, छत्तीसगढ़ की राज्य कार्यकारिणी सदस्य मान कोर्राम ने किया। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभा तिवारी, शकून साहू, रमुला मांडवी, सावित्री पांडे, माधुरी मित्रा, शुक्ला दास, हेमा शर्मा, गायत्री बड़कस, रेखा परमार, भारती साहू, नीलम शांडिल्य, लिलिमा साहा, पॉली साहा, लक्ष्मी मंडल, मीना नेताम, मुन्नी सिंह, बबीता पांडे, संगीता जैन, राधा ठाकुर, गीता नेगी, रेखा ध्रुव एवं मीनाक्षी गांधी सहित 23 साधिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन,अनुशासन और सेवा-भाव के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए समिति ने विश्वास जताया कि यह प्रशिक्षण बस्तर अंचल में योग के प्रचार-प्रसार और समाजसेवा की गतिविधियों को नई गति देगा।

23 साधिकाओं ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया

हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में पांच दिवसीय मुख्य योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में जगदलपुर की 23 साधिकाओं ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने योग,1आयुर्वेद, स्वदेशी और संगठन विस्तार का प्रशिक्षण लेकर बस्तर में योग गतिविधियों को व्यापक बनाने का संकल्प लिया।

छत्तीसगढ़ शासकीय वाहन चालक एवं यांत्रिक कर्मचारी संघ का निर्वाचन संपन्न

मोतीलाल वर्मा बस्तर संभागीय अध्यक्ष निर्वाचित

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासकीय वाहन चालक एवं यांत्रिक कर्मचारी संघ, बस्तर जिला इकाई के निर्वाचन का आयोजन रविवार को कर्मचारी भवन,कलेक्ट्रेट रोड स्थित छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ कार्यालय में संपन्न हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शांतिपूर्ण एवं सर्वसम्मति के वातावरण में आयोजित की गई। निर्वाचन में संघ के प्रदेश अध्यक्ष मनीष ठाकुर, ईस्ट जोन अध्यक्ष आर.के. नायर, शशिकांत सहित बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से आए वाहन चालक संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों की सहमति से मोतीलाल वर्मा को छत्तीसगढ़ शासकीय वाहन चालक एवं यांत्रिक कर्मचारी संघ का बस्तर संभागीय अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

सर्वसम्मति से हुआ निर्वाचन, पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं : निर्वाचन कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष संजय चौहान ने किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष जी.एल. यादव, जिला कोषाध्यक्ष राम प्रभाकर मिश्रा, विकासखंड कोषाध्यक्ष निराकार आचार्य सहित बस्तर संभाग के सभी जिलों से आए वाहन चालक उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोतीलाल वर्मा को पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की अपेक्षा व्यक्त की।

संगठन को मजबूत बनाने पर रहेगा जोर : निर्वाचन के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन की एकजुटता बनाए रखने,कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय प्रयास करने तथा वाहन चालकों के हितों की रक्षा के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। नवनिर्वाचित संभागीय अध्यक्ष मोतीलाल वर्मा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती और कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का भरोसा दिलाया।

कन्या शिक्षा परिसर परचनपाल के व्याख्याता डॉ समीर मिश्रा का सम्मान

जगदलपुर/नवप्रदेश। कन्या शिक्षा परिसर परचनपाल में शाला विकास समिति एवं स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति (एसएमडीसी) के गठन के लिए आयोजित बैठक में विद्यालय के व्याख्याता डॉ. समीर मिश्रा का पालकों ने सम्मान किया। हाल ही में उन्हें वर्ल्ड कल्चरल एंड एनवायरमेंट प्रोटेक्शन कमीशन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में ÷डॉक्टरेट इन एजुकेशन÷ की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। बैठक में पालकों ने इस उपलब्धि को विद्यालय और पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताते हुए डॉ. मिश्रा को शुभकामनाएं दीं। सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। प्राचार्य एआर नोन्हारे ने कहा कि डॉ. समीर मिश्रा की यह उपलब्धि केवल विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा जगत के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि निरंतर अध्ययन और ज्ञानार्जन की ललक के कारण डॉ मिश्रा ने अपनी अलग पहचान बनाई है। डॉ. समीर मिश्रा पिछले 32 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वर्ष 1993 में सरस्वती शिशु मंदिर से अध्यापन कार्य प्रारंभ करने वाले डॉ. मिश्रा के मार्गदर्शन में पढ़े अनेक विद्यार्थी आज विभिन्न विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। उन्होंने बीकॉम के साथ समाजशास्त्र, लोक प्रशासन, संस्कृत, भूगोल, राजनीति विज्ञान, इतिहास और ग्रामीण विकास में स्नातकोत्तर उपाधियां प्राप्त की हैं। इसके अलावा बीपीएड, बीएड, पत्रकारिता एवं जनसंचार स्नातक (बीजेएमसी), मानवाधिकार में डिप्लोमा तथा योग में स्नातकोत्तर उपाधि भी अर्जित की है। शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। बैठक में उपस्थित पालकों,विद्यालय परिवार,छात्राओं एवं समस्त स्टाफने डॉ समीर मिश्रा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महावीर नगर गेट के पास चाकू लहराकर लोगों को धमकाने वाला युवक गिरफ्तार

जगदलपुर/नवप्रदेश। कोतवाली थाना पुलिस ने महावीर नगर गेट, धरमपुरा क्षेत्र में धारदार चाकू लहराकर आम लोगों को डराने-धमकाने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बटनदार धारदार चाकू बरामद कर उसे जब्त कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार महावीर नगर गेट के पास एक युवक द्वारा चाकू लहराकर राहगीरों को भयभीत करने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मौके से मेटगुड़ा, जवाहर नगर वार्ड-24 निवासी 23 वर्षीय आनंद नाग उर्फआदर्श नाग को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक बटनदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ एवं जांच के बाद आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार धोत्रे के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी निरीक्षक लीलाधर राठौर ने किया। पुलिस ने बताया कि शहर में असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

राज्य के पेंशनरों के लिये भी प्रस्ताव सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम अनुसार दिया है : राजेश चटर्जी

राज्य के शासकीय सेवकों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना का ड्राफ्ट तैयार : चटर्जी

केशकाल/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य में शासकीय सेवक और उसके परिवार को अब साधारण अथवा गंभीर बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ सरकार के कैशलेस चिकित्सा योजना लागू करने के निर्णय से शासकीय सेवकों का सपना साकार होने जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के मुख्य बजट में बाकायदा 100 करोड़ रुपयों का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन कोंडागांव के जिला अध्यक्ष लोकेश गायकवाड़

ने बताया कि छत्तीसगढ़ के तकरीबन 5 लाख कर्मचारी और उनके आश्रित परिवारजनों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना के कार्ययोजना को अंतिम रूप देने मंत्रालय में श्री अमित कटारिया सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के अध्यक्षता में आयोजित अति-महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष को आमंत्रित किया गया था। प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी ने भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना महानिदेशालय के.स्वा.यो. भवन,दिल्ली के कार्यालय ज्ञापन दिनांक 03/10/2025 की कॉपी सौंपकर स्वास्थ्य सचिव को जानकारी दिया कि केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना की पैकेज दर के अनुसार केंद्रीय सरकार के पेंशनर्स एवं अन्य विशिष्ट वर्ग के लाभार्थियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। जोकि 13/10/2025 से प्रभावशील है। अतः छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनर्स एवं अन्य विशिष्ट वर्ग के लाभार्थियों को CGHS की पैकेज दर पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर विचार करने का प्रस्ताव दिया है।

उन्होंने बताया कि कैशलेस चिकित्सा योजना लागू हो जाने से छत्तीसगढ़ राज्य में शासकीय सेवक और उसके परिवार को अब साधारण अथवा गंभीर बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ सरकार के कैशलेस चिकित्सा योजना लागू करने के निर्णय से शासकीय सेवक का सपना साकार होने जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के मुख्य बजट में बाकायदा 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य के अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिये कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रस्ताव छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष द्वारा राज्य सरकार को दिया गया था।प्रस्तुत प्रस्ताव के सुझावों को कैशलेस चिकित्सा योजना में शामिल किया गया है। उन्होंने शासकीय सेवक को वर्तमान उपलब्ध चिकित्सा सुविधा एवं कैशलेस चिकित्सा सुविधा की विस्तृत जानकारी दिया है। पहले कर्मचारी/परिजनों के इलाज का खर्चा कर्मचारी प्रारंभ में स्वयं व्यय करता था।तत्पश्चात चिकित्सा में हुए व्यय का बिल जमा करने के बाद शासन से प्रतिपूर्ति प्राप्त करता था। जोकि अत्यंत जटिल प्रक्रिया से गुजरने वाला था। लेकिन अब कैशलेस चिकित्सा योजना में कर्मचारी को बहुत बड़ा राहत मिलेगा।अब कर्मचारी को ई-कार्ड मिलेगा जिसके तत्काल ऑनलाइन वेरिफिकेशन से आवश्यक चिकित्सा सुविधा बिना एडवांस राशि जमा किये प्रारंभ हो जायेगा। जोकि बहुत बड़ा राहत है। पुराने प्रक्रिया में रेफर का प्रावधान था।लेकिन अब रेफर के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है। पहले प्रारंभ से अंतिम तक इलाज का सम्पूर्ण व्यय का भुगतान कर्मचारी खुद वहन करता था।लेकिन अब नए योजना में प्रारंभ से अंतिम तक इलाज का सम्पूर्ण व्यय का भुगतान राज्य शासन द्वारा ऑनलाइन के द्वारा CGHS के दर पर सीधे हॉस्पिटल को होगा। इससे बिल पास कराने के लिये कार्यालयों में चक्कर लगाने और भ्रष्टाचार से कर्मचारियों को मुक्ति मिलेगा।

रायकोट में दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रिपर की चपेट में आई स्कूटी

■ **एक युवती की मौके पर मौत, दूसरी गंभीर घायल**

जगदलपुर/नवप्रदेश। रायकोट क्षेत्र में रविवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों युवतियां स्कूटी से जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रिपर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक युवती ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान नेगीगुड़ा निवासी युवती के रूप में हुई है। दूसरी युवती गंभीर रूप से घायल हो गई,जिसे स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के बाद ट्रिपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है तथा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को दुर्घटना का संभावित कारण माना जा रहा है।

उड़ीसा से रायपुर ले जाया जा रहा था 8.37 किलो गांजा, नगरनार पुलिस ने तस्कर को दबोचा

■ **धनपुंजी फॉरेस्ट नाका में कार्रवाई,4.20 लाख रुपये का गांजा और मोबाइल जब्त**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नगरनार पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 8.375 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 4.20 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक एंड्रॉयड मोबाइल भी जब्त किया है। आरोपी उड़ीसा से गांजा लेकर रायपुर ले जाने की फिराक में था।

मुखबिर की सूचना पर धनपुंजी फॉरेस्ट नाका में दबिश: पुलिस को सूचना मिली थी कि धनपुंजी फॉरेस्ट नाका के पास एक युवक पीठ पर बैग में गांजा लेकर बस का इंतजार कर रहा है। सूचना पर नगरनार पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम प्रदीप बेपारी (26), निवासी कुरूकोंडा, जिला मलकानगिरी (उड़ीसा) बताया। बैग की तलाशी लेने पर उसमें आठ पैकेटों में कुल 8.375 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

उड़ीसा-छत्तीसगढ़ सीमा पर पुलिस की कड़ी निगरानी

पुलिस अधीक्षक (बस्तर) शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन, थाना प्रभार सतोष सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई में उपनिरीक्षक सतीश यदुराज, सहायक उपनिरीक्षक सतप्रधान आरक्षक तुलसी दास, आरक्षक बलराम कश्यप, चंद्रकुमार कंवर तथा वाहन चालक अविनाश मांझी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संतोषी वार्ड में गाय के साथ दुष्कर्म का आरोप, युवक गिरफ्तार

जगदलपुर/नव प्रदेश। शहर के संतोषी वार्ड में गाय के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद बोधघाट पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जय दास को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार,घटना की जानकारी मिलने पर गौ रक्षा दल के सदस्यों ने बोधघाट थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध होने का भी उल्लेख किया गया है। आरोप है कि फुटेज में आरोपी गौवंश के साथ आपत्तिजनक हरकत करता दिखाई दे रहा है।

कारगिल के रणबांकुरों को नमन

काकतीय महाविद्यालय में गूंजे देशभक्ति के जयघोष

■ **एनसीसी कैडेट्स की परेड**

■ **कैंडल मार्च और राष्ट्रगान के साथ मनाया गया कारगिल विजय दिवस**

जगदलपुर/नवप्रदेश। शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस पूरे सम्मान,उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के अमर शहीदों और मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह की शुरुआत एनसीसी कैडेट्स की आकर्षक परेड और सलामी से हुई। इसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनसीसी प्रभारी प्रो प्रीति सिंह एवं अन्य प्राध्यापकों ने कारगिल युद्ध के इतिहास, भारतीय सेना के अदम्य साहस और शौर्य का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्रसेवा,अनुशासन और देशभक्ति की भावना को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। शाम को एनसीसी कैडेट्स और विद्यार्थियों ने कैंडल मार्च निकालकर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान महाविद्यालय परिसर ÷भारत माता की जय÷ और ÷वंदे मातरम्÷ के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थिति कार्यक्रम में एनसीसी प्रभारी प्रो. प्रीति सिंह, प्रो. दुर्गेश कोटंगले,प्रो कल्पना मंडावी,प्रो फगूराम साहू, प्रो तृप्ति मंडावी, प्रो डॉली परवीन,प्रो चंद्र प्रभा कोसरे,प्रो स्वीटी ठाकुर, एनसीसी कैडेट्स एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण,बच्चों के पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर

जगदलपुर/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत आड़ावाल (हल्बा कचोरा) के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण जनपद सदस्य एवं महिला एवं बाल विकास सभापति श्रीति शर्मा ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों की उपस्थिति,पोषण,प्रारंभिक शिक्षा,स्वास्थ्य सेवाओं एवं केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों और खेलकूद में सहभागिता की जानकारी भी ली

श्रीति शर्मा ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि प्रत्येक बच्चे की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें शासन की पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने, नियमित शिक्षण गतिविधियां संचालित करने तथा प्रतिदिन खेलकूद के माध्यम से उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

किशोरियों और गर्भवती माताओं को योजनाओं का लाभ मिले

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीमार बच्चों के समय पर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ किशोरी बालिकाओं एवं गर्भवती माताओं को नियमित रूप से पोषण आहार उपलब्ध कराने और महिला एवं बाल विकास विभाग की सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर बल दिया।

जगदलपुर। श्रीति शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें, ताकि बच्चों, किशोरियों और माताओं तक शासन की सभी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंच सके।

प्रमुख बिंदुः आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और खेलकूद गतिविधियों की समीक्षा की गई। कार्यकर्ताओं को नियमित उपस्थिति,गुणवत्तापूर्ण पोषण आहार, बीमार बच्चों के समय पर उपचार तथा किशोरियों एवं गर्भवती माताओं तक योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

‘मैं भी स्वदेशी समर्थक’ डिजिटल अभियान का तोखन ने किया शुभारंभ

स्वदेशी अपनाना आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला

बिलासपुर/नवप्रदेश। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तथा बिलासपुर के सांसद तोखन साहू तिलक नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान, आयोजित ‘मैं भी स्वदेशी समर्थक’ डिजिटल अभियान के शुभारंभ समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर साहू ने कहा कि स्वदेशी केवल वस्तुओं के

उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि, सांस्कृतिक अस्मिता एवं आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार है। उन्होंने नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने तथा स्थानीय उद्यमों को प्रोत्साहन देकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ‘आत्मनिर्भर भारत’ का संकल्प जनभागीदारी के माध्यम से साकार हो रहा है और स्वदेशी के प्रति जागरूकता इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नागरिकों ने केंद्रीय राज्य मंत्री को बताई समस्याएं

जनदर्शन में सुनीं क्षेत्रवासियों की समस्याएं इसके साथ - साथ तोखन साहू ने अपने संसदीय क्षेत्र बिलासपुर स्थित निज कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में भाग लेकर बड़ी संख्या में पहुंचे क्षेत्रवासियों से आत्मीय संवाद किया। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी समस्याओं, सुझावों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों से उन्हें अवगत कराया। सभी प्रकरणों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

न्यूज गैलरी

नशे के खिलाफ देशभर में गूंजा युवा संकल्प

एमसीबी/नवप्रदेश। नशे के खिलाफ देशव्यापी जनजागरण को नई गति देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त 2026 को नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ‘नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान’ का राष्ट्रीय शुभारंभ किया। अभियान के तहत देशभर में एक साथ आयोजित कार्यक्रमों में एक करोड़ से अधिक युवाओं ने नशे से दूर रहने और नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने की शपथ ली। यह अभियान आगामी 100 सप्ताह यानी लगभग दो वर्षों तक जन-आंदोलन के रूप में संचालित किया जाएगा। राष्ट्रीय शुभारंभ के अवसर पर देश के 10 हजार से अधिक स्थानों पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधि, युवा, सामाजिक एवं आध्यात्मिक संगठन तथा ‘माय भारत’ के स्वयंसेवक भी इस राष्ट्रव्यापी अभियान से जुड़े। **एमसीबी में भी हुआ जिला स्तरीय आयोजन:** इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़ स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव एवं कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मां शारदा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों एवं युवाओं ने देखा और सुना। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी, अनीता एवं माधुरी, डिप्टी कलेक्टर इंदिरा मिश्रा, एसडीएम लिंगराज सिदार, एसडीओ एलक्सियूस टोप्पो, प्राचार्य रामाश्रम शर्मा, संजीव कुमार, श्रीमती अर्चना वैष्णव, जिला खेल अधिकारी विनोद जायसवाल, विनोद पाण्डेय, टी. विजय गोपाल राव, जी.पी. बुनकर एवं परमेश्वर सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक एवं युवा उपस्थित रहे।

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शिक्षकों का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण आयोजित

रायगढ़। शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विकासखंड पुसौर में शनिवार को क्लब क्लस्टर बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री श्यामानंद साहू के निर्देशन एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी भुवनेश्वर पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में शिक्षकों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की भावना के अनुरूप नवाचार आधारित शिक्षण, मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) को मजबूत करने तथा शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण में शिक्षकों से विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ शासकीय स्कूलों के प्रति अभिभावकों का विश्वास बढ़ाने के लिए भी विशेष प्रयास करने का आह्वान किया गया।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में ‘नशा मुक्त युवा विकसित भारत 2.0’ अभियान का भव्य आयोजन

नशे के खिलाफ युवा बनें जनआंदोलन का नेतृत्वकर्ता : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन से जुड़े लाखों युवा

बिलासपुर/नवप्रदेश। नशा मुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं माय भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विश्वविद्यालय के रजत जयंती सभागार में ‘नशा मुक्त युवा विकसित भारत 2.0’ अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के राष्ट्रव्यापी वर्चुअल संबोधन का प्रसारण किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि ‘विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हमारा युवा नशे से मुक्त, स्वस्थ, अनुशासित और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित होगा। नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। आज प्रत्येक युवा को नशा मुक्त भारत अभियान का ब्रांड एंबेसडर बनकर अपने गांव, शहर और शिक्षण संस्थानों में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का भी केंद्र है। विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास ही वास्तविक शिक्षा है। नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान युवाओं

को राष्ट्र के प्रति उनके दायित्वों का बोध कराने वाला महत्वपूर्ण अभियान है।बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, नवाचार, खेल और समाज सेवा में लगाएंगे तो विकसित भारत का लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त होगा। प्रत्येक युवा को इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक , रैली एवं रक्तदान शिविर का विशेष आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बिलासपुर नगर निगम की महापौर पूजा विधानी जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर संजय अग्रवाल,नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. ए.के. दीक्षित,माय भारत के उप निदेशक नितिन शर्मा सहित विश्वविद्यालय परिवार, प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर राजेंद्र मेहता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं,माय भारत स्वयंसेवकों, माय भारत यूथ क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजनाराष्ट्रीय कैडेट कोर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स स्काउट-गाइड खेल एवं युवा कल्याण विभाग खेलो इंडिया विभिन्न महाविद्यालयों, से लगभग एक हजार युवाओं ने सहभागिता की । कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। आयोजन में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों, स्वस्थ जीवनशैली एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति प्रेरित किया गया। इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में दो दर्जन से अधिक युवाओं और प्राध्यापकों ने रक्तदान किया।

कार्यक्रम का सफल आयोजन गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं माय भारत बिलासपुर के संयुक्त प्रयासों से संपन्न हुआ। उपस्थित अतिथियों ने इस अभियान को केवल एक दिवसीय कार्यक्रम न मानते हुए इसे जनभागीदारी से जुड़े सतत सामाजिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

चिरमिरी क्षेत्र को नई रेल सौगात, 602 करोड़ की नई ब्रॉडगेज लाइन के लिए टेंडर जारी

एमसीबी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के चिरमिरी क्षेत्र को जल्द ही बेहतर रेल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने पाराडोल से नागपुर रोड स्टेशन तक नई ब्रॉडगेज सिंगल रेल लाइन बिछाने तथा मौजूदा बोरीडांड-चिरमिरी लाइन के स्लूइंग कार्य के लिए ई-निविदा (ई-टेंडर) आमंत्रित कर दी है। ईपीसी मोड पर होने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत लगभग ?601.90 करोड़ है, और इसे दो वर्ष (730 दिन) में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह परियोजना उस मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले से जुड़ी है, जो प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल का गृह क्षेत्र है। लंबे समय से इस अंचल के लोग बेहतर रेल सुविधा की मांग करते रहे हैं। नई लाइन बनने से चिरमिरी और आसपास के क्षेत्रों की रेल पहुंच और सुगम होगी, जिससे यात्रियों के साथ-साथ इस कोयला-समृद्ध क्षेत्र के औद्योगिक और व्यापारिक आवागमन को भी नई गति मिलेगी।

सरस्वती शिशु मंदिर दर्री में विज्ञान मेले का भव्य समापन, विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा

डॉ. प्रफुल्ल चन्द्र राय की जयंती पर आयोजित हुआ नौ दिवसीय विज्ञान मेला

दर्री/नवप्रदेश। भारतीय रसायन विज्ञान के जनक डॉ. प्रफुल्ल चन्द्र राय की जयंती के उपलक्ष्य में सरस्वती शिशु मंदिर दर्री में 25 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक विज्ञान मेले का सफल आयोजन किया गया। इस विज्ञान मेले का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, अनुसंधान एवं विज्ञान के प्रति जिज्ञासा का विकास करना था। इस दौरान विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

पत्र प्रस्तुति एवं तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

विज्ञान मेले के अंतर्गत पत्र प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें तरुण वर्ग से खुशी श्रीवास ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि किशोर वर्ग में दिव्या जाल प्रथम रहीं। वहीं तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में खुशी श्रीवास एवं डिम्पल साहू ने प्रभावशाली प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान हासिल किया। दोनों प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने विज्ञान से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किए।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में तरुण वर्ग से मनीषा, सत्यवती, प्राची, नेहा, दिव्या एवं आँचल साहू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। बाल वर्ग में चंद्रवती, वासनी एवं काव्या की टीम प्रथम रही, जबकि शिशु वर्ग में दक्ष, भविष्य एवं आदित्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विज्ञान से जुड़े प्रश्नों के सटीक उत्तर देकर अपनी वैज्ञानिक समझ और ज्ञान का परिचय दिया।

कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन 30 सितंबर को

विशेष साधारण सभा की बैठक में निर्णय, सीएस को जल्द सौंपेंगे ज्ञापन

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार शर्मा एवं महामंत्री संतोष वर्मा ने बताया कि संघ का नियमावली में संशोधन होने के बाद संघ के द्वारा विशेष सभा की बैठक टाउन हॉल कलेक्टर परिसर रायपुर में आयोजित की गई जिसमें नियमावली के अनुसार सर्वसम्मति से 01 प्रांतीय अध्यक्ष 01वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष 10 प्रांतीय उपाध्यक्ष 01 वरिष्ठ महामंत्री 05 महामंत्री प्रदेश 01 प्रांतीय कोषाध्यक्ष 05 प्रदेश प्रवक्ता 10 प्रांतीय सचिव एवं 11 का कार्यकारिणी सदस्य के साथ 45 पदों पर मनोनीत किया गया उक्त बैठक में प्रबंध कार्यकारिणी द्वारा निर्णय लिया गया कि विपक्ष में रहते हुए भाजपा द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 में कर्मचारी हित के तहत घोषणा की गई थी कि यदि हमारी

सरकार बनती है तो कर्मचारी हित में महंगाई भत्ता को केंद्र के समान दिया जाएगा साथ ही एरियर्स राशि को उनके खाते में जमा किया जावेगा, अनियमित, संविदा दैनिक वेतन कर्मचारी को 100 दिन के अंदर समिति बनाकर कर्मचारी हित में निर्णय लिया जाना, शिक्षा कर्मियों का प्रथम नियुक्ति से सेवा अवधि गणना करने सहित विभिन्न मांगों को शामिल किया गया था लेकिन सरकार बनने के 2 वर्ष बाद भी अपने घोषणा पत्र को लागू नहीं किए जाने से कर्मचारियों में काफी आक्रोश है। प्रबंध कार्यकारिणी ने कहा कि 30 सितंबर 2026 तक कोई निर्णय नहीं लिए जाने पर संघ पूरे प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालय में धरना प्रदर्शन एवं रैली निकालकर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपेगा।

आज के साधारण सभा की बैठक का संचालन जिला अध्यक्ष किशोर शर्मा बिलासपुर एवं रामचंद्र टांडी,अध्यक्ष रायपुर द्वारा किया गया। उक्त बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार शर्मा, प्रदेश समन्वयक जीआर चंद्रा,संतोष पांडेय, बाबा चौहान, डी.के.मिश्रा, आलोक जाधव, विजय लहरे, आनंद यादव, संतोष वर्मा , हिमाचल साहू, टार्जन गुप्ता, उमेश मुदलियार, रामकुमार यादव, किशोर शर्मा, रामचंद्र टांडी, संजय चौहान, राधेलाल भारद्वाज,भानुप्रताप यादव, पीताम्बर पटेल, पूनम बघेल, मतीना बंजारे, आरती राय, सीमा वर्मा, गजेन्द्र साहू, प्रदेश अध्यक्ष आईटीआई, गुमान सिंह साहू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आईटीआई विनोद साहू, संभागीय अध्यक्ष ओम त्रिपाठी, दुर्गेश साहू, प्रेम सोनी,जाहिद सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी साथी भारी संख्या में शामिल हुए।

समारोहः जयरामनगर के शासकीय विद्यालय में सरस्वती साइकिल वितरण समारोह

‘शिक्षा की उड़ान को मिले नए पंख’

बिलासपुर/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जयरामनगर में शासन की महत्वाकांक्षी ‘सरस्वती साइकिल योजना’ के अंतर्गत निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामयी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी जी उपस्थित रहे। संघर्ष से सफलता तक मुख्य अतिथि राजेश सूर्यवंशी ने साइकिल योजना की पृष्ठभूमि और इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भावुक होते हुए अपने छात्रजीवन के संघर्षों और प्रारंभिक चुनौतियों को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे उस प्रारंभिक दौर में गरीबी, संसाधनों की कमी और जागरूकता के अभाव के कारण बेटियाँ शिक्षा से वंचित रह जाती थीं।उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए

कहा कि वर्ष 2003 में भाजपा सरकार के गठन के बाद, तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी ने स्कूली शिक्षा में बेटियों की घटती संख्या को बेहद गंभीरता से लिया। इसी दूरगामी सोच के साथ वर्ष 2004-05 में ‘सरस्वती साइकिल योजना’ की नींव रखी गई, जिसका मुख्य ध्येय बेटियों को निर्बाध शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना था। सूर्यवंशी ने गर्व के साथ कहा, ‘इस योजना का सुखद परिणाम आज हमारे सामने है। छत्तीसगढ़ की बेटियां अब प्रशासनिक, राजनैतिक और हर तकनीकी क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहराकर प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं।’ उन्होंने सभी छात्राओं को पूरी निष्ठा से पढ़ाई करने और अपने माता-पिता व क्षेत्र का गौरव बढ़ाने का आह्वान करते हुए अपनी वाणी को विराम दिया।

इस गरमामयी उपस्थिति के अवसर पर भाजपा जयरामनगर मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप सेः राजेंद्र बंसल , वीरेन्द्र पटेल , राधेश्याम मिश्रा , कपिल पटेल, भास्कर पटेल , सीटू चावला , कुशल पटेल पटेल , हिरेन्द्र पटेल ,शिव सिदार ,रघुवीर संगीता अंचल (सरपंच), मोइत्रा मैडम , शिवनंदन साहू साथ ही विद्यालय के समस्त स्टाफ, बड़ी संख्या में छात्र - छात्राएं और क्षेत्रीय ग्रामीण जन इस हर्षोल्लास से भरे क्षण के साक्षी बने।

35 पाव अवैध शराब व मोटरसाइकिल जब्त किया

बिलासपुर/नवप्रदेश। नशाखोरी अवैध शराब बिक्री पर कार्यवाही करने हेतु उप.महा.निरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा निर्देश दिये जाने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर एवं नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन एवं थाना प्रभारी प्रशिक्षु उप.पुलिस अधीक्षक आकाश चौधरी के दिशा निर्देश पर मुखबिर की सूचना पर मोटर सायकल मे भारी मात्रा मे अवैध शराब बिक्री करने के उद्देश्य से ले रहा है। बन्नाक चौक पहुचकर घेराबंदी दौरान एक व्यक्ति मोटर सायकल के सामने एक सफेद रंग का थैला रखकर आते मिला जिसे रोकवाकर चेक करने पर उक्त थैला के अंदर

35 पाव देशी प्लेन शराब रखा मिला। जिसे पूछताछ करने पर बिक्री हेतु शराब ले जाना बताया आरोपी के कब्जे से 35 पाव देशी प्लेन शराब कीमती 2840 रुपए एवं मोटर सायकल क्रमांक सीजी 11 ए. एक्स 8596 को जब्त किया। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2),59(क)आबकारी एक्ट कायम कर आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया।

हाईकोर्ट की फटकार, सुप्रीम कोर्ट की चिंता... फिर भी सड़कों पर 'मौत' का पहरा, आखिर जिम्मेदार कौन?

सड़क पर मवेशियों का डेरा... मालिक बेखबर, सिस्टम बेअसर!

सड़कों पर मौत अब रफ्तार से नहीं, बल्कि लापरवाही से दौड़ रही है। नेशनल हाईवे से लेकर गांव की सड़कों तक आवारा मवेशियों ने कब्जा जमा रखा है, लेकिन न पशु मालिकों पर कार्रवाई हो रही है और न ही जिम्मेदार एजेंसियां कोई स्थायी समाधान तलाश पा रही हैं। नतीजा हर साल हजारों सड़क हादसे, सैकड़ों परिवार उजड़ रहे हैं और बेजुबान मवेशी भी अकाल मौत का शिकार हो रहे हैं। विडंबना यह है कि जिन पशुओं को पालने वाले लोग दूध निकलने के बाद उन्हें सड़कों पर छोड़ देते हैं, उनकी जवाबदेही शायद ही कभी तय होती है। उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालय कई बार केंद्र और राज्य सरकारों को फटकार लगा चुके हैं और हाईवे को आवारा पशुओं से मुक्त रखने के निर्देश दे चुके हैं, लेकिन जमीनी हालात आज भी नहीं बदले। उधर, गांवों में यही आवारा मवेशी किसानों की महीनों की मेहनत चंद घंटों में बर्बाद कर रहे हैं। सवाल सीधा है, जब सड़कों में मवेशियों की वजह से हादसे हो रहे हैं तो मौतों का जिम्मेदार आखिर कौन है – पशु मालिक, प्रशासन या पूरा सरकारी तंत्र...?

सड़कों पर 'आवारा' मवेशियों का आतंक: हर साल हजारों हादसे, बंद पड़े गोठानों ने बढ़ाई चिंता

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की सड़कों पर आवारा मवेशियों की बढ़ती मौजूदगी अब केवल यातायात की समस्या नहीं, बल्कि गंभीर जनसुरक्षा का विषय बन चुकी है। राजधानी रायपुर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर गायों और अन्य मवेशियों के झुंड आसानी से देखे जा सकते हैं। दिन हो या रात, सड़क के बीचोंबीच बैठे मवेशी लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं, जिनमें हर साल हजारों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं या गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट भी इसे लेकर गंभीर चिंता जता चुके हैं।

सबसे अधिक खतरा रात के समय रहता है, जब सड़क पर बैठे मवेशी दूर से दिखाई नहीं देते। तेज रफ्तार वाहनों की उनसे टक्कर होने पर कई बार दुर्घटनाएं जानलेवा साबित होती हैं। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक बन जाती है। सड़क सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो दुर्घटनाओं का आंकड़ा लगातार बढ़ता रहेगा।

पशु मालिक भी गैर जिम्मेदार कड़ी कार्रवाई भी बेहद जरूरी

विशेषज्ञों का कहना है कि समस्या की एक बड़ी वजह पशुपालकों की लापरवाही भी है। अधिकांश लोग गायों को केवल दूध उत्पादन तक ही अपने पास रखते हैं। दूध देना बंद होने या उपयोगिता कम होने पर उन्हें खुला छोड़ दिया जाता है। ऐसे मवेशी भोजन और पानी की तलाश में सड़कों पर पहुंच जाते हैं और यातायात के लिए गंभीर खतरा बन जाते हैं। लापरवाह पशु मालिकों पर भी ठोस कार्रवाई की जरूरत है, ताकि मवेशियों को घर पर रखे।

कांग्रेस सरकार की फ्लैगशिप योजना थी गोठान

इस समस्या के समाधान के लिए पूर्ववर्ती सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी 'नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी' योजना के तहत प्रदेशभर के गांवों में गोठानों का निर्माण कराया था। इन गोठानों का उद्देश्य आवारा मवेशियों को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराना, पशुपालन को बढ़ावा देना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना था। हालांकि, वर्तमान में प्रदेश के अनेक गोठान निष्क्रिय या बंद पड़े हैं।

गोठानों को दोबारा शुरू करने की जरूरत

सामाजिक संगठनों और सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि गोठानों को दोबारा सक्रिय करने, पशुपालकों की जवाबदेही तय करने तथा स्थानीय निकायों द्वारा नियमित अभियान चलाने की आवश्यकता है। सवाल यह है कि जब प्रदेश में गोठानों जैसी व्यवस्था पहले से मौजूद है, तो फिर सड़कों पर मवेशियों का बढ़ता जमावड़ा आखिर क्यों नहीं रुक पा रहा है? यह केवल यातायात का मुद्दा नहीं, बल्कि जनजीवन, सड़क सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है।

आप बस प्लानिंग कर रहे, लागू नहीं हो रहा रिपोर्ट भरकर खानापूर्ति की जा रही: हाईकोर्ट

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की खस्ताहाल सडकों और मवेशियों के मामले में दायर अलग अलग जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मुख्य सचिव से पूछा, सडक सुरक्षा व मवेशियों की समस्या के निदान के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। सड़कों पर आवारा मवेशी को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य-सरकार को फिर फटकारा... कहा-आप लोग बस प्लानिंग कर रहे, लागू नहीं हो रहा, रिपोर्ट भरकर खानापूर्ति की जा रही है। कोर्ट ने पूरी जानकारी शपथ पत्र के साथ देने का निर्देश दिया है। पीआईएल की सुनवाई के लिए कोर्ट ने 9 सितंबर की तिथि तय कर दी है।

सड़कों की खराब स्थिति, रोड सेफ्टी और हाईवे पर आवारा मवेशियों की समस्या को लेकर छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट में पहले हुई सुनवाई के दौरान राज्य की एजेंसियों की ओर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की गई थी। कोर्ट कमिश्नर्स की रिपोर्ट और संबंधित विभागों के अनुपालन शपथपत्र पर विचार के बाद हाई कोर्ट ने मामले को आगे की मॉनिटरिंग के लिए 28 जुलाई 2026 को पुनः सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। शपथ पत्र में जानकारी दी गई थी, मवेशियों की परेशानी को कम करने के लिए आवश्यक शेड का निर्माण कराया जा रहा है। इससे हाईवे और सड़कों पर आवारा मवेशियों की मौजूदगी से होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

दुर्घटना से घायल मवेशियों के लिए कोई सिस्टम नहीं

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से बताया गया कि बछड़े को गाड़ी ने टक्कर मारी। लोगों ने मदद के लिए कॉल किया लेकिन, कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। टोल नंबर पर फोन करने पर किसी ने रिसीव नहीं किया। वेटनरी हॉस्पिटल में फोन करने पर कोई जवाब नहीं मिला। इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि अगर अस्पतालों में इलाज की सुविधा नहीं तो रिपोर्ट झूठी है। व्यवस्था को दुरूस्त किया जाए... सिर्फ कागजों में सब कुछ ठीक होने का दावा ठीक नहीं।

8 हफ्ते नहीं 8 साल ले लो, लेकिन सड़क पर मवेशी नहीं दिखना चाहिए: हाईकोर्ट

- छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर में आवारा मवेशियों से हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर पिछले कुछ सालों से लगातार सुनवाई चल रही है। मवेशी मुक्त सड़क/हाईवे बनाना सरकार का लक्ष्य होना चाहिए। पिछली सुनवाई में चीफजस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच ने कहा था कि 8 हफ्ते नहीं 8 साल ले लो, लेकिन सड़क पर मवेशी नहीं दिखना चाहिए।
- हाई कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा सरकार सिर्फ रिपोर्ट भरकर खानापूर्ति कर रही है। सुरक्षा और मॉनिटरिंग का हाल खराब है। सरकार ने जो रिपोर्ट हाईकोर्ट में प्रस्तुत किए उसमें सभी शहरी क्षेत्रों में कांजी हाउस शुरू करने और खराब वाले की मरम्मत करना बताया है।
- मवेशियों के गले में रेडियम बेल्ट लगाई गई। नसबंदी, कान टैगिंग अभियान चल रहा है। मवेशी मालिकों पर भी कार्रवाई की जा रही है। रतनपुर में 13 गौवंश कुचलने के बाद मवेशी मालिक पर भी काईवाई की गई।

भूपेश बघेल की सरकार ने हर गांव में बनाए गोठान, अब खाली

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में पिछली सरकार के कार्यकाल में 'नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी' योजना के तहत 10 हजार से अधिक गोठानों का निर्माण किया गया था। इन गोठानों के निर्माण और संचालन पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए। इनका उद्देश्य आवारा मवेशियों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना और उन्हें सड़कों पर भटकने से रोकना था। हालांकि, वर्तमान में प्रदेश के अधिकांश गोठान खाली या निष्क्रिय पड़े हैं, जिसके चलते बड़ी संख्या में मवेशी फिर से सड़कों पर नजर आ रहे हैं।

कांग्रेस शासन में गोठान योजना में खर्च हुई राशि

1334.65
करोड़ रुपये प्रदेश में गोठान योजना पर खर्च किए गए

10,240
गोठान समितियों का गठन किया गया

9,303
चरवाहे पूरे प्रदेश के गोठान समितियों द्वारा रखे गए थे

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, फिर भी नहीं जागे जिम्मेदार

रायपुर/नवप्रदेश। सड़क पर घूमते मवेशियों के चलते होने वाले हादसों पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता व्यक्त की है। कोर्ट ने समाज के दोहरे रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि लोग मवेशियों की उपयोगिता खत्म होने पर उन्हें सड़क पर लावारिस छोड़ देते हैं, लेकिन अगर कोई उनका उपयोग भोजन के रूप में करता है, तो इस पर बुरा मान जाते हैं। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने आदेश में यह भी दर्ज किया है कि 24 राज्यों में सख्त गौहत्या निषेध कानून है। उन कानूनों में मवेशियों के संरक्षण को लेकर प्रावधान हैं, लेकिन उनका सही तरह से पालन नहीं हो रहा है। इसके चलते देश में हर साल लगभग हजारों लोग हादसे का शिकार होकर अपनी जान गवां रहे हैं।

मवेशी स्पीड ब्रेकर नहीं बन सकते: जजों ने यह माना है कि कई लोगों के पास गैर-उपयोगी जानवरों के रखरखाव के लिए ज़रूरी पैसे नहीं होते, फिर भी इसका समाधान यह नहीं हो सकता कि वह अपने पशुओं को सड़क पर छोड़ दें। ऐसे किसानों की यह जिम्मेदारी है कि वह अपने मवेशी को सरकारी संरक्षण केंद्र तक पहुंचाएं। कोर्ट ने कहा, 'सभी को यह समझना होगा कि मवेशी हाइवे और सड़कों पर बेतरतीब ढंग से रखे गए स्पीड ब्रेकर नहीं बन सकते।

सुप्रीम कोर्ट की सुप्रीम सिफारिशें

- कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को इस समस्या से निपटने के लिए यह उपाय अपनाने का सुझाव दिया है।
- सभी मवेशियों की अनिवार्य टैगिंग की जाए और उनका डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाए।
- अगर मवेशी का मालिक उसे नहीं पाल सकता, तो उसे अधिकृत आश्रय गृहों में सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी उसी की होगी।
- आश्रय गृहों के संचालन, टैगिंग और रिकॉर्ड की देखरेख के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं।
- बेसहारा मवेशियों के चलते होने वाले हादसों के पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए एक स्थायी व्यवस्था बनाई जाए।
- फैसले के अंत में कोर्ट ने यह निर्देश दिया है कि ने इसकी कॉपी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्य सरकारें इन सिफारिशों पर विचार कर आवश्यक कार्रवाई करें।

सुप्रीम कोर्ट के इन आदेशों का करना होगा पालन

- राजमार्ग, एक्सप्रेस-वे और शहर की सड़कों से पशुओं को हटाना अनिवार्य।
- संयुक्त अभियान चलाकर पशुओं को गौशालाओं और कैटल पाउंड में भेजा जाए।
- सुबह से लेकर रात भर हाईवे पेट्रोलिंग टीम बनाकर मॉनिटरिंग की जाए।
- हर हाईवे पर स्थायी हेल्पलाइन नंबर लगाए जाएं।
- आदेशों के पालन में लापरवाही पर अधिकारी खुद जिम्मेदार होंगे।

जरा संभलकर... सड़क पर हम हैं विराजमान', आवारा पशु दे रहे हादसों को न्यौता

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में सड़कों पर बढ़ते आवारा मवेशी अब सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। राष्ट्रीय और राज्य मार्गों के साथ-साथ शहर की प्रमुख सड़कों पर दिन-रात मवेशियों का जमावड़ा आम हो गया है। सड़क किनारे या बीच सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें कई बेजुबान पशुओं के साथ-साथ वाहन चालक भी जान गंवा रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि इन हादसों की जिम्मेदारी आखिर किसकी है– मवेशी मालिक की या फिर वाहन चालक की?

आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के लिए नगर पालिका और ग्राम पंचायतों की ओर से लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। काउ कैचर वाहनों के माध्यम से सड़कों से मवेशियों को हटाया भी जाता है, लेकिन कुछ ही समय बाद वही मवेशी फिर से सड़कों पर नजर आने लगते हैं। इससे प्रशासन की कार्रवाई का स्थायी असर दिखाई नहीं दे रहा है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व में उच्च न्यायालय भी इस समस्या पर संज्ञान ले चुका है। अब शासन ने गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में पहल करते हुए मुंगेली जिले के नौ गौधामों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इन गौधामों के शुरू होने से निराश्रित एवं गोवंशीय पशुओं के संरक्षण के लिए स्थायी व्यवस्था विकसित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

गोधाम भी हादसों को रोकने में नाकाम

प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त गौधामों में विकासखंड मुंगेली के संबलपुर, धरमपुरा, लिम्हा, छतौना, लोहड़िया, भूसुंडी और पंडरभट्ठा, विकासखंड पथरिया के सरगांव तथा विकासखंड लोरमी के झझपुरीकला शामिल हैं। छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग ने सभी संबंधित संचालन समितियों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजीयन प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

पशुपालकों की जवाबदेही भी तय की जाए

प्रशासन का मानना है कि गौधामों के व्यवस्थित संचालन से आवारा मवेशियों की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा। यदि पशुपालकों की जवाबदेही भी तय की जाए और गौधाम नियमित रूप से संचालित हों, तो सड़कों पर मवेशियों की मौजूदगी कम होगी, दुर्घटनाओं में कमी आएगी और लोगों के साथ-साथ बेजुबान पशुओं की जान भी सुरक्षित रह सकेगी।

आवारा पशुओं को पकड़ रहे

कलेक्टर के निर्देश पर आवारा पशुओं पर कार्यवाही की जा रही है। पशुओं पर लगे टैग में सही जानकारी उपलब्ध नहीं है, जिससे परेशानियां हो रही है। सड़कों से मवेशियों को हटाने काऊ केचिंग की कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही समस्याओं का निदान किया जाएगा।

– **होरी सिंह ठाकुर,** सीएमओ, मुंगेली

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर धोटे*, स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com